Daily
THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
द फोटोन न्यूज Published from Ranchi
Ranchi ● Thursday, 04 January 2024 ● Year : 01 ● Issue : 344 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : 3 ● www.thephotonnews.com E-Paper : epaper.thephotonnews.com

सुविचार

यदि तुम सूर्य के खो जाने पर आंसू बहाओगे, तो तारों को भी खो बैठोगे।

रवींद्रनाथ टैगोर

सलमान खान के अपोजिट बॉलीवुड...

SHARE

सेंसेक्स	:	71,356.60
निफ्टी	:	21,517.35

SARAFA

सोना	:	6,010
चांदी	:	80.00

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

आईएएस राजीव अरुण एक्का को अपर मुख्य सचिव रैंक में प्रोन्नति

RANCHI : राज्य सरकार ने भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी राजीव अरुण एक्का को लेवल 17 में 2.25 लाख के वेतनमान पर प्रमोशन देते हुए अपर मुख्य सचिव बनाया है। अब वह पंचायती राज विभाग के अपर मुख्य सचिव होंगे। इस संबंध में कार्मिक विभाग ने अधिसूचना जारी कर दी है। राज्य सरकार ने इसके अलावा तीन आईएएस अफसर को प्रधान सचिव रैंक लेवल 15 में प्रमोशन दिया है इन्हें अब 182200-224100 का वेतनमान मिलेगा। इनमें मुख्यमंत्री के सचिव विनय कुमार चौबे, पथ निर्माण सचिव सुनील कुमार और उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग के सचिव राहुल पुरवार को प्रधान सचिव रैंक में प्रमोशन दी गई है। तीनों अधिकारी अपने ही विभाग में प्रधान सचिव के पद पर रहेंगे। इसके अलावा अतिरिक्त प्रभाव वाला पद भी उनके पास रहेगा।

11 राज्यों में पहुंचा कोरोना का नया वेरियंट जेएन.1

NEW DELHI : देश में जहां कोरोना के नए मामलों में बढ़ोतरी हो रही है वहीं इसके नए वेरियंट जेएन.1 के 511 मामलों की पुष्टि की जा चुकी है। स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक इस नए वेरियंट जेएन.1 के मामले अबतक 11 राज्यों में मिले हैं। इनमें कर्नाटक से 199, केरल से 148, गोवा से 47, गुजरात से 36, महाराष्ट्र से 32, तमिलनाडु से 26, दिल्ली से 15, राजस्थान से 4, तेलंगाना से 2, ओडिशा से 1 और हरियाणा से 1 मामले की पुष्टि की गई है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने जेएन.1 को इसके तेजी से वैश्विक प्रसार के बाद इसे निगरानी में रखे जाने वाले स्वरूप के रूप में वर्गीकृत किया है लेकिन साथ ही सीमित उपलब्ध साक्ष्यों को ध्यान में रखते हुए जेएन.1 द्वारा उत्पन्न अतिरिक्त सार्वजनिक स्वास्थ्य जोखिम को वर्तमान में वैश्विक स्तर पर कम आंका है। यह वेरियंट ऑफ इंटरेस्ट है।

वित्तीय धोखाधड़ी होने पर तुरंत डायल करें '1930'

NEW DELHI : साइबर वित्तीय धोखाधड़ी रोकने के लिए केन्द्र सरकार गंभीरता से काम कर रही है। इस संबंध में केन्द्र सरकार ने "1930" हेल्पलाइन नंबर जारी किया है। भारतीय साइबर अपराध समन्वय केन्द्र (आई4सी) के सीईओ राजेश कुमार ने बुधवार को एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि साइबर ठगी के शिकार होने पर एक घंटे के अंदर 1930 पर फोन कर शिकायत दर्ज करवाता है तो पैसे वापस होने की संभावना अधिक रहती है।

ईडी की ताबड़तोड़ छापेमारी

झारखंड के 12 ठिकानों समेत देश के तीन राज्यों में एजेंसी ने दी दस्तक

सीएम के प्रेस सलाहकार पिंटू समेत कई करीबियों के ठिकानों पर छापेमारी

जमीन घोटाला और ₹1000 करोड़ के अवैध खनन मामले में ईडी की कार्रवाई

CRIME REPORTER RANCHI : ईडी ने झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के प्रेस सलाहकार अभिषेक प्रसाद उर्फ पिंटू समेत कई करीबियों के ठिकानों पर ईडी ने दबिश दी। अभिषेक प्रसाद के ठिकानों नर पूरे 14 घंटे छापेमारी चली जो रात 10.30 बजे खत्म हुई। इस छापेमारी में ईडी ने कई महत्वपूर्ण दस्तावेज जब्त किया है। सोमवार को सुबह-सुबह ईडी की टीम ने रांची समेत झारखंड के 12 जगहों पर छापेमारी की। जमीन घोटाला मामले में और अवैध खनन घोटाला से जुड़े लोगों के ठिकानों पर ईडी ने कार्रवाई की। देश के तीन राज्यों में उसकी टीम छापेमारी कर रही है। सूत्र बता रहे हैं कि पीएमएलए के प्रावधानों के तहत मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के मीडिया सलाहकार अभिषेक प्रसाद उर्फ पिंटू समेत कई लोगों के ठिकानों पर ईडी की टीम ने छापेमारी की। ईडी की टीम ने अभिषेक प्रसाद उर्फ पिंटू के रांची स्थित ठिकानों पर दबिश दी है, तो साहिबगंज के उपायुक्त रामनिवास यादव के राजस्थान के ठिकानों के साथ-साथ साहिबगंज स्थित सरकारी आवास पर भी छापेमारी की है। हेमंत सोरेन के करीबी माने जाने वाले आर्किटेक्ट बिनोद कुमार एवं खोडानिया ब्रदर्स के यहां साहिबगंज में छापेमारी चल रही है। पूर्व विधायक पप्पू यादव के देवघर स्थित ठिकानों पर छापेमारी की जा रही है, तो साहिबगंज के डीएसपी राजेंद्र दुबे के हजारीबाग एवं अन्य ठिकानों पर प्रवर्तन निदेशालय की टीम ने दबिश दी है। अभय सरावगी के कोलकाता स्थित ठिकानों पर रेड चल रही है, तो रांची में सिपाही अवधेश कुमार के यहां भी केंद्रीय जांच एजेंसी की टीम पहुंची है। खबर लिखे जाने तक कई ठिकानों पर कार्रवाई जारी थी।

- प्रेस सलाहकार के ठिकानों पर 14 घंटे चली छापेमारी, कई दस्तावेज जब्त
- पूर्व विधायक डीसी, डीएसपी समेत कई अधिकारियों के यहां ईडी की कार्रवाई
- झारखंड में बड़ी कार्रवाई की तैयारी में ईडी सीआरपीएफ की एक टुकड़ी रिजर्व में तैनात
- ईडी की इस कार्रवाई से जमीन घोटाले व अवैध खनन मामले से जुड़े लोगों में हड़कंप

प्रेस सलाहकार अभिषेक प्रसाद उर्फ पिंटू का घर, जहां ईडी ने की छापेमारी।

ईडी ने यहां की छापेमारी

- मीडिया सलाहकार अभिषेक प्रसाद के आवास पर
- आईएएस और साहिबगंज डीसी रामनिवास यादव के साहिबगंज और राजस्थान स्थित आवासों पर
- रांची में ग्रिड आर्किटेक्ट के मालिक बिनोद कुमार के ठिकानों पर
- साहिबगंज में खोदनिया ब्रदर्स के यहां
- पूर्व विधायक पप्पू यादव के ठिकानों पर
- हजारीबाग डीएसपी राजेंद्र दुबे के घर पर
- अभय सरावगी के कोलकाता स्थित ठिकानों पर
- सिपाही अवधेश कुमार के ठिकानों पर

साहिबगंज डीसी के कैंप कार्यालय से आठ लाख रुपये और गोलियां जब्त

ईडी ने छापेमारी में साहिबगंज डीसी रामनिवास यादव के कैंप कार्यालय से नाइन एमएम 14 गोलियां और लगभग आठ लाख रुपये बरामद किया है। इसके अलावा ईडी की टीम ने कई अहम कागजात बरामद किये है। रुपये सरकारी दस्तावेजों में लिफाफा में रखा हुआ था। इस दौरान ईडी की टीम डीसी रामनिवास यादव से परिसर में ही पूछताछ भी की। ईडी की दो अलग-अलग तीन सदस्यों की टीम पत्थर व्यवसाई कन्हैया खुडानिया के पुराने आवास पर भी छापामारी की। साथ ही खनन से जुड़े कुछ मामले में जानकारी ली।

विनोद कुमार के रोस्पा टावर स्थित ग्रिड कंसल्टेंट सील

सत्ता शीर्ष के करीबी माने जाने वाले विनोद कुमार के घर पर ईडी की टीम छापेमारी कर रही है। इसी दौरान ईडी की टीम ने विनोद कुमार के रोस्पा टावर स्थित ग्रिड कंसलटेंट को सील कर दिया। इससे पहले ईडी ने विनोद कुमार के रातू रोड के नीलांचल कंपाउंड स्थित आवास पर प्रिंटर मंगवाया है। कयास लगाया जा रहा है कि विनोद कुमार के घर से कुछ जरूर दस्तावेज मिले हैं।

साहिबगंज डीएसपी राजेंद्र दुबे के हजारीबाग आवास पर छापेमारी

साहिबगंज के डीएसपी राजेंद्र दुबे के हजारीबाग स्थित आवास पर प्रवर्तन निदेशालय की टीम ने छापेमारी की है। छापेमारी की यह कार्रवाई साहिबगंज जिले में कथित अवैध खनन से जुड़ा है। उनके घर में ईडी के 10 अफसरों की टीम छापेमारी कर रही है। बाहर केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के जवानों को तैनात कर दिया गया है। किसी को भी घर के अंदर दाखिल होने या घर से बाहर निकलने की अनुमति नहीं है। साहिबगंज में पदस्थापित डीएसपी राजेंद्र दुबे के हजारीबाग शिवपुरी मोहल्ला स्थित आवास पर ईडी की टीम बुधवार को सुबह 7:00 बजे ही दो गाड़ियों से पहुंची। दो गाड़ियों में कुल 10 लोग थे। ईडी के अधिकारी घर के अंदर दाखिल हो गए।

देवघर में पूर्व विधायक पप्पू यादव के निमार्णाधीन होटल में छापेमारी

देवघर के कास्टर टाउन मुहल्ला निवासी पूर्व विधायक राजकिशोर प्रसाद उर्फ पप्पू यादव के कंचन गोपाल अपार्टमेंट स्थित फ्लैट संख्या 502 में ईडी की टीम बुधवार की अहले सुबह छापेमारी के लिए पहुंची। चार सदस्यीय पदाधिकारियों की टीम जहां फ्लैट के अंदर पूर्व विधायक व उनके घरवालों से पूछताछ में जुट गई है। वहीं काफी संख्या में सुरक्षाकर्मी अपार्टमेंट के नीचे सुरक्षा में तैनात हैं, जो अपार्टमेंट में आने-जाने वाले लोगों से पूछताछ के पश्चात ही उन्हें ऊपर की ओर जाने की इजाजत दे रहे हैं। सुबह 7.30 बजे से शुरू हुई छापेमारी का यह अभियान खबर लिखे जाने तक जारी है। इस छापेमारी को अवैध खनन और मनी लॉन्ड्रिंग से जोड़ कर देखा जा रहा है।

अवैध खनन मामले में कोलकाता में भी ईडी के छापे

झारखंड में अवैध खनन के मामले की जांच में जुटे प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कोलकाता में भी बुधवार की सुबह से सक्रियता बढ़ा दी है। महानगर के दो ठिकानों पर ईडी अधिकारियों ने छापेमारी की है। ऊपरोक्त मामले में कोलकाता में ईडी ने कारोबारी अभय सरावगी के ठिकानों पर धावा बोला है। पता चला है कि अभय सरावगी का कंस्ट्रक्शन, ब्रोकिंग, और खनन आदि क्षेत्रों में बिजनेस इंटरेस्ट है। सूत्रों के अनुसार, कोलकाता में छापे वाले ऊपरोक्त दोनों ठिकाने अभय सरावगी से संबंधित हैं। बुधवार की सुबह ही ईडी के अधिकारियों की एक टीम मध्य कोलकाता के गणेश चंद्र एवेन्यू स्थित कारोबारी के कार्यालय पहुंची।

ईरान में रिमोट कंट्रोल से दो धमाके, 103 मरे

पूर्व जनरल की चौथी बरसी पर जुटे थे लोग

AGENCY TEHRAN : ईरान के केरमन शहर में बुधवार को दो धमाकों में 103 लोग मारे गए। 141 घायल हुए हैं। इइउ ने ईरान के सरकारी मीडिया के हवाले से यह खबर दी है। यह धमाके रिवोल्यूशनरी गार्ड्स (ईरान की सेना) के पूर्व जनरल कासिम सुलेमानी के मकबरे पर हुए। पुलिस ने कहा- यह फिदायीन हमला था। इसकी जांच की जा रही है। बुधवार को कासिम सुलेमानी की मौत की चौथी बरसी थी। सुलेमानी को 2020 में अमेरिका और इजराइल ने बगदाद में एक मिसाइल अटैक में मार गिराया था।

सूटकेस में थे बम रिमोट से ब्लास्ट

केरमन के लोकल मीडिया ने अल अरबिया टीवी को बताया कि बुधवार को पहला धमाका एक सूटकेस में रखे गए बम से हुआ। इसे रिमोट से ब्लास्ट किया गया। दूसरा धमाके के बारे में तस्वीर साफ नहीं है। कुछ रिपोर्ट्स के मुताबिक- जब सिक्योरिटी फोर्स मौके पर पहुंचने लगीं तो भीड़ में यह धमाका हुआ। यह फिदायीन हमला भी हो सकता है और रिमोट से किया गया दूसरा ब्लास्ट भी। दोनों धमाकों के बीच 10 सेकंड का अंतर था। पहला धमाका सुलेमानी के मकबरे से 700 मीटर दूर हुआ। दूसरा धमाका, सिक्योरिटी चेक पोस्ट के करीब हुआ।

दर्दनाक : हादसे तीन बच्चों समेत 12 लोगों की चली गई जान

GOLAGHAT : गोलाघाट जिला के देरगांव के बालीजान में बुधवार तड़के लगभग पांच बजे हुए सड़क हादसे में तीन बच्चों समेत 12 लोगों की जान चली गई। पिकनिक मनाने जा रहे लोगों के एक समूह की बस के दुर्घटनाग्रस्त हो जाने से हुए इस हादसे में कुछ महिलाएं भी शामिल हैं। पुलिस के मुताबिक टिलिंगा मंदिर की ओर जा रही अल्ट्रा बस ने ट्रक को टक्कर मार दी। हादसा देरगांव के बालीजान में राष्ट्रीय राजमार्ग-37 पर हुआ। गोलाघाट के भरलुआ गांव से लगभग 45 लोगों का एक समूह पिकनिक मनाने तिनसुकिया टिलिंगा मंदिर की ओर जा रहा था। इस दौरान मार्घेरिटा की ओर से आ रहे ट्रक (एएस-01पीसी-0648) से बस (एएस-02एसी-5383) की सीधी टक्कर हो गई। घायलों में कई की हालत बेहद गंभीर बताई गई है। पुलिस के मुताबिक, इस हादसे में एक ही परिवार के कई लोगों की जान गई है। गोलाघाट के जिला आयुक्त पी उदय प्रवीण देरगांव सामुदायिक अस्पताल पहुंचे और घायलों के साथ-साथ रिश्तेदारों से भी मुलाकात की। माना जा रहा है कि घने कोहरे की वजह से यह हादसा हुआ।

गठबंधन दलों के विधायकों की हुई बैठक, रांची में ही रहेंगे सभी एमएलए

हेमंत सोरेन बने रहेंगे मुख्यमंत्री, बोले- मैं किसी भी कीमत पर इस्तीफा नहीं दे रहा

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड के रांची में सीएम आवास में गुरुवार को गठबंधन दलों के विधायकों की बैठक हुई। 45 मिनट चली बैठक की अध्यक्षता मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने की। बैठक में शामिल विधायकों से हेमंत सोरेन ने कहा, सोशल मीडिया और अखबारों पर ध्यान न दें। मैं किसी भी कीमत पर इस्तीफा नहीं दे रहा हूं। साथ ही सभी विधायकों को अभी रांची में ही रहने का निर्देश दिया गया है। चर्चा है कि सभी विधायक मिलकर वनभोज में जा सकते हैं। बैठक से बाहर निकले कांग्रेस के विधायक प्रदीप यादव ने कहा कि हेमंत सोरेन अभी मुख्यमंत्री हैं और आगे भी मुख्यमंत्री बने रहेंगे। विधायक मथुरा महतो ने कहा सीएम हेमंत हैं और वहीं बरकरार रहेंगे, इस्तीफे की बात सही नहीं है। जैसा है वैसा चलता रहेगा।

- जेएमएम के चार और कांग्रेस के दो विधायक नहीं हो सके शामिल
- सत्ता पक्ष के विधायकों ने कहा स्थिति सामान्य, फिलहाल बदलाव के कोई आसार नहीं

सीएम ने ईडी के समन का जवाब दे दिया है, कोई प्लान 'बी' या 'सी' नहीं : विनोद

झामुमो के महासचिव और प्रवक्ता विनोद पांडेय ने कहा है कि कोई प्लान बी या प्लान सी नहीं है। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने ईडी के समन का जवाब दे दिया है। इस जवाब पर ईडी की क्या प्रतिक्रिया होती है, उसके बाद आगे कोई बात करेंगे। वहीं, राज्यसभा सांसद महुआ माजी ने कहा कि मुख्यमंत्री ने ईडी के सातवें समन का जवाब भेज दिया है। उन्होंने कहा कि जब से हेमंत सोरेन की सरकार बनी है, तब से बीजेपी इस सरकार को अस्थिर करने की कोशिश में जुटी है। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट कर दिया है कि वह लड़ने के लिए तैयार हैं। इस बात में कोई संशय नहीं है कि वह झारखंड के मुख्यमंत्री बने रहेंगे। बीजेपी ने तनावपूर्ण स्थिति पैदा करने की कोशिश की थी। मीटिंग से निकले जामताड़ा विधायक इरफान अंसारी ने कहा कि यहां सभी विधायक जुटे हुए थे। हम लोगों ने संगठन को मजबूत किया है और जहां हम कमजोर हैं, वहां बेहतर करना है। इन सब चीजों पर चर्चा की गई है।

सभी विधायकों ने कहा हेमंत बने रहेंगे सीएम

बैठक में राज्य के राजनीतिक हालात पर चर्चा हुई। सभी विधायकों ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के प्रति विश्वास जताया। कहा कि वे हमेशा उनके साथ हैं। किसी भी तरह की स्थिति में सत्तारूढ़ गठबंधन के नेता एकजुट हैं और विपक्षी गठबंधन एवं केंद्र के किसी भी मंसूबे को नाकाम करने के लिए तैयार हैं। कहा कि वे अपने मुख्यमंत्री और राज्य सरकार के खिलाफ किसी भी तरह की साजिश को सफल नहीं होने देंगे। यह भी कहा की मुख्यमंत्री के नेतृत्व में राज्य सरकार विकास और जनहित में लगातार कार्य कर रही है और यह निरंतर जारी रहेगा।

पीएम बोले- देश में मोदी की गारंटी की चर्चा, केरल में कांग्रेस-लेफ्ट ने महिलाओं को कमजोर माना

हमने सदन में महिलाओं को आरक्षण दिलाया : प्रधानमंत्री

AGENCY THRISSUR : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को केरल के त्रिशूर में बीजेपी महिला सम्मेलन को संबोधित किया। 43 मिनट के संबोधन में पीएम ने कहा- आज कल देश में मोदी की गारंटी की चर्चा है, लेकिन मैं मानता हूं कि देश की नारी शक्ति विकसित भारत के संकल्प की सिद्धि की सबसे बड़ी गारंटी हैं। आजादी के बाद से कांग्रेस, लेफ्ट, एलडीएफ और यूडीएफ की सरकारों ने नारी शक्ति को कमजोर माना। कांग्रेस और लेफ्ट की सरकारों ने महिलाओं को लोकसभा और विधानसभा में आरक्षण देने का कानून लटकाए रखा। मोदी सरकार ने महिलाओं को वो अधिकार दिलाया। कहा कि उन्होंने मुस्लिम बहनों को तीन तलाक से आजादी की गारंटी दी और उसे ईमानदारी से पूरा किया।

विपक्षी गठबंधन ने मंदिरों को लूट का जरिया बनाया

इंडी गठबंधन, हमारी आस्था पर चोट करता है। इन्होंने मंदिरों को, हमारे त्योहारों को भी लूट का जरिया बना दिया है। त्रिशूर पूरम के साथ जैसी राजनीति की जा रही है, वह दुर्भाग्यपूर्ण है। सबरीमाला में भी जिस तरह की अव्यवस्था सामने आई है, उससे श्रद्धालुओं को असुविधा हुई है। ये यहां की राज्य सरकार की अक्षमता का प्रमाण है। देश में कांग्रेस और लेफ्ट की सरकार थी, तो मुस्लिम बहनें तीन तलाक से परेशान थी। मोदी सरकार ने उसे खत्म करने की गारंटी दी थी और उसे खत्म करके भी दिखाया। बीजेपी सरकार के लिए चार जातियां सबसे ऊपर हैं, किसान, गरीब, युवा, महिला। इनका विकास होगा, तभी देश का विकास होगा। केरल में लंबे समय तक लेफ्ट और कांग्रेस, सत्ता और विपक्ष का ढोंग रचते रहे हैं। ये सिर्फ नाम के लिए दो पार्टियां हैं। केरल में करप्शन हो, क्राइम हो या परिवारवाद, ये दोनों सब कुछ मिलकर करते हैं। अब इंडी अलायंस बनाकर इन्होंने घोषणा कर दी है कि इनकी विचारधारा और नीतियों में कोई अंतर नहीं है। केरल की माताओं की संतानें, दुनियाभर में काम करने जाती हैं।

1150 करोड़ की योजनाओं का शिलान्यास-उद्घाटन

पीएम मोदी ने बुधवार सुबह लक्षद्वीप के कावारत्ती में 1150 करोड़ की विकास योजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन किया। उन्होंने कावारती स्टेडियम में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा- लक्षद्वीप का क्षेत्रफल भले छोटा है, लेकिन इसका हृदय बहुत बड़ा है। मैं यहां मिल रहे प्यार और आशीर्वाद से अभिभूत हूं। मैं आप सभी का आभार व्यक्त करता हूं। पीएम ने कहा- 2020 में मैंने आपको गारंटी दी थी कि अगले 1000 दिनों के अंदर आपको तेज इंटरनेट की सुविधा मिलेगी। आज कोच्चि-लक्षद्वीप सबमरीन ऑप्टिकल फाइबर प्रोजेक्ट का उद्घाटन हुआ है। अब लक्षद्वीप में 100 गुना ज्यादा स्पीड से इंटरनेट मिलेगा। पीएम ने कहा- आज भारत विश्व समुद्री खाद्य बाजार में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। इससे लक्षद्वीप को काफी फायदा हो रहा है। आज लक्षद्वीप की टूना मछली जापान को निर्यात की जा रही है। लक्षद्वीप में समुद्री शैवाल की खेती से जुड़ी संभावनाएं भी तलाशी जा रही हैं।

गोगामेड़ी हत्याकांड में एनआईए की 31 जगहों पर छापेमारी

JAIPUR : सुखदेव सिंह गोगामेड़ी हत्याकांड की जांच कर रही नेशनल इंवेस्टिगेशन एजेंसी (एनआईए) की टीमों ने बुधवार सुबह राजस्थान और हरियाणा में 31 जगहों पर छापेमारी की। शूटर रोहित राठौड़ और नितिन फौजी से मिले इनपुट के बाद एनआईए ने छापेमारी का प्लान तैयार किया गया था। गोगामेड़ी हत्याकांड के आरोपियों और कई संदिग्धों के घरों सहित कुल 31 स्थानों पर छापेमारी की। एनआईए की टीमों ने परिसर की व्यापक तलाशी ली। इस दौरान बड़ी संख्या में पिस्तौल, गोला-बारूद, मोबाइल फोन, सिम कार्ड और डीवीआर सहित डिजिटल उपकरणों के साथ-साथ वित्तीय लेनदेन से संबंधित आपत्तिजनक दस्तावेज भी जब्त किए। छापेमारी के दौरान एनआईए ने एक प्रमुख संदिग्ध अशोक कुमार मेघवाल निवासी झेरली गांव (झुंझुनूं) को उसके घर से गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से 8 हथियार जब्त किए गए हैं। आरोपी से पूछताछ में मामले में उनकी संदिग्ध भूमिका उजागर हुई और गैंगस्टर रोहित गोदारा के साथ उनके संबंध का भी पता चला, जिसने कथित तौर पर दो शूटरों को श्री राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के अध्यक्ष गोगामेड़ी की हत्या के लिए प्रेरित किया था।

आवाज नीचे करके बात करें वर्ना बाहर करवा दूंगा : CJI

ऊंची आवाज से कोई दबा नहीं सका

AGENCY NEW DELHI : सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस (सीजेआई) डीवाई चंद्रचूड़ एक वकील पर नाराज हो गए। वकील एक याचिका की लिस्टिंग को लेकर सीजेआई से तेज आवाज में बोल बैठे। इस पर चंद्रचूड़ ने वकील को फटकार लगाते हुए कहा- आप आवाज नीचे करके बात करें, नहीं तो कोर्ट से बाहर करवा दूंगा। सीजेआई ने वकील से कहा- एक सेकेंड, पहले अपनी आवाज धीमी करें। आप सुप्रीम कोर्ट में खड़े होकर अपनी बात रख रहे हैं। अगर आपको लगता है कि ऊंची आवाज में बातकर आप कोर्ट को डरा सकते हैं, तो आप गलत हैं। मेरे 23 साल के करियर में इस तरह से किसी ने मुझसे बात नहीं की। करियर के बचे हुए एक साल में भी ऐसा नहीं होने दूंगा। चीफ जस्टिस ने वकील से कहा- आपको पता होना चाहिए कि आप कहां खड़े हो रहे हैं। क्या आप हर बार जस्टिस पर इसी तरह चिल्लाते हैं? चीफ जस्टिस की चेतावनी के बाद वकील ने तुरंत माफी मांगी और विनम्र होकर आगे अपनी बात कोर्ट के सामने रखी।

- तेज आवाज में बोलने पर वकील को सीजेआई ने लगाई फटकार
- 23 साल के करियर में इस तरह से किसी ने मुझसे बात नहीं की

BRIEF NEWS

अर्जुन मुंडा ने 12.34 करोड़ के पथ सुदृढ़ीकरण कार्य का किया शिलान्यास

KHUNTI : स्थानीय सांसद सह केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा ने बुधवार को प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना अंतर्गत ग्राम फुदी से हड़ाम-बड़ाम वाया बरकारगी कानाडीह मोड़ तक 12.34 करोड़ की लागत से बनने वाले पथ सुदृढ़ीकरण कार्य का विधिवत शिलान्यास किया। मौके पर अपने संबोधन में अर्जुन मुंडा ने कहा कि सड़क विकास की लाइफ लाइन होती है। इसलिए संबंधित पदाधिकारी और संवेदक गुणवत्तापूर्ण सड़क का निर्माण कराएं। उन्होंने कहा कि विकसित भारत बनाने के लिए गांवों को आदर्श ग्राम बनना होगा। मौके पर प्रखंड प्रमुख छोटराय मुंडा, जिला सांसद प्रतिनिधि मनोज कुमार, भाजपा जिलाध्यक्ष चंद्रशेखर गुप्ता, ज्योतिष भगत, जितेंद्र कश्यप सहित बड़ी संख्या में अन्य भाजपा कार्यकर्ता और ग्रामीण उपस्थित थे।

कुएं में डूबने से 28 वर्षीय युवक की मौत

KHUNTI : खूंटी थानांतर्गत बिरहू उरांव टोली निवासी अनूप अल्फ्रेड पोढ़ नामक 28 वर्षीय युवक की बुधवार सुबह उसके घर से लगभग 50 मीटर की दूरी पर स्थित एक कुएं में गिरकर डूबने से मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने पर खूंटी थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक पड़ताल के बाद शव को पोस्टमार्टम कराने के बाद स्वजनों को सौंप दिया।

आबादगंज रेलवे क्रॉसिंग का बैरियर टूटा, मची अफरा-तफरी

PALAMU : डालटनगंज रेलवे स्टेशन से सटे आबादगंज रेलवे क्रॉसिंग का बैरियर बुधवार को अचानक टूट गया। रेलवे की ओर से मैन्युअली वैकल्पिक व्यवस्था के तहत स्लाइडिंग बैरिकेडिंग के जरिए कार्य किया जा रहा है। साथ ही बैरियर की मरम्मत भी की जा रही है, ताकि उसे तत्काल लगाया जा सके। आबादगंज रेलवे क्रॉसिंग का एक बैरियर बुधवार दोपहर करीब 3.30 बजे अचानक से टूट गया और टेढ़ा हो गया। इससे कुछ देर के लिए वहां अफरा तफरी की स्थिति बनी, लेकिन रेलकर्मी ने स्थिति को संभालते हुए वहां पर मैन्युअल बैरिकेडिंग कर दी और ट्रेनों को पार कराया। अब जब भी ट्रेन पार हो रही है तो रेलकर्मियों को मैन्युअल लोहे की बेरीकेटिंग लगानी पड़ रही है और ट्रेनों को पार करने के बाद उसे हटा दिया जा रहा है। इससे परेशानी बढ़ी हुई है। साथ ही रेलवे क्रॉसिंग ज्यादा समय के बंद करना पड़ रहा है।

फुलचंद टूटी बने आदिवासी कांग्रेस खूंटी के जिलाध्यक्ष

KHUNTI : फुलचंद टूटी खूंटी जिला आदिवासी कांग्रेस के जिला अध्यक्ष बनाये गये हैं। आदिवासी कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जोसाई मराण्डी ने बुधवार को उन्हें प्रमाणपत्र सौंपा। उन्होंने कांग्रेस के नवनियुक्त जिला अध्यक्ष और अन्य कांग्रेस कार्यकताओं से कांग्रेस पार्टी के नीति सिद्धांतों पर चल कर संगठन को मजबूती प्रदान करने की बात कही। मौके पर आदिवासी कांग्रेस के प्रदेश उपाध्यक्ष सेबियसटन मराण्डी, अनूप लकडा, कांग्रेस के जिला अध्यक्ष रवि मिश्रा, विलसन तोपनो आदि ने फुलचंद टूटी को बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

मारंग गोमके जयपाल सिंह मुंडा की मनी जयंती

KHUNTI : मारंग गोमके जयपाल सिंह मुंडा की जयंती पर झामुमो कार्यकताओं ने जिलाध्यक्ष जुबेर अहमद के नेतृत्व में टकरा जाकर उनके समाधि स्थल पर पुष्पांजलि अर्पित की। मौके पर जिलाध्यक्ष ने कहा कि आज हम झारखंड राज्य में रहते है, उसका सबसे बड़ा श्रेय मारंग गोमके ही हैं। उन्होंने कहा कि जयपाल सिंह झारखंड आंदोलन के पुरोधा थे। वे जितने महान खिलाड़ी थे,उतना ही महान राजनीतिज्ञ भी थे। वे संविधान सभा कें सदस्य भी थे। मौके पर केंद्रीय सदस्य सुशील पाहन, उपाध्यक्ष मगन मंजीत तिडू, सचिव गुलशन सिंह मुण्डा, क्रीड़ा मोर्चा जिला सचिव प्रकाश नाग, खूंटी प्रखण्ड सह सचिव आलोक रितेश डुंगडुंग सहित कार्यकर्ता उपस्थित थे।

33 साल की आदिवासी युवती की दुष्कर्म के बाद हत्या का मामला

चार आरोपी गिरफ्तार, भेजे गये जेल

PHOTON NEWS DUMKA : शहर के बांधपाड़ा में एक जनवरी की रात एक लाज में पिकनिक मनाने के क्रम में 33 साल की आदिवासी युवती की हत्या मामले में नगर थाना पुलिस मुख्य हत्यारोपी सहित चार को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पुलिस ने मंगलवार की दोपहर काठीकुंड की रहने वाली युवती का शव बरामद किया था। बुधवार को युवती की मां के बयान पर पुलिस ने सामूहिक दुष्कर्म और हत्या का मामला दर्ज करते हुए मुख्य आरोपित श्रीरामपाड़ा के फूल विक्रेता मो अख्तर उर्फ चीकू, बांधपाड़ा के राजेश केशरी, शिवपहाड़ के अपूर्वा साह और कुमारपाड़ा के कैप्टन प्रभाकर प्रसाद को जेल भेज दिया है।

मेडिकल कालेज अस्पताल में पोस्टमार्टम के बाद शव को परिजनों को सौंप दिया है। दर्ज प्राथमिकी में पीड़िता की मां ने बताया कि उसकी बेटी के चार लोगों से दोस्ती है और सभी साथ पढ़ते हैं। एक जनवरी की शाम को जब उसने बेटी को फोन किया तो उसने बताया कि लॉज के दोस्तों के साथ पिकनिक मना रही है। बाद में पता चला कि बेटी का शव मिला है। उसने चारों पर सामूहिक दुष्कर्म के बाद हत्या करने का आरोप लगाया है।

वहीं मुख्य आरोपी चीकू ने बताया कि एक जनवरी की शाम को युवती ने फोन कर उसे लॉज में बुलाया। जब वह उसके कमरे में गया तो तीनों लड़के युवती के साथ बैठकर शराब पी रहे थे। गुस्से में आकर युवती को एक थप्पड़ मारा। उसके बाद वह कमरे से चला गया। वहीं अपूर्वा साह ने बताया कि वह चीकू को पहले से नहीं जानता था। तीनों दोस्त मिलकर पिकनिक मना रहे थे। तभी युवती आई और बैठकर पीने लगी। चीकू ने कमरे में घुसते ही उसे पीटा, इसके बाद तीनों लोग वहां से चले गए। सुबह पता चला कि युवती का शव मिला है। उसने कहा कि चीकू ही सारी रात युवती के साथ रहा था। उसने ही उसकी जान ली है। पुलिस ने चारों पर संगीन धारा के तहत मामला दर्ज कर जेल भेज दिया है। लेकिन अभी यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि युवती की मौत कैसे हुई है। पुलिस केवल इतना ही कहती है कि हत्या और सामूहिक दुष्कर्म में चारों को जेल भेजा गया है।

गिरफ्तार आरोपी। ● फोटोन न्यूज

चाचा की हत्या का आरोपी भतीजा गिरफ्तार

JAMTARA : करमाटांड़ थाना क्षेत्र के हथिया पतरा गांव में बकरी की फसल चराने को लेकर हुए विवाद में चाचा की हत्या के आरोप में भतीजे रमेश पहाड़िया को बुधवार को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। थाने में हत्या का मामला दर्ज हुआ है। बताया जाता है कि मंगलवार को आरोपित की बकरी ने उसके चाचा धर्म पड़िया (55) की फसल खा ली। इसी बात को लेकर चाचा और भतीजे के बीच बहस हुई और मामला काफी बढ़ गया। तभी गुस्से में आकर भतीजे ने चाचा के सिर पर ईंट से वार कर दिया, जिससे उनकी मौत हो गई। घटना के बाद आरोपित फरार हो गया, जिसे बाद में पुलिस ने पकड़ लिया। प्रशिक्षु डीएसपी चंद्रशेखर ने बुधवार को बताया कि हटियापाथर गांव में बकरी द्वारा फसल चरने के विवाद में भतीजा ने चाचा की ईंट से मारकर हत्या कर दी थी, जिसे लेकर मामला दर्ज किया गया था। आरोपित भतीजा देवघर जिले के सारवॉ प्रखंड में अपने ससुराल में छिपा हुआ था। सूचना मिलने के बाद छापेमारी कर उसे गिरफ्तार कर लिया गया। इस मामले में पुलिस ने गिरफ्तार भतीजे के खिलाफ चाचा की हत्या के आरोप में धारा 302 के तहत मामला दर्ज किया है।

तीन दिन बाद वृंदाहा फॉल से मिला युवक का शव

घटना स्थल पर जुटी भीड़। ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS KODERMA : बिहार के समस्तीपुर से पिकनिक मनाने कोडरमा जिले के वृंदाहा वाटर फॉल आए तीन युवकों में एक के डूबने के तीन दिन बाद बुधवार को विनीत का शव निकाला गया। गत सोमवार और मंगलवार को वृंदाहा में स्थानीय गोताखोरो की मदद से सर्च अभियान चलाया गया लेकिन सफलता नहीं मिली। समस्तीपुर जिले ताजपुर थाना क्षेत्र के ब्रहमपुरा गांव का विनीत झा अपने फुफेरे भाई चंदन और दोस्त अभिषेक के साथ नया साल मनाने रविवार की सुबह कोडरमा पहुंचा था, जहां से तीन युवक मोटरसाईकिल से पहले तिलैया डैम गए और फिर देर शाम गूगल सर्च के जरिए वृंदाहा पहुंचे। यहां तीनों ने शराब का सेवन किया, जिसके बाद चंदन, विनीत और अभिषक फॉल के किनारे जमीन पर ही सो गए। इन युवकों के अनुसार देर रात जब चंदन की ठंड से नींद टूटी तो वह अभिषेक को जगाया और विनीत को खोजा, लेकिन विनीत नहीं मिला। रात भर दोनों उसे खोजते रहे। सुबह होने पर दोनों किसी तरह लिफ्ट लेकर तिलैया पहुंचे और पुलिस को घटना की जानकारी दी। चंदन के चाचा कोडरमा स्टेशन पर संचालित शौचालय की देखरेख करते हैं।

एमएमसीएच की सेवाओं पर बाहरी व्यक्ति का नियंत्रण, भड़के कांग्रेसी

PHOTON NEWS PALAMU : मेदिनी रॉय मेडिकल कॉलेज अस्पताल में बुधवार को तीन घंटे तक लिफ्ट बंद रहने के कारण मरीज परेशान रहे। इसी बीच कांग्रेस जिलाध्यक्ष बिट्टू पाठक घायल कांग्रेसी सत्यानंद दूबे को लेकर वहां पहुंचे। बदहाल स्थिति को देखने के बाद अस्पताल के पदाधिकारी को टेलीफोनिक सूचना दी तो बताया गया कि विक्की सिंह नामक व्यक्ति से संपर्क कर लें। हालांकि विक्की नामक व्यक्ति स्वास्थ्य विभाग के नहीं है। इसपर कांग्रेस के लोग भड़क गए। अधीक्षक डॉ डीके सिंह से मुलाकात कर वस्तुस्थिति की जानकारी ली।

बताया गया कि पलामू उपायुक्त के मौखिक आदेश पर विक्की अस्पताल के नए भवन में संचालित सेवाओं की निगरानी कर रहे हैं। बहरहाल इस मुद्दे को लेकर काफी देर तक बातें होती रहीं।

कांग्रेस के जिलाध्यक्ष बिट्टू पाठक ने कहा कि अनाधिकृत रूप से विक्की सिंह नामक व्यक्ति के नियंत्रण में अस्पताल है। किसी भी मसले का समाधान खुद पदाधिकारी नहीं कर रहे बल्कि विक्की के हुकुम पर होता है।

एमएमसीएच परिसर में कोविड काल के दौरान पीएसए ऑक्सीजन प्लांट अधिष्ठापित की गई है, लेकिन कई माह से प्लांट बंद है और लाखों खर्च कर बाहर से ऑक्सीजन की खरीददारी की जा रही है। बिट्टू पाठक ने बताया कि इस मसले पर विक्की का कहना है कि बाहर में खरीदने पर कम खर्च हो रहा है। अगर पीएसए प्लांट से ऑक्सीजन लिया जाएगा तो ज्यादा खर्च होगा।

अधीक्षक डीके सिंह से वार्ता करते कांग्रेसी। ● फोटोन न्यूज

एमडीएम के गर्म माड़ से झुलसकर मृत बहनों के परिजनों को दो माह बाद भी नहीं मिला मुआवजा

PHOTON NEWS PALAMU : मध्याहन भोजन के गर्म माड़ से झुलसकर मृत बहनों के माता पिता को दो माह बाद भी मुआवजा राशि नहीं मिल पायी है। परेशान होकर पिता परमेश्वरी साव ने बुधवार को उपायुक्त के जनता दरबार में मुआवजा राशि भुगतान की गुहार लगायी। परमेश्वरी साव ने उपायुक्त को बताया कि अपनी मृत दो पुत्रियों के एवज में सरकार द्वारा मुआवजा राशि जारी की गयी थी, लेकिन भुगतान नहीं हो पाया।

पलामू जिले के तरहसी प्रखंड के छेचानी मध्य विद्यालय परिसर में स्थित आंगनबाड़ी केन्द्र की दो बच्चियां यूटी कुमारी और शिबू कुमारी स्कूल में बने मध्याहन भोजन के गर्म माड़ में गिर गई थी। 24 नम्बर 2022 को खेलने के दौरान हादसा यह हुआ था। रांची रिम्स में इलाज के दौरान सात दिसंबर को 24 घंटे के भीतर दोनों की मौत हो गयी थी। इस मामले में छह नवंबर 2023 को राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग की अनुशंसा पर गृह एवं कारा विभाग की ओर से दोनों बच्चियों के परिजनों को पांच-पांच लाख रूपए का मुआवजा जारी किया गया था। इस संबंध में मुख्य सचिव की ओर से गृह एवं कारा विभाग को आदेश दिया गया था, जिसके बाद मुआवजा राशि जारी की गयी। लेकिन दो माह बीत जाने के बाद भी पीड़ित परिवार को मुआवजा राशि नहीं दी गई है।

घटना के बाद मानवाधिकार कार्यकर्ता ओमकार विश्वकर्मा ने मामले की शिकायत राष्ट्रीय मानवाधिकार में की थी। आयोग ने पलामू डीसी को पहले 28 दिसंबर 2022 और उसके बाद 5 अप्रैल 2023 को नोटिस जारी कर मामले की जानकारी मांगी थी। इसके बाद आयोग ने 17 जुलाई 2023 को राज्य के मुख्य सचिव से मामले की जानकारी मांगी, जहां घटना की जानकारी देते हुए पीड़ित परिवार को पांच-पांच लाख रूपए मुआवजा देने की अनुशंसा की गयी।

जनता दरबार में पिता परमेश्वरी साव की गुहार सुनते उपायुक्त। ● फोटोन न्यूज

खेलने के क्रम में गर्म माड़ के टब में गिर गयी थी दोनों बहनें

24 नवंबर 2022 को छेचानी मध्य विद्यालय में मध्यान भोजन के लिए बनाए गए चावल का गर्म माड़ खुले में रख दिया गया था। मध्य विद्यालय के पुराने भवन में गांव का आंगनबाड़ी केन्द्र संचालित होता है। यहां दोनों बहने शिबू और ब्यूटी पढ़ाई करने आई थीं। खेलने के क्रम में दोनों बहने गर्म माड़ से भरे टब में गिर गयी थी। आनन-फानन में दोनों को इलाज के लिए मेदिनीनगर के एमएमसीएच में भर्ती कराया गया था। दो दिन बाद दोनों को मेदिनीनगर के एक निजी अस्पताल में इलाज किया गया था। यहां उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए रांची रिम्स ले जाने का निर्णय लिया गया था। रिम्स में भर्ती होने के 12 दिन बाद पीड़ितों ने दम तोड़ दिया था।

जेएमएम ने किया सम्मान समारोह का आयोजन

संगठन के सुदृढ़ता के लिए करेंगे कार्य : फरीद खान

समारोह में उपस्थित कार्यकर्ता। ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS RANCHI : नवनियुक्त रांची जिला झारखंड मुक्ति मोर्चा अल्पसंख्यक मोर्चा की पूरी टीम का सम्मान समारोह का आयोजन फिरयालाल फुटपाथ दुकानदार संघ एवं झारखंड मुक्ति मोर्चा के कार्य कार्यकर्ता के द्वारा किया गया। इस मौके रांची झारखंड मुक्ति मोर्चा अल्पसंख्यक मोर्चा के अध्यक्ष फरीद खान, उपाध्यक्ष परवेज आलम गुड्डू, समीम मंसूरी उपाध्यक्ष, सुजीत कुजूर सचिव, विलियम रिचर्ड लकड़ा कोषाध्यक्ष को परवेज अख्तर और अकबर कुरैशी ने शॉल ओढ़ाकर और फूल माला पहनकर सम्मानित किया।

इस मौके पर नव-नियुक्त अध्यक्ष मोहम्मद फरीद खान ने कहा की अपने संगठनात्मक कर्मठता का पूर्ण उपयोग करते हुए संगठन के सुदृढ़ता के लिए कार्य करेंगे एवं प्राप्त दायित्व का निर्वाहन करते हुए अनुशासन की परिधी में रहकर कार्यकर्ताओं के साथ सुमधुर सम्पर्क स्थापित करेंगे। उन्होंने कहा कि रांची जिला के की किसी भी समस्या को लेकर वह हमेशा आगे आएंगे और उनकी जो भी परेशानी होगी उसे दूर करने के लिए हर तरह का उपाय कर उसका समाधान करेंगे। इस मौके पर परवेज अख्तर, अकबर कुरेशी, नौशाद आलम ,शाहनवाज, राजू, रमजान युवा मोर्चा संगठन सचिव, मोनू खान, तबरेज, सलमान कुरैशी, शिव वर्मा, सोनू खान, सतेंद्र, राहुल कुमार, इरशाद खान, आफताब समेत अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

विधायक ने खेल मैदान में तैयारियों को लेकर की बैठक, बोले-

स्व. अनिल चौरसिया राज्य स्तरीय फुटबॉल टूर्नामेंट पांच से, बाबूलाल करेंगे उद्घाटन

PHOTON NEWS PALAMU : दिनकर स्पॉटिंग क्लब लोकेया चैनपुर के तत्वावधान में स्व. अनिल चौरसिया राज्य स्तरीय फुटबाल टूर्नामेंट का भव्य आयोजन पांच से 11 जनवरी तक किया जाएगा। इस टूर्नामेंट का उद्घाटन बतौर मुख्य अतिथि पूर्व मुख्यमंत्री झारखंड सह प्रदेश अध्यक्ष भाजपा बाबूलाल मरांडी करेंगे। डालटनगंज के विधायक आलोक चौरसिया ने प्रखंड के लोकेया गांव के खेल मैदान में कार्यकर्ता के साथ तैयारी को लेकर बैठक के बाद बुधवार को यह जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि पूज्य पिता स्व. अनिल चौरसिया की इसी मैदान में निरंतर जिला एवं राज्य स्तरीय फुटबॉल मैच का आयोजन करते थे। उनकी विरासत को बनाए रखने के लिए प्रत्येक वर्ष की तरह इस साल भी स्व. अनिल चौरसिया राज्य स्तरीय फुटबाल टूर्नामेंट का आयोजन किया जाएगा।

फुटबाल टूर्नामेंट में बिहार 11, छत्तीसगढ़, भंडरिया, बक्सर, पलामू, सोनभद्र, कोलकाता एवं मुगलसराय की टीमें खेलेंगी, जिसमें 7 मैच होंगे। सबसे पहले बिहार 11 एवं छत्तीसगढ़ की टीम दिनांक 5 जनवरी को खेलेंगी। इसके बाद भंडरिया एवं बक्सर की टीम 6 को भिडेंगी। इसके बाद पलामू और सोनभद्र की टीम के बीच 7 जनवरी को मुकाबला होगा। 8 को कोलकाता एवं मुगलसराय की टीम खेलेंगी। 9 और 10 जनवरी को सेमीफाइनल मुकाबला होगा। 11 को फाइनल मैच होगा।

इस फुटबॉल टूर्नामेंट में पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी के अलावा सांसद विष्णु दयाल राम, भवनाथपुर के विधायक भानु प्रताप शाही, छतरपुर विधायक पुष्पा देवी, पूर्व सांसद मनोज भुइयां, विश्रामपुर के विधायक रामचंद्र चंद्रवंशी, पांकी के शशिभूषण मेहता, पलामू के सभी भाजपा के पदाधिकारी एवं जिला परिषद सदस्य रामलाल चौरसिया भाग लेंगे।

बैठक में शामिल विधायक व अन्य कार्यकर्ता। ● फोटोन न्यूज

एनएच 75 पर जमीन देने वाले रैयतों को नहीं मिला मुआवजा, बढ़ा आक्रोश

PHOTON NEWS PALAMU : मेदिनीनगर सदर प्रखंड के पोखराहा खुर्द के रैयत नेशनल हाइवे 75 बाइपास में जमीन देकर मुआवजा के लिए एक माह से भू-अर्जन कार्यालय का चक्कर लगा रहे हैं। इससे उनमें आक्रोश बढ़ गया है। बुधवार को बड़ी संख्या में लोग भू-अर्जन कार्यालय मुआवजा भुगतान के लिए पहुंचे।

रैयत कुशवाहा रानो देवी, विश्वनाथ मांझी, शिवपूजन पासवान, निरंजन मांझी, नरेश मांझी, गणेश, राजदेव, नारद, सुरेश, निर्मला टोप्पो सहित अन्य परेशान दिखे। आरोप लगाते हुए कहा कि पिछले 5 दिसंबर को एलपीसी बनाकर अंचल और भू-अर्जन कार्यालय को अन्य कागजात के साथ जमा किये हैं। इसके बावजूद मुआवजा भुगतान को लेकर सारे रैयतों को एक माह से कार्यालय का चक्कर लगवाया जा रहा है। उनकी परेशानी बढ़ी हुई है।

उन्होंने कहा कि एक साल पहले नेशनल हाइवे 75 के बाइपास निर्माण के लिए पोखराहा खुर्द में जमीन का अधिग्रहण कर लिया गया है लेकिन भुगतान के नाम पर लगातार बहाना बनाया जा रहा है। जब भी कार्यालय जाते हैं उन्हें परेशान करने के लिए या अवैध वसूली के लिए छुट्टी पर रहने का बहाना बनाया जाता है। इससे उनका आक्रोश बढ़ रहा है। इस सिलसिले में गुरुवार को पोखराहा खुर्द के दर्जनों रैयत भुगतान की मांग को लेकर समाहरणालय में प्रदर्शन करेंगे।

कुशवाहा रानो देवी के पति सामाजिक कार्यकर्ता अजीत मेहता ने कहा कि नेशनल हाइवे 75 के बाइपास निर्माण में उनकी 15 डिसमिल जमीन अधिग्रहण की गई है। इसी तरह से विश्वनाथ मांझी, शिवपूजन पासवान, निरंजन मांझी समेत अन्य ने बताया कि उनकी 58 डिसमिल जमीन ली गई है। इसी तरह से निर्मला टोप्पो ने कहा कि उसकी छह कट्ठा जमीन सड़क बनाने के लिए ली गई है। कभी अंचल कार्यालय तो कभी भू-अर्जन कार्यालय बुलाकर परेशान किया जा रहा है। कार्यालय जाने पर कर्मियों के छुट्टी पर रहने की जानकारी दी जाती है। परेशान होकर लौटना पड़ता है। उनका धैर्य अब जवाब दे दिया है।

प्रखंड कार्यालय के सभागार में बीएलओ व पर्यवेक्षकों की बैठक का आयोजन

सूची में न छूटे योग्य मतदाता : उपायुक्त

PHOTON NEWS KHUNTI : उपायुक्त सह जिला निर्वाचन पदाधिकारी लोकेश मिश्रा की अध्यक्षता में बुधवार को कर्रा प्रखंड कार्यालय के सभागार में बीएलओ एवं बीएलओ पर्यवेक्षकों की बैठक का आयोजन किया गया। इसमें 60-खूंटी एवं 59-तोरपा विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र के विभिन्न मतदान केन्द्रों के प्रपत्र-6, प्रपत्र-7 एवं प्रपत्र-8 की सुपर चेकिंग की गयी।

बैठक में 59-तोरपा के इआआरओ सह अपर समाहर्ता अरविंद कुमार, 60-खूंटी के इआरओ सह अनुमंडल पदाधिकारी अनिकेत सचान, उप निर्वाचन पदाधिकारी प्रिंस गॉडगिवन कुजूर, प्रखंड विकास पदाधिकारी सहित संबंधित बीएलओ एवं बीएलओ पर्यवेक्षक शामिल थे। उपायुक्त ने सभी बीएलओ और बीएलओ पर्यवेक्षक को पात्र व्यक्तियों के नाम मतदाता सूची में जोड़ने का निर्देश देते हुए कहा कि इस बात का विशेष ख्याल रखा जाना चाहिए कि आगामी लोकसभा चुनाव 2024 के दौरान कोई भी पात्र मतदाता अपने वोट देने के अधिकार से वंचित न रह जाय।

मतदाता सूची प्रारूप प्रकाशन की अवधि से पूर्व प्राप्त प्रपत्र 6, 7 एवं 8 तथा फोटो सिमिलर इंट्री और डेमोग्राफिकल सिमिलर इंट्री के लंबित कार्यों का 12 जनवरी तक निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। उपायुक्त ने निर्देश दिया कि ई-विद्यावाहिनी में पंजीकृत विद्यार्थियों के नाम मतदाता सूची में जोड़ने के दौरान विशेष घ्यान रखा जाना चाहिए ताकि किसी भी विद्यार्थी का नाम छूट न जाय। उन्होंने सभी बीएलओ एवं बीएलओ पर्यवेक्षक को निर्देश दिया कि मतदाताओं से संबंधित सभी प्रपत्रों को भरने में विशेष सावधानी बरतें।

बैठक में शामिल उपायुक्त व अन्य। ● फोटोन न्यूज

श्री राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के लिए विहिप ने किया अक्षत और पत्रिका वितरण

KHUNTI : श्रीराम लल्ला के अवधपुरी में 22 जनवरी को हानेवाले प्राण प्रतिष्ठा समारोह को लेकर विहिप और बजरंग दल के कार्यकताओं ने बुधवार को तोरपा प्रखंड के अम्मा पकना और मोर्चा में अयोध्या मं पूजित अक्षत का वितरण कियाऔर लोगों को प्राण प्रतिष्ठा समारोहमें भागीदार बनने का निमंत्रण दियश। मौके पर विहिप के प्रखंड अध्यक्ख ने कहा कि सभी सनातनी निमंत्रण स्वीकार करें, अब सबको अयोध्या चलना है। उन्होंने कहा कि एक से 15 जनवरी तक सभी राम भक्तों के घर तक अक्षत और निमंत्रण पत्र पहुंचाना है। इस अभियान को लेकर पूजित अक्षत एवं पत्रिका का वितरण के लिए अभियान चलाया जा रहा है। मौके पर जिला मंत्री उमेश मांझी, अजीत जयसवाल, मनोज साहू, घनश्याम दास, तुलसी हजाम, अनीता देवी, गीता देवी सहित कई राम भक्त उपस्थित थे।

देश की पहली महिला शिक्षिका ज्योतिबा फुले की मनाई जयंती

PHOTON NEWS KHUNTI : मुरहू स्थित श्योर सक्सेस कोचिंग सेंटर में बुधवार को देश की प्रथम महिला शिक्षिका एवं समाज सेविका सावित्रीबाई फुले की जयंती महिला मुक्ति दिवस के रूप में मनाई गई। कार्यक्रम की शुरूआत उनके चित्र पर पुष्प अर्पित तथा माल्यार्पण कर किया गया। संस्थान के निदेशक सकलदीप भगत ने उनकी जीवनी पर प्रकाश डालते हुए छात्र-छात्राओं को संबोधित किया और कहा कि सावित्रीबाई फुले का जन्म 3 जनवरी 1831 को हुआ था। फुले भारत के पहले बालिका विद्यालय की पहली प्रिंसिपल और पहले किसान स्कूल की संस्थापक थीं।

उन्होंने अपने जीवन को एक मिशन की तरह से जीया, जिसका उद्देश्य था विधवा विवाह कराना, छुआछूत मिटाना, महिलाओं की मुक्ति और दलित महिलाओं को शिक्षित बनाना। उनके संघर्ष ने महिलाओं को आत्मविश्वास, स्वावलंबन और समानता की भावना से परिपूर्ण किया। उन्होंने महिलाओं को अपने अधिकारों के बारे में जागरूक किया और उन्हें स्वतंत्र निर्णय लेने की प्रेरणा दी।

BRIEF NEWS

बुलेट लूटकर भागने वाले तीन आरोपियों को पुलिस ने भेजा जेल

RANCHI : धुर्वा थाना की पुलिस ने एक युवक का बुलेट लूटकर भागने के आरोप में सालिग्राम दास,मनीष दास और पिंटु सोनी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। तीनों आरोपियों के पास से पुलिस ने बुलेट बरामद कर लिया है। सिटी एसपी राजकुमार मेहता ने बताया कि एक जनवरी को पीड़ित युवक अपनी गाड़ी लेकर छह दोस्तों के साथ पिकनिक मनाने धुर्वा डैम गया था। वापस लौटने के दौरान तीनों आरोपियों ने पीड़ित युवक को पकड़ लिया और उसकी बाइक और मोबाइल लूट लिया। पुलिस ने पीड़ित का मोबाइल लोकेशन निकाला तो आरोपियों के बारे में पुलिस को सुराग मिल गया। इसके बाद पुलिस ने तीनों आरोपितों को उनके घर से गिरफ्तार कर लिया।

जमीन देने के नाम पर हुई धोखाधड़ी, पति को बदनाम करने का प्रयास

RANCHI : खेलगांव इलाके में रहने वाली महिला शालिनी कुजूर का कहना है कि उनके साथ जमीन देने के नाम पर धोखाधड़ी की गई है। इस संबंध में उन्होंने खेल गांव थाना में मामला दर्ज कराया है । जमीन की बाउंड्री कराकर दखल कब्जा शालिनी कच्छप को दिया गया था। इसके बाद जमीन देने वाले पकलू ने धोखाधड़ी कर मामले को फंसा दिया। शालिनी का कहना है कि उनके पति को साजिश के तहत बदनाम किया जा रहा है। शालिनी कुजूर का कहना है कि 16 कट्ठा जमीन के लिए उन्होंने साढ़े 25 लख रुपए दिया था। लेकिन जमीन मलिक पकलू बाद में मुकर गया और कहने लगा कि उसने 16 कट्ठा की जगह 6 कट्ठा जमीन दिया है। शालिनी का कहना है कि पुलिस की जांच पर उन्हें भरोसा है जांच पूरी होने के बाद पूरा मामला स्पष्ट हो जाएगा।

सुचित्रा मिश्रा हत्याकांड में जवाब के लिए मांगा समय

RANCHI : झारखंड हाई कोर्ट ने बुधवार को ऑक्सफोर्ड पब्लिक स्कूल की शिक्षिका सुचित्रा मिश्रा हत्याकांड में ऑक्सफोर्ड पब्लिक स्कूल के डायरेक्टर रहे एवं पांकी विधायक कुशवाहा शशि भूषण मेहता सहित छह लोगों को बरी किए जाने के रांची की निचली अदालत के फैसले को चुनौती देने वाली याचिका की आंशिक सुनवाई की। जस्टिस रत्नाकर भेंगरा की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने प्रतिवादियों शशि भूषण मेहता एवं अन्य को समय देने के आग्रह को स्वीकार करते हुए अगली सुनवाई 16 जनवरी को निर्धारित की है। सुचित्रा मिश्रा के भाई गोविंद पांडे ने शशि भूषण मेहता समेत छह लोगों की रिहाई के खिलाफ हाई कोर्ट में एक्विटल अपील दाखिल की है। पिछली सुनवाई में हाई कोर्ट ने शशि भूषण मेहता समेत छह लोगों को नोटिस जारी करने का निर्देश याचिकाकर्ता को दिया था।

गिग-प्लेटफार्म वर्कर्स के न्यूनतम मजदूरी दर हो लागू

RANCHI : गिग वर्कर्स प्लेटफार्म वर्कर्स एवं अन्य सभी कामगारों को न्यूनतम मजदूरी अधिनियम की अनुसूचि में शामिल करने पर विचार के लिए श्रमायुक्त झारखंड की अध्यक्षता में गठित कमिटी की बुधवार संपन्न हुई। बैठक में झारखंड चैंबर आफ कामर्स के अध्यक्ष किशोर मंत्री विशेष रूप से शामिल हुए। बैठक में जीआईजी (गिग) वर्कर्स और प्लेटफार्म वर्कर्स जैसे स्वीगी, जोमैटो में कार्यरत कामगारों को सामाजिक सुरक्षा के साथ ही उनके न्यूनतम मजदूरी निर्धारित करने के लिए अनुसूचि में शामिल करने के लिए विचार विमर्श किया गया। चैंबर अध्यक्ष ने यह सुझाया कि दर के निर्धारण से पूर्व वर्कर्स को रोजगार देनेवाले लोगों का पक्ष भी जरूर सुना जाना चाहिए। अधिकारियों द्वारा पुनः इस बैठक का आयोजन कर अग्रतर कार्रवाई के लिए आश्वस्त किया गया। विदित हो कि उक्त कमिटी द्वारा इस विषय पर अपना प्रतिवेदन-मंतव्य तीन माह के अंदर झारखंड न्यूनतम मजदूरी परामर्शदातृ पर्षद् को समर्पित करना है।

atom美
ATOMY
INDIA
RANCHI TEAM
WARRIOR CENTRE
4th Floor, Shop No. 22, 23, 24
Roshpa Roshpa Tower,
Main Road, Ranchi - 834001
Mob. 9334495776

हाईकोर्ट ने साहिबगंज में चाइल्ड ट्रैफिकिंग मामले के अनुसंधानकर्ता को लगाई फटकार

पूछा- बरामद लड़के का डीएनए मैच नहीं होने पर लापता बच्चों को खोजने की कार्रवाई क्यों नहीं हुई

SPECIAL REPORTER RANCHI : साहिबगंज में चाइल्ड ट्रैफिकिंग से जुड़े एक मामले में आरोपी कुलदेव साह की दो क्रिमिनल अपील मामले में झारखंड हाइकोर्ट ने मामले के अनुसंधानकर्ता को कड़ी फटकार लगायी। कोर्ट ने कहा कि जब विधि विज्ञान निदेशालय एवं प्रयोगशाला, रांची से बरामद बच्चे की डीएनए रिपोर्ट 12 दिसंबर को प्राप्त हो चुकी थी, जिसमें इस बात की पुष्टि हो गई थी कि पुलिस द्वारा बरामद किये गये बच्चे का डीएनए पीड़ित पिता से मैच नहीं किया है यानी वह बायोलॉजिकल पुत्र नहीं है, तो फिर लापता दोनों बच्चों को खोजने की कार्रवाई क्यों नहीं की गयी। कोर्ट ने अगली सुनवाई में भी अनुसंधानकर्ता को फिर से सशरीर उपस्थित होने का निर्देश दिया है। हाइकोर्ट के न्यायमूर्ति एसएन प्रसाद की कोर्ट ने अनुसंधानकर्ता पर नाराजगी जताते हुए कहा कि 3 सप्ताह में लापता बच्चों को ढूंढ़ा जाये, अन्यथा साहिबगंज एसपी को कोर्ट के समक्ष का सशरीर उपस्थित होना होगा।

क्या है पूरा मामला

दरअसल, कुलदेव साह व वीरेंन साह के खिलाफ परिवादी एम हेंब्रम ने साहिबगंज कोर्ट में अपने बेटे की चाइल्ड ट्रैफिकिंग करने को लेकर कंप्लेंन केस संख्या 148/ 2022 दर्ज करायी थी। उनका बच्चा वर्ष 2018 से लापता है। वहीं बोरियो थाना में कुलदेव साह एवं पप्पू साह के खिलाफ दर्ज कांड संख्या 2020/ 2022 में बी हंसदा ने अपने छोटे भाई की वर्ष 2014 में लापता होने को लेकर प्राथमिकी दर्ज करायी थी।

प्रतिवादी की ओर से अधिवक्ता प्रत्युष लाला एवं अधिवक्ता दीपक साहू ने पक्ष रखा। बता दें कि विधि विज्ञान निदेशालय, रांची के डिप्टी डायरेक्टर बृज कुमार ठाकुर ने हाइकोर्ट में शपथ पत्र दाखिल किया है। जिसमें उन्होंने बताया है कि कोर्ट ने 8 नवंबर 2023 को विधि विज्ञान निदेशालय से बरामद बच्चे एवं उसके पिता की डीएनए रिपोर्ट मांगी थी। डीएनए रिपोर्ट में बरामद बच्चे और उसके पिता का डीएनए मैच नहीं हुआ है। जिससे यह निष्कर्ष निकलता है कि वह बरामद लड़का पीड़ित पिता का बायोलॉजिकल पुत्र नहीं है। खंडपीठ ने पूर्व की सुनवाई में दो गुमशुदा बच्चों में से पुलिस द्वारा बरामद किये गये एक बच्चे के डीएनए टेस्ट की रिपोर्ट डायरेक्टर फॉरेंसिक साइंस लैबोरेट्री, रांची से मांगी थी।

हाईकोर्ट ने मैनहर्ट कंपनी को बनाया प्रतिवादी विधायक सरयू राय के आरोपों पर मांगा जवाब

RANCHI : मैनहर्ट घोटाला मामले में एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) में दर्ज पीई(प्रार्भिक जांच) के आलोक में एफआईआर दर्ज नहीं होने को लेकर दायर विधायक सरयू राय की याचिका की सुनवाई झारखंड हाईकोर्ट में बुधवार को हुई। मामले में कोर्ट ने मैनहर्ट कंपनी के द्वारा दाखिल हस्तक्षेप याचिका (आईए) को स्वीकार करते हुए मामले में मैनहर्ट कंपनी को प्रतिवादी बनाया है। हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति अनिल कुमार चौधरी की कोर्ट ने मैनहर्ट कंपनी को सरयू राय द्वारा लगाए गए आरोपों पर 3 सप्ताह में जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। बता दे कि पूर्व की सुनवाई में कोर्ट के आदेश के आलोक में एसीबी के एसपी सशरीर उपस्थित हुए थे। उनकी ओर से पीई की रिपोर्ट कोर्ट में प्रस्तुत की गई थी। दरअसल, पूर्व की सुनवाई के दौरान प्रार्थी सरयू राय द्वारा कोर्ट को बताया गया था कि दिसंबर 2020 में इस मामले को लेकर एसीबी ने पीई दर्ज की थी, लेकिन अब तक इसकी रिपोर्ट नहीं आई है। इस पर कोर्ट ने मामले में राज्य सरकार को शपथ पत्र दाखिल करने का निर्देश दिया था। इसके आलोक में राज्य सरकार की ओर से शपथ पत्र दाखिल कर बताया गया कि मामले में अभी जांच चल रही है। एसीबी की ओर से बताया गया था कि इस मामले की जांच जारी रखने के संबंध में राज्य सरकार से लीगल ओपिनियन मांगा गया है। इस पर प्रार्थी के अधिवक्ता द्वारा कोर्ट को बताया गया था की लीगल ओपिनियन मांगे जाने का मामला सरकार के पास 1 साल से अधिक समय तक लंबित है। अगस्त 2022 में ही एसीबी ने सरकार से लीगल ओपिनियन मांगा था। लेकिन अब तक उस पर कुछ नहीं हुआ है। यह भी बता दे कि सरयू राय ने मैनहर्ट को रांची में सीवरेज ड्रेनेज के डीपीआर का कार्य दिए जाने में 21 करोड़ रुपए के घोटाले का आरोप लगाया था। इस मामले को उन्होंने झारखंड विधानसभा में उठाया था। जिसके बाद राज्य सरकार के निर्देश के बाद दिसंबर 2020 में एसीबी में पीई दर्ज की गई थी। लेकिन उसकी रिपोर्ट अब तक प्राप्त नहीं होने पर सरयू राय ने हाई कोर्ट में याचिका दायर की है। उनकी उसे कहा गया है की ढाई साल बीतने के बाद भी मैनहर्ट घोटाला मामले में पीई में क्या आया यह अब तक पता नहीं चला है।

बाबूलाल का राज्यपाल को पत्र : गैर विधायक सरकार बनाने का दावा पेश करे तो होगा संवैधानिक संकट

PHOTON NEWS RANCHI : भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने बुधवार को राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन को पत्र लिखा है। उन्होंने राज्य की वर्तमान राजनीतिक परिस्थिति से राज्यपाल को अवगत कराया है। पत्र में लिखा है कि हाल ही में झारखंड विधानसभा के एक सदस्य सरफराज अहमद का गांडेय से इस्तीफा देना और स्पीकर द्वारा इसे स्वीकार करना, राज्य के लिए संवैधानिक संकट का कारण बनेगा।

मरांडी ने विभिन्न समाचार पत्रों में प्रकाशित समाचारों का हवाला देते हुए लिखा है कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन इस्तीफा दे सकते हैं और एक गैर-विधायक को झामुमो विधायक दल के नेता के रूप में

चुना जाएगा। वह गठबंधन का नेता होगा और राज्यपाल के समक्ष सरकार बनाने का दावा पेश करेगा। बाबूलाल ने कहा है कि यह दावा पूरी तरह से असंवैधानिक और गैरकानूनी दावा होगा। इस प्रकार का प्रस्ताव यदि कोई है, तो यह झारखंड राज्य में संवैधानिक संकट लाने के अलावा और कुछ नहीं है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने ईसीआई को भी लिखी चिट्ठी

गांडेय विधानसभा में उपचुनाव कराने में कानून-नियमों का पालन हो : मरांडी

PHOTON NEWS RANCHI : भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने भारत के निर्वाचन आयोग को एक चिट्ठी लिखी है। चिट्ठी में उन्होंने गांडेय विधानसभा में उपचुनाव से पहले नियमों का पालन करने की बात कही है। माननीय न्यायालय द्वारा की गयी टिप्पणी से यह स्पष्ट हो गया कि कार्यकाल की शेष अवधि की गणना उस तारीख से की जानी चाहिए जिस दिन आनेवाले सदस्य को निर्वाचित घोषित किया जाता है। इस प्रकार, इसमें कोई संदेह नहीं है कि अब उपचुनाव झारखंड में नहीं हो सकता है। यह उल्लेख करना उचित होगा कि ईसीआइ भी इसी स्थिति को स्वीकार करता है और उसने 9।10।2018 की प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से अन्य निर्वाचन क्षेत्रों के लिए भी यही रुख अपनाया है। ऐसे में अगर कोई गैर विधायक सरकार बनाने का दावा पेश करता है और उसका अनुरोध मान लिया जाता है तो यह पूरे राज्य को संवैधानिक संकट में डाल देगा। एसआर चौधरी बनाम पंजाब राज्य, (2001) 7 एससीसी 126 मामले में सुप्रीम कोर्ट ने गैर-विधायक बनने की प्रथा की निंदा की है और कहा है कि यह संविधान के ढांचे और लोकतांत्रिक व्यवस्था के खिलाफ है।

गांडेय विस सीट पर उप चुनाव के लिए केंद्रीय निर्वाचन आयोग को भेजी अनुशंसा

विस सीट खाली होने पर ईसीआई को देनी होती है सूचना : कुमार

PHOTON NEWS RANCHI : सियासी गहमागहमी के बीच खाली हुए गांडेय सीट पर उप चुनाव कराने की अनुशंसा मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय ने केंद्रीय निर्वाचन आयोग को भेज दी है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रवि कुमार ने झारखंड विधानसभा की अधिसूचना की प्रतिलिपि के साथ यह अनुशंसा भेजी है। अब चुनाव आयोग तय करेगा कि गांडेय विधानसभा सीट पर उप चुनाव कराया जायेगा या नहीं। इस संबंध में के रवि कुमार ने बताया कि यह एक प्रक्रिया है। इसके तहत कोई भी विधानसभा सीट खाली होने पर भारत निर्वाचन आयोग को इसकी सूचना देनी होती है। गांडेय

विधानसभा सीट से विधायक रहे सरफराज अहमद ने 31 दिसंबर, 2023 को इस्तीफा दिया था। स्पीकर रबींद्र नाथ नहतो ने एक जनवरी को इस्तीफा मंजूर कर लिया था, जिसके बाद विधानसभा सचिवालय ने लेटर जारी किया था। उल्लेखनीय है कि गांडेय विधानसभा सीट के लिए उप चुनाव होने पर संशय बरकरार है। संवैधानिक प्रावधान के अनुसार तय समय से एक साल पहले खाली हुए विधानसभा सीट पर उप चुनाव नहीं होगा। हालांकि, यह विधानसभा गठन की तारीख या सरकार के गठन की तारीख इन दोनों में से कौन सा मान्य होगा इस पर स्पष्ट वर्णन नहीं है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में राज्य में 29 दिसंबर, 2019 को सरकार का गठन हुआ था लेकिन पंचम विधानसभा का गठन छह जनवरी, 2020 को हुआ था। इस लिहाज से सरकार गठन की तारीख से खाली हुई गांडेय सीट एक साल के अंदर आती है जबकि पंचम विधानसभा की तारीख से देखें तो एक साल से अधिक का समय होता है।

राशन वितरण पर आफत, राज्य में जारी रहेगी पीडीएस दुकानदारों की हड़ताल

वार्ता के बाद भी नहीं बन रही सहमति, गरीबों को नहीं मिल पा रहा राशन

PHOTON NEWS RANCHI : पीडीएस डीलर्स एसोसिएशन की अनिश्चितकालीन हड़ताल से राज्य में राशन का वितरण व्यवस्था ठप हो गई है। पीडीएस दुकानदारों के साथ अधिकारियों की कई वार्ता विफल साबित हुई है। आल इंडिया फेयर प्राइस शाप डीलर्स एसोसिएशन के अह्वान पर पीडीएस दुकानदारों की हड़ताल जारी है। बुधवार को भी राज्यभर में राशन वितरण पूरी तरह से ठप रहा है। जिससे लाखों कार्डधारियों को राशन मिलने में परेशानी हुई है। अब यह परेशानी आगे भी जारी रहेगी। राज्य में 25600 पीडीएस

डीलर हैं, जिनके माध्यम से सरकार राशन वितरण करती है। राज्य में अंत्योदय राशन कार्ड की संख्या 892488 है, जिनमें परिवार के सदस्यों की संख्या 3449144 है। वहीं पीएचएच राशन कार्ड की संख्या 5211687 है। जिनमें परिवार के सदस्यों की संख्या 22976241 है। पीएचएच राशन कार्ड में चावल 4 और 1 किलो गेहूं प्रति सदस्य प्रति माह मिलता है। जबकि ग्रीन राशन कार्ड में 484476 है, इसमें परिवार की सदस्यों की संख्या 1509715 है। रांची जिला पीडीएस डीलर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष ज्ञानदेव झा ने कहा कि केंद्र सरकार ने 81 करोड़ जनता को अनाज 5 सालों तक पांच किलो अनाज बांटने के लिए स्वीकृति दी है। लेकिन डीलरों की सुविधाओं में कोई बढ़ोतरी नहीं की गयी है। कोरोना पीरियड में लाभुकों को 5 किलो मुक्त अनाज वितरण प्रति कार्ड 13 माह तक किया गया था, जिसका कमीशन अब तक नहीं मिला है।

मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा फुटबॉल प्रतियोगिता शुरू, पहले दिन हुए चार मैच

PHOTON NEWS RANCHI : केंद्रीय सरना समिति ने बुधवार को मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा की जंयती के अवसर पर तीन दिवसीय फुटबाल प्रतियोगिता की शुरूआत नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी एवं केंद्रीय सरना समिति के अध्यक्ष बबलू मुंडा, मुख्य पाहन जगलाल पहान ने संयुक्त रूप से मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा के प्रतिमा पर पुष्पमाला अर्पित कर किया। इस मौके पर नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी ने फुटबाल को किक मार कर खेल की शुरूआत किया। कार्यक्रम की शुरूआत करते हुए केंद्रीय सरना समिति के अध्यक्ष बबलू मुंडा मुख्य पहान

ट्रॉफी का अनावरण करते नेता प्रतिपक्ष।

जगलाल पहान, कार्यकारी अध्यक्ष शोभा कच्छप, महासचिव अशोक उरांव, जगरनाथ तिर्की, विश्वास उरांव, डब्लू उरांव, किरण तिर्की ने पुष्पगुच्छ, बैच, अंग वस्त्र एवं मेमोंटो देकर नेता प्रतिपक्ष को संयुक्त रूप से सम्मानित किया। प्रतियोगिता का पहला मैच जय मसीह क्लब बरियातू एवं आदिवासी कल्ब पंडरा के बीच खेला गया। जिसमें आदिवासी कल्ब पंडरा ने जय मसीह क्लब को 3-0 से हराया। दूसरे मैच अन्सं कल्ब कांके एवं नाईन बुलेट कल्ब कवली के बीच खेला गया। जिसमें 2-1 से नाईन बुलेट कवली विजय हुआ। तीसरा मैच आदिवासी कल्ब पंडरा एवं खुंटी के बीच खेला गया, जिसमें आदिवासी क्लब पंडरा ने खुंटी टीम को 2-0 से हराया। चौथा मैच नईन बुलेट क्लब कावली एवं पाहन ब्रदर्स कोंगे के बीच खेला गया, जिसमें पाहन ब्रदर्स ने नाइन बुलेट कावली को 1-0 से हराया। इस कार्यक्रम के अध्यक्षता भाषण में केंद्रीय सरना समिति के अध्यक्ष बबलू मुंडा ने कहा कि मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा झारखंड अलग राज्य की नींव रखने वाले प्रथम व्यक्ति थे। उन्हीं के सोच से झारखंड अलग राज्य की आंदोलन की शुरूआत हुई। इन्हीं के अगुवाई में वर्ष 1956 में 32 विधायक एवं 7 सांसद का उदय हुआ और बिहार विधानसभा में विपक्ष में बैठने का कार्य किए।

वर्षा के साथ वज्रपात की भी चेतावनी, मौसम विभाग ने जारी किया यलो अलर्ट

राजधानी समेत झारखंड के कई हिस्सों में कल से बारिश

PHOTON NEWS RANCHI : राजधानी रांची समेत उत्तर-पश्चिमी झारखंड में शुक्रवार से बारिश होगी। बारिश के के साथ-साथ वज्रपात की चेतावनी मौसम विभाग की ओर से जारी किया गया है। बुधवार तीन जनवरी को भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के रांची स्थित मौसम केंद्र ने कहा है कि झारखंड के कुछ भागों में गरज के साथ बारिश होगी। इस दौरान वज्रपात होने की भी आशंका है। मौसम विभाग ने इसके लिए दो दिन का येलो अलर्ट भी जारी कर दिया है। मौसम केंद्र रांची के प्रमुख अभिषेक आनंद ने बताया कि उत्तर-पश्चिमी झारखंड यानी पलामू, गढ़वा, चतरा, कोडरमा, लातेहार

राजधानी रांची में बुधवार को आग तापते दिखे लोग।

और लोहरदगा जिले में कुछ जगहों पर चार जनवरी को हल्के दर्जे की वर्षा होने की संभावना है। बारिश के साथ-साथ वज्रपात भी हो सकता है। वहीं, पांच जनवरी को प्रदेश के उत्तर-पश्चिमी तथा मध्य भागों में कुछ जगहों पर मेघ गरजेंगे। वज्रपात भी हो सकता है। उत्तर-पश्चिमी और मध्य भागों में पलामू प्रमंडल के तीन जिलों पलामू, गढ़वा और लातेहार के अलावा उत्तरी छोटानागपुर के चतरा और कोडरमा जिले और दक्षिणी छोटानागपुर का लोहरदगा जिला भी शामिल है। मध्य भाग में राजधानी रांची के अलावा बोकारो, गुमला, हजारीबाग, खूंटी और रामगढ़ जिले आते हैं।

तापमान में होगी 4 डिग्री तक वृद्धि

मौसम विभाग ने कहा है कि अगले दो-तीन दिन में झारखंड के न्यूनतम तापमान में धीरे-धीरे 2 से 4 डिग्री तक की वृद्धि हो सकती है। इसके बाद तीन दिन तक इसमें किसी बड़े बदलाव की संभावना नहीं दिख रही है। चार और पांच जनवरी को क्रमशः उत्तर-पश्चिमी और उत्तर-पश्चिमी तथा मध्य भागों में हल्के दर्जे की वर्षा और वज्रपात होने की संभावना है। सात जनवरी को सुबह में हल्के से मध्यम दर्जे का कोहरा छाया रहेगा, लेकिन बाद में आसमान साफ हो जाएगा, ऐसे संकेत मिल रहे हैं। उस दिन मौसम शुष्क रहेगा। आठ और नौ जनवरी को भी सुबह में कोहरा या धुंध छाये रहने की संभावना है। साथ ही आंशिक बादल भी छाए रहेंगे। लेकिन, वर्षा की संभावना नहीं है। मौसम विभाग ने कहा है कि राजधानी रांची में चार जनवरी से आसमान में बादल छाए रहेंगे। अधिकतम तापमान 24 डिग्री और न्यूनतम तापमान 13 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। पांच जनवरी को रांची में हल्के दर्जे की वर्षा होने की संभावना है। हालांकि, इस दिन अधिकतम और न्यूनतम तापमान में किसी बदलाव के संकेत नहीं हैं।

बायो कंप्रेस्ड गैस प्लांट की ट्रायल टेस्टिंग 15 जनवारी के बाद होगा शुरू

PHOTON NEWS RANCHI : गैस अथारिटी आफ इंडिया लिमिटेड (गेल) 15 जनवरी के बाद झिरी में निमार्णाधीन कंप्रेस्ड बायो गैस प्लांट (बायो-सीएनजी) की ट्रायल टेस्टिंग शुरू करेगा। ट्रायल टेस्टिंग की प्रक्रिया 45 दिनों तक चलेगी। हालांकि टेस्टिंग प्रक्रिया शुरू करने से पहले गेल को 200-300 टन गोबर की आवश्यकता है। गोबर की आपूर्ति के लिए रांची नगर निगम की ओर से शहरी क्षेत्र में संचालित खटालों की सूची व संपर्क नंबर गेल को उपलब्ध करा दिए गए हैं। गेल के इंजीनियर विकास आनंद ने बताया कि कंप्रेस्ड बायो गैस प्लांट के निर्माण, आपरेशन व मेंटनेंस का कार्य एजेंसी के माध्यम से किया जा रहा है। गोबर की आपूर्ति की व्यवस्था भी एजेंसी को ही करना है। सिर्फ यही नहीं खटाल संचालकों की ओर से उपलब्ध कराए गए गोबर के बदले प्रति किलो की दर से एजेंसी को ही भुगतान किया जाना है। गोबर की खरीदारी एजेंसी के माध्यम से होगी न कि गेल की ओर से। जल्द ही रांची नगर निगम के प्रशासक के साथ बैठक कर कंप्रेस्ड बायो गैस प्लांट की ट्रायल टेस्टिंग शुरू की जाएगी। उन्होंने यह भी बताया कि रांची नगर निगम की ओर से उपलब्ध कराए गए खटाल संचालकों की सूची व संपर्क नंबर के आधार पर संबंधित एजेंसी गोबर की निर्धारित मात्रा के लिए खटाल संचालकों से संपर्क कर रही है। एजेंसी के अनुसार, कंप्रेस्ड बायो गैस प्लांट की टेस्टिंग प्रक्रिया के लिए जिस मात्रा में गोबर की आवश्यकता है।

BRIEF NEWS

बीजेडी नेता वीके पंडियन बैठक में लेंगे भाग

ROURKELA : बीजद नेता वीके पांडियन ने बुधवार को सुंदरगढ़ जिले में अपनी दो दिवसीय दौरे में आज पहुंचे। अपने दो दिवसीय दौरे में वह सुंदरगढ़, राजगांगपुर, बिरमित्रपुर और बोनाई विधानसभा क्षेत्र में सार्वजनिक बैठकों को संबोधित करेंगे।

कलिंग हर्बल मेला आज से शुरू होगा, लगेंगे 80 स्टॉल

ROURKELA : चार जनवरी से राउरकेला में कलिंग हर्बल मेला का आयोजन होने जा रहा है। आयुर्वेदिक चिकित्सा को बढ़ावा देने के लिए राउरकेला वन विभाग द्वारा मेले का आयोजन किया जा रहा है। भंज भवन प्रदर्शनी मैदान में लगने वाला मेला आठ जनवरी तक चलेगा। इस मेले में राज्य और राज्य के बाहर से आयुर्वेदिक डॉक्टर भी आ रहे हैं। इस हर्बल मेले में कुल 80 स्टॉल लगाए जाएंगे और मेला प्रतिदिन शाम 6 बजे से रात 9 बजे तक खुला रहेगा।यह जानकारी वन विभाग ने आज एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में दी।

13वें ज्यात्रा महोत्सव का समापन, सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित

SUNDARGARH : सुंदरगढ़ में ज्यात्रा महोत्सव का समापन बुधवार को हुआ। रवीन्द्र दलई, डीआइजी रविंद्र दलई, क्षेत्रीय वन संरक्षक नीति शेखर, जिला दौरा न्यायाधीश सुभादर्शी पटनायक, जिलापाल डॉ। पराग गभली, पुलिस अधीक्षक, राउरकेला मित्रभाणु महापात्रा, पुलिस अधीक्षक, सुंदरगढ़ प्रत्युष दिबाकर, राउरकेला के अतिरिक्त जिलापाल डॉ। सुभांकर महापात्र, सुंदरगढ़, बणई और राउरकेला वनखंड अधिकारी प्रदीप मिरासे, ललित कुमार पोटे और यशवंत सेठी अतिथि के रूप में शामिल हुए। यह ज्यात्रा मंच से कलाकारों को प्रदर्शन करने का मौका मिला और दर्शकों को मानको बहुत पसंद आया। इसके साथ ही लोगों को पल्लीश्री मेल में विभिन्न सामान खरीदने के व्यापक अवसर हैं। बुधवार को महाराष्ट्र का लबनी नृत्य, मयूरभंज का छाऊ नृत्य और झूमर नृत्य, सुंदरगढ़ की रीता साहू टीम का सूफी नृत्य और मयूरी नृत्य टीम का संबलुरी नृत्य, राजस्थान का घुमर नृत्य, संबलपुर की बजनिया टीम का संबलताली नृत्य, पुरी के फेट फाइटर के द्वारा मलखंबा नृत्य, सुंदरगढ़ के लक्ष्य डांस ग्रुप द्वारा ओडिसी नृत्य, निशार डांस ग्रुप ने संबलपुर रैंप शो कार्यक्रम प्रस्तुत किए।

साइकिल से बारह ज्योतिर्लिंग की यात्रा पर निकले प बंगाल के तीन छात्रों का हुआ स्वागत

JAMSHEDPUR : पश्चिम बंगाल के तीन छात्र साइकिल से बारह ज्योतिर्लिंग की यात्रा पर निकले है। हिन्दू धर्म को बढ़ावा देने और कुछ अलग करने का जज्बा लिए यह तीनों ज्योतिर्लिंग की यात्रा कर रहे है। लोग जगह-जगह इनका स्वागत भी कर रहे है और उत्साह बढ़ा रहे है। बुधवार को शहर से रवाना होने के दौरान स्टेशन के पास तीनों छात्रों का शहर के प्रबुद्धजनों ने सम्मान किया और आगे की यात्रा के लिए शुभकामनाएं दी। बारह ज्योतिर्लिंग की यात्रा पर निकले छात्रों में पश्चिम बंगाल के उत्तर दिनाजपुर जिले के तुंगीदिघी का रहने वाला समर महतो, बीरभूम जिले का सुभोजित और राहुल शामिल है। समर महतो ने बताया कि उसने सितंबर माह में मात्र 18 दिनों में केदारनाथ समेत देश के प्रसिद्ध तीन मंदिरों की साइकिल से यात्रा पूरी की थी। अब वह 22 दिसंबर को बारह ज्योतिर्लिंग की यात्रा पर निकला है। उसने बताया कि सबसे पहले वह बारह ज्योतिर्लिंग की यात्रा पर निकला था। इसके बाद सोशल मीडिया के जरिये प्रभावित होकर सुभोजित और राहुल भी उससे जुड़ गए। देवघर में दोनों उससे मिले। यहां से 25 दिसंबर को तीनों बारह ज्योतिर्लिंग की यात्रा पर निकले।

नवविवाहिता की निर्मम हत्या अर्धनग्न अवस्था में मिला शव

दुष्कर्म के बाद हत्या की आशंका, पति को हिरासत में लेकर पुलिस कर रही पूछताछ

- 31 दिसंबर की शाम से लापता नवविवाहिता की नाले में मिली लाश
- कुछ दिन पूर्व बोलानी ग्राम पंचायत निवासी रोहित चांपिया से हुई थी शादी

हीरामती सिंकू की फाइल फोटो।

PHOTON NEWS CHAIBASA : 31 दिसंबर की शाम से लापता नवविवाहिता की अर्धनग्न अवस्था में लाश नाले में मिली। नवविवाहिता की लाश मिलने की खबर पूरे इलाके में जंगल की आग की तरह फैल गई। देखते ही देखते सैंकड़ों लोगों की भीड़ घटनास्थल पर जमा हो गई। सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने फॉरेंसिक टीम को बुलाकर घटनास्थल से साक्ष्य इकट्ठा किये। घटना चाईबासा के बोलानी थाना क्षेत्र की है। बोलानी के बालागोड़ा बस्ती में लाल बांध के निकट एक नाले में नव विवाहिता की लाश अर्धनग्न अवस्था में मिली। मृतका की पहचान बोलानी के बिरसा क्लब के निकट ढीपासाई निवासी हीरामती सिंकू के रूप में हुई है। मृतका की हत्या दुष्कर्म के बाद किये जाने की आशंका व्यक्त की जा रही है। बताया जा रहा है कि 31 दिसंबर की शाम मृतका अपने मायके से बाहर निकली थी, किन्तु वापस नहीं लौटी। परिजनों ने उसकी काफी खोजबीन की मगर उसका कहीं कोई अता-पता नहीं चला।

स्थानीय लोगों ने ही हीरामती सिंकू का क्षत विक्षित और अर्धनग्न अवस्था में शव नाले में देखा। घटना की सूचना मिलते ही बड़बिल एसडीपीओ प्रियेश रंजन छोटराय, थाना प्रभारी रामाकांत मुदूली और बोलानी थानेदार बी साहू घटनास्थल पर पहुंचे और जांच शुरू की। घटनास्थल की स्थिति और शव को देखकर यह आशंका जताई जा रही है कि घटना दो दिन पहले की है। स्थानीय लोगों का कहना था कि हत्या पूर्व नियोजित तरीके से की गई है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार मृतका हीरामती सिंकु कुछ दिन पूर्व बोलानी ग्राम पंचायत निवासी रोहित चांपिया नामक एक लड़के से शादी की थी। लेकिन वह बोलानी में अपने मायके में ही रह रही थी। बोलानी पुलिस ने मृतका के पति रोहित चांपिया को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है।

आरएमसी के सामने कांग्रेस ने किया विरोध-प्रदर्शन

डायरिया से मरने वालों के परिजनों को ₹20 लाख मुआवजा देने की मांग

धरने पर बैठे कांग्रेस कार्यकर्ता। ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS ROURKELA : डायरिया की स्थिति का अध्ययन करने के लिए केंद्रीय टीम राउरकेला पहुंची है। उधर, कांग्रेस ने डायरिया से मरने वालों के परिजनों को 20 लाख रुपये मुआवजा देने की मांग की है। इसके अलावा अस्पताल में इलाज करा रहे लोगों के परिजनों को 5 लाख रुपये देने की मांग की गई है।

राउरकेला में डायरिया पर काबू पाने में राज्य सरकार पर विफल रहने का आरोप लगाते हुए कांग्रेस ने अनोखे अंदाज में विरोध प्रदर्शन किया। महानगर निगम कार्यालय के सामने की सड़क को अस्पताल में तब्दील कर दिया गया। सड़क पर बिस्तर लगा के दस्त के प्रकोप का रोगनिरोधी उपचार किया गया। जिला कांग्रेस अध्यक्ष रश्मि पाढ़ी ने विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व किया और पूर्व विधायक प्रभात महापात्र, प्रदेश कांग्रेस महासचिव बीरेन सेनापति और पूर्व डीसीसी अध्यक्ष देबब्रत बिहारी सहित सैकड़ों कार्यकताओं ने विरोध प्रदर्शन में भाग लिया।

आरएसएस का अखिल भारतीय अधिवेशन व चिंतन बैठक जारी

मोहन भागवत।

PHOTON NEWS ROURKELA : राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख सरसंघचालक मोहन भागवत छह दिवसीय दौरे पर राउरकेला पहुंचे हैं। मोहन भागवत रविवार रात 10 बजे राउरकेला पहुंचे हैं। आरएसएस के 5 दिवसीय आखिल भारतीय विशेष अधिवेशन व चिंतन बैठक के लिए मोहन भागवत का यह राउरकेला दौरा है। उनके इस दौरे के लिए सुरक्षा की तगड़ी व्यवस्था की गई है। यह विशेष अधिवेशन पहली जनवरी से स्थानीय अग्रसेन भवन में शुरू हुआ है। 5 जनवरी तक चलने वाले इस अधिवेशन में संघ के सरसंचचालक मोहन भागवत के साथ संघ के महासचिव और सहकार्यवाह दत्तात्रेय होसवाले समेत 4 संयुक्त सहकार्यवाह और 36 वरिष्ठ पदाधिकारी भाग ले रहे हैं।

पांच दिनों तक चिंतन बैठक में विभिन्न सत्रों में संघ की दशा दिशा, भावी रणनीति आदि पर चर्चा हो रही है। 5 दिनों तक संघ के राष्ट्रीय अधिवेशन व चिंतन बैठक में हिस्सा लेने के बाद 5 जनवरी की रात कोलकाता के लिये रवाना होने का कार्यक्रम है। इस विशेष सत्र के लिए राउरकेला पुलिस की ओर से अग्रसेन भवन में व्यापक सुरक्षा व्यवस्था की गयी है। डीएसपी व इंस्पेक्टर स्तर के अधिकारियों को उनकी सुरक्षा में नियोजित की गई है, वहीं अग्रसेन भवन को सुरक्षा व्यवस्था कड़ी करते हुए यहां पुलिस कैंप बनाया गया है। संघ परिवार के विशेष सदस्यों को पूरे कार्यक्रम की व्यवस्था की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

गोपबंधु पुस्तकालय का मनाया गया 21वां स्थापना दिवस

छेंड क्षेत्र की महान परंपरा का प्रतीक है यह पुस्तकालय : महेंद्र पटनायक

स्थापना दिवस समारोह में उपस्थित अतिथि व अन्य। ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS ROURKELA : गोपबंधु पुस्तकालय का 21वां स्थापना दिवस बुधवार को मनाया गया। नवघन साहू की अध्यक्षता में एक भव्य समारोह आयोजित हुआ। अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन के बाद डॉ. सुशांत कुमार पाणि एवं सहयोगी मनबोध मिश्र ने स्वागत गीत गाया एवं प्राचीन संगीत प्रस्तुत किया।

मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित सेवानिवृत्त अतिरिक्त जिलापाल महेंद्र कुमार पटनायक ने कहा कि गोपबंधु पुस्तकालय छेंड क्षेत्र की एक महान परंपरा का प्रतीक है जहां बुद्धिजीवी एक साथ आते हैं और अपना समय बिताते हैं। अध्यक्ष नवघन साहू ने अतिथियों का स्वागत किया और पिछले वार्षिक आयोजन की सफलता के लिए सदस्यों को धन्यवाद दिया और नव वर्ष की बधाई और शुभकामनाएं दीं। उन्होंने पुस्तकालय के समग्र सुधार के लिए सभी सदस्यों के सहयोग की कामना की। प्रधान संपादक हरिहर शतपथी ने वार्षिक रिपोर्ट में पुस्तकालय की प्रगति पर प्रकाश डाला। प्रमुख श्रमिक नेता और समाजसेवी बिष्णु मोहंती ने घोषणा की पुस्तकालय का नाम गोपबंधु के नाम पर रख कर यह उड़िया भाषा के साहित्य और संस्कृति के प्रचार-प्रसार पर जोर देकर काम कर रहा है। मोहंती ने कहा कि गोपबंधु पुस्तकालय बेहतर समाज के निर्माण में काफी काम कर रहा है। राजीव पाणि सम्मानित अतिथि के रूप में शामिल हुए। गोपबन्धु पुस्तकालय एक मानव गड़ने का कारखाना है।

हर सप्ताह छात्रों का होगा स्वास्थ्य जांच इस साल दो बार लगेगा रोजगार मेला

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : नये वर्ष 2024 में जमशेदपुर के करनडीह स्थित एलबीएसएम कॉलेज में प्रत्येक सप्ताह शुक्रवार को छात्र-छात्राओं की स्वास्थ्य जांच करने का निर्णय लिया गया है। यह विशेष कार्यक्रम निर्धारित दिवस को सुबह 10:00 से दोपहर 12:00 तक चलेगा। इसका आयोजन रोटरी क्लब के सहयोग से किया जाएगा। वहीं छात्र-छात्राओं को रोजगार से जोड़ने के लिए, साल भर में कम से कम दो बार रोजगार मेला एवं अप्रेंटिसशिप मेला का आयोजन किया जाएगा। कॉलेज में बुधवार को एकेडमिक कार्उसिल की बैठक में यह निर्णय लिया गया। इसके अलावा बैठक में अन्य निर्णय लेते हुए साल भर की कार्ययोजना तैयार की गई, ताकि कॉलेज में शैक्षणिक एवं सह शैक्षणिक गतिविधियों का सामान्य रूप एवं समय से संचालन किया जा सके। बैठक की अध्यक्षता कॉलेज के प्राचार्य डॉ अशोक कुमार झा ने की। बैठक में कॉलेज की एकेडमिक काउंसिल के सभी सदस्य एवं शिक्षक शिक्षिकाएं उपस्थित थे।

पांच दिन में तैयार होगी वार्षिक खेलकूद की रूपरेखा : बैठक में प्राचार्य डॉक्टर अशोक कुमार झा ने वार्षिक खेलकूद के आयोजन को लेकर विस्तारपूर्वक चर्चा की। साथ ही पांच दिन में वार्षिक खेलकूद की रूपरेखा, व्यय के ब्यौरे के साथ जमा करने का निर्देश दिया।

प्रत्येक विभाग में होंगे पांच सेमिनार : बैठक में लिए गए निर्णय के अनुसार इस वर्ष कॉलेज के प्रत्येक विभाग में कम से कम पांच-पांच सेमिनार का आयोजन करने का निर्णय लिया गया। इसमें कम से कम एक राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन भी अनिवार्य होगा। इसके लिए सभी विभागाध्यक्षों को तैयारी में जुट जाने का निर्देश दिया गया।

प्रगति उत्कल संघ ने मेरा पसंदीदा कवि व काव्य कार्यक्रम का किया आयोजन

कार्यक्रम में शामिल अतिथि व अन्य। ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS ROURKELA : इस्पात शहर की पुरानी साहित्यिक संस्था प्रगति उत्कल संघ का मेरा प्रिय कवि एवं काव्य उत्सव कार्यक्रम संघ के प्रांगण में आयोजित किया गया है। नये साल पर संघ के अध्यक्ष प्रताप कुमार स्वाई की अध्यक्षता, महासचिव घनश्याम धल और सांस्कृतिक संपादक अशोक पटनायक के संयोजन में किया गया। अपने स्वागत भाषण में अध्यक्ष प्रताप स्वाई ने साहित्य के प्रति संघ की प्रतिबद्धता के बारे में बताया। प्रधान संपादक घनश्याम धल ने कार्यक्रम के स्वरूप एवं कवियों की उपस्थिति की सराहना की। दूसरे चरण की अध्यक्षता कवि त्रिनाथ सिंह ने की और संचालन त्रिलोचन स्वाई और रश्मी साहू ने किया, जिसमें डॉ.कृपासिन्धु नायक, भरत भूषण मोहंती, ब्रज दाश, कुंजबिहारी राउत, काशीनाथ नंदी,आलोक बोस, अशोक पटनायक, स्मिता मिश्रा, सस्मिता प्रधान शामिल थे।

इस दौरान कनकलता मिश्रा, पुष्पा पटेल, डोली रानी, ब्रह्मा, गौतम दास, लिसिका बाग, तारधाना चरण साहू, श्रेयश्री साहू, श्रीधर सूना, त्रिनाथ सिंह, पूर्णचंद्र जेना, उपेंद्र बस्तिया, एम स्वयंश्री, ब्रह्मानंद धान, गजेंद्र चारोदिया, संजीव कुमार भोई, गीतारानी बेहरा, गंगाधर त्रिपाठी, सुशांत नायक, मिनकेतन पशायत, बलराम राउल, बिनाता महंत, सत्या दास, सरस्वती मोदक, बसंत विश्वकर्मा, करुणाकर के पाटशानी राजीव पानी और संयोजक द्वय त्रिलोचन स्वायके, रश्मी साहू मुख्य ने अपने पसंदीदा कवियों की कविताओं का पाठ किया। संस्था के राधामोहन नाइक, अरविंद पान, इंद्रमणि महापात्रे, बिपिन बिहारी पटनायक, प्रसन्ना मोहंती, रथिकांत मिश्रा, बरुण नाहक, परीक्षित गुरु, अर्जुन भुइयां, देवेंद्र आचार्य, धरिंधर सामल, अवनि मोहंती, नारायण चंद्र महंत ने आयोजन में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

अब वीर शहीद पोटो हो के नाम से जाना जाएगा सर्किट हाउस चाईबासा सड़क चौक

नामकरण के साथ सभी जगहों पर लगायी जाएगी प्रतिमा

कार्यक्रम में उपस्थित लोग। ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS CHAIBASA : सेरेंगसिया घाटी युद्ध के नायक वीर शहीद पोटो हो के याद में बुधवार को सर्किट हाउस चाईबासा सड़क चौक का नामकरण वीर शहीद पोटो हो चौक किया गया। इस दौरान वीर शहीद पोटो हो के चित्र पर माल्यार्पण भी किया गया। उपस्थित लोगों के द्वारा उनके संघर्षों को भी याद किया गया। ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ सिंहभूम के अलावे पूरे कोल्हान में ऐतिहासिक युद्ध का अगुआ और सेरेंगसिया घाटी युद्ध के नायक वीर शहीद पोटो हो के याद में सर्किट हाउस, चाईबासा चौक का नामकरण वीर शहीद पोटो हो चौक किया गया।

इस दौरान समाजसेवी सुरा बिरुली, आदिवासी हो समाज महासभा के केंद्रीय कोषाध्यक्ष चैतन्य कुंकल, आदिवासी हो समाज सेवानिवृत संगठन के सचिव चंद्रमोहन बिरुवा, युवा महासभा के केंद्रीय उपाध्यक्ष इपिल सामड ने बताया सिंहभूम के सेरेंगसिया घाटी में अंग्रेजी फौज के साथ हुए भीषण छापामार युद्ध का नेतृत्व पोटो हो ने किया था। इस युद्ध में ब्रिटिश फौज की करारी हार हुई थी। 26 हो लड़ाके शहीद हुए थे। जबकि ब्रिटिश सेना के एक सूबेदार, एक हवलदार और 13 सिपाही घायल हुए थे।

चौक नामकरण के दौरान मौजूद लोगों ने बताया कि आदिवासी समाज के वीर शहीद और महापुरुषो की याद में सभी चौक और संस्थानों का नामकरण किया जाएगा। सभी जगह नामकरण के साथ संबधित का प्रतिमा भी स्थापित की जाएगी। ताकि सभी जगहों का संरक्षण भी हो सके। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से कोल्हान भूमि बचाओ समिति के अध्यक्ष बिनोद सवैयाँ, झारखंड पार्टी के रियंस सामड, आदिवासी हो समाज महासभा के पदाधिकारी, आदिवासी हो समाज महासभा सेवा निवृत्त संगठन महासभा के पदाधिकारी, शान्ति सिदु, सोना सुलेमान हांसदा, एलिस बोदरा, शैलेन्द्र हेम्ब्रोम,रामाय पुरती, रामेश्वर सवैयाँ, रामवती सिंकू, तुरी सुंडी, रूद्र कुमार हेम्ब्रोम, कैप्टन बिरुवा, मंगल सिंह कुंटिया सहित कई लोग उपस्थित थे।

फ्रेंडस क्लब चाईबासा के तत्वावधान में आयोजित स्वर्ण जयंती आमंत्रण कप टी-20 क्रिकेट प्रतियोगिता

ईसीएल व झारखंड स्टेट की टीम पहुंची सेमीफाइनल में

झारखंड स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन की टीम। ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS CHAIBASA : फ्रेंडस क्लब चाईबासा के तत्वावधान में चल रहे स्वर्ण जयंती (गोल्डन जुबली) आमंत्रण कप टी-20 क्रिकेट प्रतियोगिता के अंतर्गत बुधवार को खेले गए पहले मैच में ईसीएल आसनसोल ने एक नजदीकी मुकाबले में एमसीसी चाईबासा को मैच आखरी ओवर में मात्र दो विकेट से पराजित कर सेमीफाईनल में अपना स्थान सुनिश्चित कर लिया। वहीं दूसरे मैच में झारखण्ड राज्य क्रिकेट संघ एकादश ने क्रिकेट विजन एकादश कलकत्ता की टीम को एकतरफा मुकाबले में नौ विकेट से रौंदकर सेमीफाईनल में प्रवेश किया।

चाईबासा के बिरसा मुंडा क्रिकेट स्टेडियम मैदान पर खेले गए पहले मैच में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए एमसीसी चाईबासा ने निर्धारित बीस ओवर में आठ विकेट खोकर 197 रन बनाए। नीचले क्रम में बल्लेबाजी करने आए अजीत कुमार सिंह ने मात्र 19 गेंदों पर एक चौका एवं छः छक्कों की मदद से ताबड़तोड़ 45 रन बनाए। अन्य बल्लेबाजों में कप्तान अनुराग संजय ने 35, अरविंद कुमार ने 31, कुमार करण ने 24 तथा अभिषेक कच्छप ने 20 रनों का योगदान दिया। आसनसोल की ओर से सागर सिंह एवं आदित्य सिंह को दो-दो सफलता हाथ लगी।

जीत के लिए निर्धारित लक्ष्य को आसनसोल की टीम ने 19.5 ओवर में प्राप्त कर लिया। हलांकि इस प्रयास में उनके भी आठ बल्लेबाज पैविलियन लौट गए। इस टीम की ओर से फैजान शाहिद ने दस चौकों एवं तीन छक्कों की मदद से 81 रनों की शानदार पारी खेली। जबकि अक्षय डे ने भी चार चौकों एवं पाँच छक्कों की सहायता से 56 रन बनाकर उनका अच्छा साथ दिया। दोनों बल्लेबाजों ने पाँचवे विकेट के लिए 74 रनों की बेहतरीन साझेदारी निभाई। एम सी सी चाईबासा की ओर से अजीत कुमार सिंह ने गेंदबाजी में भी अपना दम दिखाया और तीन विकेट अपने नाम किए, जबकि विशाल सिंह को दो विकेट हासिल हुआ। मैच में शानदार प्रदर्शन के लिए आसनसोल के बल्लेबाज फैजान शाहीद को मैन आफ द मैच के पुरस्कार से नवाजा गया।

दूसरे मैच में झारखण्ड स्टेट क्रिकेट एसोशिएशन की टीम ने क्रिकेट विजन एकादश कलकत्ता की टीम को दिन में तारे दिखा दिए। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए कलकत्ता की टीम निर्धारित बीस ओवर में नौ विकेट खोकर 150 रन ही जुटा पाई। उद्घाटक बल्लेबाज स्टालिन घोष ने आठ चौकों एवं चार छक्कों की मदद से सर्वाधिक 67 रन बनाए। अन्य बल्लेबाजों में गौतम कुमार ने 22, अमन कोहली ने 16 तथा आदर्श कुमार ने 15 रन बनाए। जे एस सी ए एकादश की ओर से युवराज कुमार ने 24 रन देकर तीन विकेट हासिल किए। अमित कुमार यादव एवं रवि कुमार यादव को दो-दो सफलता हाथ लगी।

जीत के लिए निर्धारित लक्ष्य का पीछा करने उतरी जेएससीए एकादश की शुरूआत ही जबरदस्त तरीके से हुई जब क्रिकेट विजन एकादश कलकत्ता की ओर से गेंदबाजी करने आए गौरव मंडल ने मैच के पहले ही ओवर में 48 रन दे डाले। गौरव के इस ओवर में विवेक कुमार ने चार चौके एवं दो छक्के लगाए जबकि बीस रन वाईड चौका तथा वाईड बाल के रुप में आए।

जेएससीए एकादश ने 7.4 ओवर में मात्र एक विकेट पर 154 रन ठोक कर अपने नाम कर लिया। उद्घाटक बल्लेबाज विवेक कुमार ने तुफानी बल्लेबाजी करते हुए मात्र 36 गेंदों पर बारह चौकों एवं नौ गगनचुंबी छक्कों की सहायता से 107 नाबाद रन बनाकर न सिर्फ कोलकाता के गेंदबाजों की बेरहमी से ठुकाई की बल्कि मैन आफ द मैच का पुरस्कार भी अपने नाम कर लिया।

जिला स्तरीय अनुकंपा समिति की बैठक संपन्न

अनुकंपा के आधार पर स्थायी नियुक्ति को लेकर 68 मामलों पर हुआ विमर्श

बैठक में शामिल उपायुक्त व अन्य अधिकारी। ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS CHAIBASA : पश्चिम सिंहभूम जिला समाहरणालय स्थित सभागार में जिला दण्डाधिकारी-सह-उपायुक्त अनन्य मित्तल की अध्यक्षता एवं पुलिस अधीक्षक आशुतोष शेखर की मौजूदगी में जिला स्तरीय अनुकंपा समिति की बैठक हुई। बैठक में जिला अंतर्गत उग्रवादी हिंसा में मृत व्यक्तियों के आश्रितों को अनुग्रह अनुदान की राशि एवं अनुकंपा आधार पर स्थायी नियुक्ति प्रदान करने को लेकर विचार विमर्श किया गया। इससे संबंधित 13 मामलों में पर विचार किया गया। वहीं जिला स्तरीय अनुकंपा समिति की ओर से मृत सरकारी सेवकों के आश्रितों को अनुकंपा के आधार पर स्थायी नियुक्ति प्रदान करने तहत कुल 55 मामलों पर विचार-विमर्श किया गया। बैठक में जिला अनुकंपा समिति से संबंधित मामलों में प्राप्त आवेदनों की संवीक्षा कर आगे की कार्यवाही हेतु निर्धारित प्राधिकार को अग्रसारित करने का निर्णय लिया गया है।

बैठक में उप विकास आयुक्त संदीप कुमार मीणा, सदर चाईबासा अनुमंडल पदाधिकारी अनिमेष रंजन, स्थापना उपसमाहर्ता कुमार हर्ष सहित अन्य उपस्थित रहे।

घने कोहरे से ढंका बिहार शीतलहर ने बढ़ाई कनकनी

गया में पारा 5 डिग्री तक लुढ़का; कल 14 जिलों में बारिश के आसार

पटना । बिहार के सभी जिले कड़कड़ाती ठंड और शीतलहर की चपेट में है। लोगों को सुबह और शाम के समय ज्यादा ठंड महसूस हो रही है। धूप का असर कमने के साथ ही कनकनी बढ़ गई। 4, 5 और 6 जनवरी को मौसम विभाग ने कई जिलों में बारिश की संभावना जताई है।मौसम विभाग के अनुसार एक चक्रवातीय परिसंचरण समुद्र तल से औसत 1.5 किमी ऊपर उत्तर पूर्व बिहार में बना हुआ है। अगले 24 घंटे तक राज्य का मौसम शुष्क बना रहेगा।दक्षिण बिहार में अगले दो से तीन दिनों तक धूप खिली रहेगी, लेकिन उत्तर बिहार में कोहरा छाया रहेगा। अगले 24 घंटे के बाद उत्तर बिहार में भी मौसम साफ होने का पूवार्नुमान है।24 घंटे में गया सबसे ठंडा रहावहीं अगले 48 घंटे के दौरान राज्य के हिमालय की तलहटी से सटे जिलों में शीत दिवस कोल्ड डे जैसी स्थिति रहने का पूवार्नुमान है। पिछले 24 घंटे के दौरान गया सबसे ठंडा रहा जहां का न्यूनतम पर 5.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। जबकि राजधानी पटना का न्यूनतम तापमान गिरकर 8.3 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया। राज्य का औसत अधिकतम 17.5 तापमान डिग्री सेल्सियस और औसत न्यूनतम तापमान 8.7 डिग्री सेल्सियस रहा।इन जिलों में बारिश होने की संभावनामौसम विभाग के अनुसार पश्चिमी विक्षोभ प्रदेश में प्रवेश कर चुका है। जिसके कारण से 4, 5 और 6 जनवरी को पटना, गया, नालंदा, शेखपुरा, नवादा, बेगूसराय, लखीसराय, जहानाबाद, बक्सर, भोजपुर, रोहतास, भभुआ, औरंगाबाद और अरवल जिले के एक या दो स्थानों में वर्षा की संभावना है।जनवरी में सर्दी कम, फरवरी में गर्मी की दस्तकइस बार जनवरी महीने में ज्यादा ठंड नहीं पड़ेगी। शीत लहर चलने के भी असर कम जताई जा रहे हैं। इसकी एक बड़ी वजह है अल-नीनो। आईएमडी के महानिदेशक डॉ. मृत्युंजय महापात्र ने कहा कि अप्रैल से अल-नीनो की परिस्थितियां कमजोर होने की संभावना बन रही है। ये मानसून के लिए अच्छा साबित होगा। चार महीने सामान्य से ज्यादा बारिश के आसार रहेंगे।वही 2023 इतिहास में 2016 के बाद दूसरा सबसे गर्म साल रहा। इसके अगस्त, सितंबर, नवंबर और दिसंबर 1901 के बाद सबसे गर्म महीने दर्ज हुए। जून से दिसंबर तक देश का औसत तापमान भी इतिहास में सबसे ज्यादा रहा। इस गर्मी ने ही सर्दी का चक्र बिगाड़ दिया है।विजिबिलिटी कम होने के कारण दो फ्लाइट रद्द और 10 जोड़ी विमान देर से आएराजधानी में सुबह में कुहासे की वजह से विजिबिलिटी 1000 मीटर से कम थी। इस वजह से इंडिगो की दिल्ली और मुंबई की एक-एक जोड़ी फ्लाइट रद्द रही। वहीं दूसरी तरफ 10 जोड़ी विमान देर से आए गए।

संक्षिप्त डायरी

मां-पिता ने मिलकर की बेटी की हत्या

सीतामढ़ी । सीतामढ़ी में एक पिता और मां ने मिलकर अपने पुत्री की हत्या कर दी है। मामला जिले के परसौनी थाना क्षेत्र के परसौनी मुख्य चौक की है। जहां प्रेम-प्रसंग से नाराज माता-पिता ने पुत्री की हत्या कर दी। साक्ष्य मिटाने के उद्देश्य से शव को आनन-फानन में जला भी दिया। सूचना पर पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर लिया है। पूछताछ में दोनों ने पुत्री की हत्या कर शव जलाने की देने की बात स्वीकार भी की है।परसौनी थानाध्यक्ष सुनीता कुमारी ने मामले की जांच की। वही, उन्होंने जांच के दौरान दोनों से पूछताछ की। पुलिसिया पूछताछ में दोनों ने प्रेम-प्रसंग में अपनी पुत्री की हत्या की बात स्वीकार की है। इसके बाद थानाध्यक्ष ने चौकीदार के बयान पर एफआईआर कर दोनों को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। थानाध्यक्ष ने बताया कि उन्हें आसपास के लोगों ने इस घटना की सूचना दी थी। गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई की गई है।गिरफ्तार परसौनी निवासी निरंजन बैठा की पुत्री पुष्पा कुमारी का किसी युवक से प्रेम-प्रसंग चल रहा था। लंबे समय से चल रहे प्रेम-प्रसंग के बारे में परिजनों को जब जानकारी मिली तो माता-पिता ने उसकी शादी तय कर दी। सोमवार को लड़की देखने की रस्म भी पूरी की गई। बावजूद पुष्पा तय शादी से इनकार करती रही और अपने प्रेमी संग शादी की जिद करती रही। पुत्री की जिद से नाराज निरंजन बैठा व मां हीरामणि देवी ने मिलकर देर रात पुत्री की हत्या कर शव रातों-रात जला दिया।

पोठिया प्रखंड प्रमुख के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव

किशनगंज । किशनगंज के पोठिया प्रखंड प्रमुख शाद मुबारक के विरुद्ध मंगलवार को अविश्वास प्रस्ताव लाया गया। यह अविश्वास प्रस्ताव पंचायत समिति सदस्य नुरुदीन के नेतृत्व में लाया गया, जिसमें 13 पंचायत समिति सदस्यों के हस्ताक्षर हैं। समिति सदस्यों द्वारा लाए गए अविश्वास प्रस्ताव में प्रमुख पर बीते दो वर्ष के कार्यकाल मे प्रायः कार्यालय से अनुपस्थित रहने के कारण पंचायत समिति के सदस्यों का कार्य का निष्पादन समय पर नहीं हो पाना बताया गया।प्रखंड, अंचल, अंगनबाड़ी और मनरेगा कार्यालय में काफी मनमानी और रिश्वतखोरी को बढ़ावा मिलना, समय-समय पर पंचायत समिति की बैठक नही बुलाया जाना सहित कई आरोप लगा है। कार्यकाल मे पंचायत समिति के क्षेत्र में कुछ भी विकास नहीं हो पाया। साथ ही प्रमुख द्वारा पंचायत समिति सदस्यों को उचित मान सम्मान नहीं दिए जाने का आरोप लगाया है। वहीं इस संदर्भ में जानकारी देते हुए प्रखंड पंचायती राज पदाधिकारी मो. शादाब अनवर ने 13 पंचायत समिति सदस्यों के हस्ताक्षर युक्त अविश्वास प्रस्ताव मिलने की पुष्टि की।

आरजेडी विधायक की जीभ काटने पर 10 लाख का इनाम

पटना । आरजेडी विधायक फतेह बहादुर सिंह ने कुछ दिन पहले मां दुर्गा फिर सरस्वती को लेकर विवादित बयान दिया था। कई नेताओं ने उनके बयान की निंदा की थी। अब बयान को लेकर हिंदू शिवभवानी सेना ने उनकी जीभ काटने वाले को 10 लाख का इनाम देने की घोषणा की है। पटना के वीरचंद पटेल के एमएलए आवास के पास इसे लेकर पोस्टर लगाए गए हैं। इसमें हिंदू शिवभवानी सेना की तरफ से इनाम देने की घोषणा की गई है। यहां फतेह बहादुर के पोस्टर के ठीक बगल में हिंदू शिवभवानी सेना ने अपना पोस्टर लगाया है।पोस्टर में फतेह बहादुर सिंह को सलाखों के पीछे दिखाया गया है। इसमें लिखा है, ₹मां सरस्वती का फतेह बहादुर कर रहे अपमान, तेजस्वी मौन रहकर हिंदू को गाली दिलाने का कर रहे काम₹। इस पोस्टर को लगाने वाले हिंदू शिवभवानी के राष्ट्रीय अध्यक्ष लव कुमार सिंह ने बुधवार को इस पर प्रतिक्रिया दी।लव कुमार सिंह ने कहा कि फतेह बहादुर सनातन धर्म को बार-बार अपमानित और गाली देने का काम कर रहे हैं। उनकी मानसिक स्थिति खराब हो चुकी है। फतेह बहादुर विदेशी षड्यंत्र के शिकार हो चुके हैं।हिंदुओं को गाली देने के लिए उन्हें विदेश से मोटी रकम दी जा रही है। इसकी जांच होनी चाहिए। फतेह बहादुर की डीएनए जांच होनी चाहिए कि वह हिंदू हैं भी या नहीं। फतेह बहादुर जैसे विधर्मी की की जो जीभ काट कर लाकर देगा।हिंदू शिवभवानी सेना उसे 10 लख इनाम देगी। सार्वजनिक मंचों से सम्मानित भी किया जाएगा। कुछ दिन पहले ही आरजेडी के विधायक फतेह बहादुर सिंह ने मां सरस्वती को लेकर विवादित बयान दिया था। इससे पहले वे मां दुर्गा पर भी विवादित बयान दे चुके हैं।

हिट एंड रन कानून का विरोध मामले में 9 अरेस्ट

गया । हिट एंड रन कानून के विरोध के दौरान सड़क जाम करने के मामले में अलग-अलग प्राथमिकी दर्ज की गई है। इस मामले में 9 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। जबकि 10 नामजद और 50 अज्ञात के ऊपर मामला दर्ज किया गया है।इस संबंध में एसएसपी आशीष भारती ने बताया कि आमस, शेरघाटी, डोभी, बाराचट्टी समेत विष्णुपद थाना के थानाध्यक्ष से जानकारी मिली कि ट्रक चालक हिट एंड रन के विरोध में जीटी रोड और विष्णुपद बाईपास रोड को जाम कर दिया है। सभी थाना के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी और थानाध्यक्षों को जाम किए गए स्थलों पर पहुंचने और ठोस कानूनी कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया है। मौके पर पहुंचकर प्रदर्शन कर रहे चालकों को समझाया गया। लेकिन वो नहीं माने। जाम की वजह से आम नागरिक और स्कूली बच्चों समेत एंबुलेंस समेत अन्य लोगों को काफी दिक्कत हुई। एसएसपी ने बताया इस मामले में जीटी रोड आमस थाना अंतर्गत अकौना के समीप सावन धर्म कांटा के पास रोड जाम में शामिल चार ट्रक चालकों को सड़क जाम करने, नशे की हालत में शोर-शराबा करने सहित पुलिस से बदतमीजी करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया। इस मामले में पुलिस आरोपियों को चिन्हित कर गिरफ्तार करने की कार्रवाई में लगी है।

पती पत्नी को लोहे की रॉड से पीटा

बेगूसराय । बेगूसराय में दबंगों ने पति-पत्नी को लोहे की रोड से पीट-पीट कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। इलाज बेगूसराय के सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना बछवारा थान के बेगमसराय की है। घायल दंपति की पहचान बछवारा थाना क्षेत्र के बेगमसराय के रहने वाले सुरेंद्र यादव एवं उसकी पत्नी के रूप में की गई है। घायल सुरेंद्र यादव के पुत्र दिवाकर कुमार ने बताया कि पिछले 5 दिन पहले खेत में पानी पटाने को लेकर अपने चाचा फुलेना यादव के साथ मारपीट हुई थी। उसे दिन भी फुलेना यादव ने सुरेंद्र यादव को बेरहमी से पीटा था। मंगलवार की देर रात सुरेंद्र यादव और उसकी पत्नी डेरा से खाना खाने के लिए घर आ रहे थे। तभी रास्ते में ही फूलेना यादव और उसके कई सहयोगी मिलकर घेर लिया और लोहे की रोड से बेरहमी से दोनों को पीटना शुरू कर दिया। घायल के पुत्र ने यह भी बताया है कि आरोपी दबंग व्यक्ति हैं। लगातार जबरन गाली गलौज और जान से मारने की धमकी दी जाती है।
फिलहाल पीड़ित परिवार के द्वारा बछवाड़ थाना पहुंचकर आरोपीय खिलाफ फिर से आवेदन देकर न्याय की गुहार लगाई

रात शहर के चौक चौराहों पर पहुंचे डीएम

गोपालगंज । गोपालगंज के डीएम डॉ. नवल किशोर चौधरी अचानक शहर के विभिन्न चौक चौराहों पर ठंड से ठिठुर रहे लोगों के बीच पहुंच गए । इस दौरान उन्होंने उनका हालचाल जाना साथ ही एक-एक कर कई लोगों के बीच कंबल का वितरण किया गया। वही कंबल पाकर जरूरतमंदों के चेहरे खिल उठे। जिलाधिकारी ने लोगों से अपील करते हुए कहा कि आप लोग भी आगे आएं और जरूरतमंदों को इस कड़ाके की ठंड में कंबल का वितरण करें। बता दें कि पिछले कई दिनों से पड़ रही ठंड के कारण लोग परेशान हैं। सबसे ज्यादा सड़क पर जीवन गुजारने वालों की परेशानी बढ़ गई है। जिसको देखते हुए जिलाधिकारी डॉक्टर नवल किशोर चौधरी देर रात शहर के अंबेडकर चौक, सदर अस्पताल समेत विभिन्न चौक चौराहों पर पहुंचे जहां उन्होंने जरूरतमंदों के बिच कंबल का वितरण किया।डीएमने कहा कि यहां कड़ाके की ठंड पड़ रही है। इन गरीब और असहाय लोगों के लिए कंबल वितरण की राशि आती है। जिससे हम लोग दोनों अनुमंडल गोपालगंज और हथुआ में कंबल का वितरण कर रहे हैं। जो असहाय और गरीब लोग हैं, उनके बीच करीब एक हजार लोगों के बीच कंबल का वितरण किया जा है। इसके अलावा नगर परिषद के द्वारा अलग राशि से भी कंबल का वितरण किया जा रहा है। डीएम ने कहा कि जो बिजनेस मैन और समाजसेवी लोग हैं। उनसे आग्रह किया गया है कि अधिक से अधिक गरीब और असहाय लोगों के बीच कंबल का वितरण कर मदद करें। ताकि लोग खुशहाल रह सके। उन्होंने कहा कि कड़ाके की ठंड की वजह से जिले के सभी नगर परिषद, नगर पंचायत, प्रखंड कार्यालय और सभी अस्पतालो में अलाव की व्यवस्था किया गया है। ताकि किसी को कोई परेशानी नही हो।

नियुक्ति पत्र लेकर 7 दिन के भीतर होगा योगदान

पटना । आईएएस केके पाठक 1का नियुक्ति पत्र लेने वाले शिक्षक अभ्यर्थियों के लिए विस्तृत गाइडलाइन दिया है। औपबंधिक नियुक्ति पत्र लेकर योगदान नहीं करने वाले को सात दिनों की मोहलत दी गई है। जबकि योगदान कर स्कूल नहीं वाले शिक्षकों को अगले दो महीने में बर्खास्त करने का निर्देश दिया है। स्कूल नहीं आने वाले शिक्षक बर्खास्त होंगे आईएएस के के पाठक ने आदेश में कहा है कि से अनुसंशित शिक्षक जिन्होंने नियुक्ति पत्र लिया और विद्यालय में योगदान भी किया और उनका योगदान कंप्यूटर सिस्टम पर स्वीकृत भी हो गया है और अब स्कूल नहीं आ रहें हैं ऐसी शिक्षकों से उनको कारण बताओं नोटिस करते हुए सस्पेंड किया जाए। यही नहीं ऐसे शिक्षकों पर विभागीय कार्रवाई चलते हुए अगले दो महीने के अंदर बर्खास्त करने की कार्यवाही पूर्ण की जाए।
अवकाश को लेकर विस्तृत निर्देश आईएएस के के पाठक ने सभी डीएम को पत्र लिखा है। 1 के अनुसंशित और नियुक्त स्कूल टीचर को लेकर यह निर्देश दिया है। आईएएस के के पाठक ने आदेश देते हुए कहा है कि प्रधानाध्यापक 10 फीसदी से अधिक स्कूल शिक्षक की छुट्टी स्वीकृत नहीं करें। आईएएस के के पाठक ने पुरुष सरकारी सेवक को मिलने वाले पितृत्व अवकाश की स्वीकृति का निर्देश देते हुए कहा है कि संभावित तिथि के 15 दिन पहले से 6 महीने बाद की अवधि के बीच लगातार 15 दिनों के लिए स्वीकृत किए गए मैटरनिटी लीव का प्रावधान है। इसी को लेकर पितृत्व अवकाश की स्वीकृति के मामले को ध्यान रखें। ट्रेनिंग पीरियड में यह अवकाश ना दें। महिलाएं सरकारी सेवकों को मात्र दो संतान के लिए मातृत्व अवकाश की स्वीकृति दी जा सकेगी, जो छुट्टी शुरू होने के तिथि से लगातार 180 दिनों तक होगी ।

एयरपोर्ट पर नहीं उतर सकी फ्लाइट

पटना । बढ़ती ठंड और कोहरे की वजह से पटना एयरपोर्ट पर फ्लाइटों की लेट लतीफी जारी है। एयरपोर्ट के रनवे पर विजिबिलिटी कम होने के चलते फ्लाइटें लेट हो रहीं हैं। बुधवार को अभी तक कोई फ्लाइट नहीं उतर सकी है।हैदराबाद से आने वाली इंडिगो की फ्लाइट 6ई 6719 के 2 घंटे की देरी से आने की संभावना है। दिल्ली से आने वाली विस्तार की फ्लाईट संख्या यूके 717 पटना एयरपोर्ट पर 1 घंटा 50 मिनट लेट से उतने की संभावना है। कल भी एक दर्जन फ्लाइट लेट ऑपरेट हुई थी।कुहासे और विजिबिलिटी कम रहने पर भी स्मूथ लैंडिंग के लिए जरूरी है इंस्ट्रूमेंट लैंडिंग सिस्टम। इसकी मदद से पायलट ब्लाइंड लैंडिंग कर सकते हैं। पटना एयरपोर्ट पर आज तक इंस्ट्रूमेंट लैंडिंग सिस्टम नही लग पाया है। इसी लिए हल्का कुहासा भी फ्लाइटों के लैंडिंग में बाधा बन जा रहा है।

पेट्रोल किल्लत के भय से पेट्रोल पंप पर पहुंचे लोग

गोपालगंज । पेट्रोल की किल्लत के भय से जिले के वाहन चालकों के बीच हड़कंप मचा हुआ है। आलम यह है कि वाहन चालक पूर्व में ही अपने वाहनों की पेट्रोल टंकी को फुल कराने के लिए पेट्रोल टंकी पहुंच कर टंकी को फूल करा रहे है ताकि परेशानियों का सामना ना करना पड़े। दरअसल केंद्र सरकार द्वारा हिट एंड रन कानून में किए गए बदलाव के विरोध में देश भर के ट्रक और बस चालकों ने हड़ताल कर दी है।इस हड़ताल का असर बिहार के विभिन्न जिलों के अलावा गोपालगंज में भी इसका असर देखने को मिला है। हड़ताल के कारण जिले के पेट्रोल की किल्लत भी शुरू हो गई है। कई पेट्रोल पंपों पर पेट्रोल खत्म हो गया है।हड़ताल के कारण ट्रक और बसों का परिचालन ठप हो गया है। इससे सामान की सप्लाई में भी दिक्कत आ रही है। पेट्रोल की किल्लत के कारण लोग परेशान होते हुए नजर आ रहे हैं। लोग अपने वाहनों की टंकी भराने के लिए पेट्रोल टंकी पर लंबी लाइन में लगा रहे हैं।लोगों को अपने वाहनों को लेकर चिंता सता रही है। उन्हें अपने घरों से बाहर निकलने के लिए परेशानी न हो इसको लेकर अभी से ही वाहनों में पेट्रोल भरवाना शुरू कर दिए है।

एक हजार से अधिक छात्रों का रिजल्ट पेंडिंग

बेतिया । स्नातक के छात्रों का पेंडिंग रिजल्ट की समस्या समाप्त होने का नाम नहीं ले रही है। बिहार विश्वविद्यालय ने विगत दिनों में स्नातक पार्ट-2 का रिजल्ट जारी किया है। इस रिजल्ट के निकलने के साथ ही एक बार फिर से पश्चिम चंपारण के छात्रों के साथ पेंडिंग रिजल्ट की समस्या उभर कर सामने आ गई है। हर साल की तरह इस साल भी हजारों छात्रों का रिजल्ट पार्ट-2 की परीक्षा में पेंडिंग निकला है। एमजेके कॉलेज के साइकोलॉजी के सभी छात्रों का रिजल्ट पेंडिंग हो गया है।विश्वविद्यालय प्रशासन पर फोड़ा ठिकरा विश्वविद्यालय प्रशासन एक तरफ दलील दे रहा है कि छात्रों की प्रैक्टिकल का मार्क नहीं जुटने के कारण उनका रिजल्ट पेंडिंग हुआ है। दूसरी तरह पर कॉलेज प्रशासन इस पर पूरी तरह ठीकरा विश्वविद्यालय प्रशासन पर फोड़ रहा है।एमजेके कॉलेज के परीक्षा नियंत्रक डॉक्टर नवल किशोर बैठा ने कहा कि एमजेके कॉलेज में स्नातक पार्ट-2 के साइकोलॉजी विभाग के सभी छात्रों का रिजल्ट पेंडिंग हो गया है। जबकि उनके प्रैक्टिकल का नंबर विश्वविद्यालय में भेजवाया गया था। तीन-तीन बार प्रैक्टिकल का नंबर विवि में भेजवाने के बावजूद छात्रों का रिजल्ट पेंडिंग है। इससे छात्र नाराज हैं। विवि प्रशासन के आनन-फानन में रिजल्ट निकालने के कारण छात्रों का रिजल्ट पेंडिंग हुआ है। विवि प्रशासन को इसमें जल्द से जल्द सुधार कर देना चाहिए। बेतिया के एमजेके, आरएलएसवाई, नरकटियागंज और बगहा के सभी कॉलेजों को जोड़ दे तो हजारों से ज्यादा संख्या में पार्ट-2 परीक्षा परिणाम पेंडिंग है।बिहार विवि में परीक्षा देने के साथ ही पेंडिंग रिजल्ट सुधार करने के लिए हर साल छात्रों को विश्वविद्यालय की परिक्रमा करनी पड़ती है। पहले छात्र महाविद्यालय में जाते हैं फिर वहां से विवि जाते हैं। विवि में छात्रों के साथ शोषण होता है या कोई नई बात नहीं है। इसे लेकर कोई बार आवाज भी उठाई गई। छात्र नेताओं ने इसे लेकर प्रदर्शन भी किया है। लेकिन, हर साल यही सिलसिला चल रहा है। इधर, इस मामले में कॉलेज प्रशासन अपना पल्ला झाड़ने लगता है।राम लखन सिंह यादव कॉलेज के प्राचार्य डॉक्टर राजेश्वर प्रसाद यादव बताते हैं कि पेंडिंग रिजल्ट की समस्या के कारण छात्रों का आक्रोश का सामना उन्हें करना पड़ता है। पेंडिंग रिजल्ट लेकर विवि जाने वाले कॉलेज के छात्रों के साथ और कर्मियों के साथ भी वहां बदसलूकी की जाती है। इसका समाधान जल्द होना चाहिए।छात्रों के पेंडिंग रिजल्ट की समस्या को लेकर बगहा से लेकर बेतिया के छात्रों को परेशानी होती है। इसे लेकर बेतिया के कॉलेज में पहले से ही एक्सटेंशन काउंटर खोलने की मांग जारी है। विवि में सीनेट और सिंडिकेट की बैठक में एक्सटेंशन काउंटर की मांग पर मोहर लगने के बावजूद अब तक एक्सटेंशन काउंटर नहीं खुला है। छात्रों का भी कहना है कि अगर एक्सटेंशन काउंटर खुल जाता है तो उन्हें पेंडिंग रिजल्ट के लिए कहीं आना-जाना नहीं पड़ेगा।

कानून और आशंकाएं

भारतीय न्याय संहिता में हिट ऐंड रन मामलों के लिए जो कानूनी प्रावधान किया गया है, उसमें पहली नजर में कोई खोट नजर नहीं आता। धारा 104 (2) का प्रावधान सड़क पर हुई किसी दुर्घटना के दौरान वाहन चालक की जिम्मेदारी तय करने और उसका व्यवहार बदलने की एक कोशिश दिखाई देता है। आमतौर पर दुर्घटना के बाद वाहन चालक घटनास्थल से भाग निकलता है, इसीलिए ऐसे मामलों को हिट ऐंड रन केस कहते हैं। संसद से पारित यह नया प्रावधान कहता है कि दुर्घटना के समय वाहन चालक की पहली जिम्मेदारी है, घायल को अस्पताल पहुंचाना। वह ऐसा नहीं करता है, तो उसे इसके लिए दस साल की सजा और दस लाख रुपये तक का जुमार्ना हो सकता है। इस कानून ने पूरे देश के ट्रक और बस ड्राइवरों को उद्वेलित कर दिया है और उन्होंने नया साल शुरू होते ही चक्का जाम कर दिया। गुजरात के राजमार्ग पर 25 किलोमीटर लंबा जाम होने की खबर आ रही है। एक ही दिन की हड़ताल के बाद चंडीगढ़ जैसे शहर के पेट्रोल पंपों पर पेट्रोल खत्म हो चुका है, उनके बाहर वाहनों की लंबी लाइनें लग गई हैं। हजारों लोग जो पूरे उत्तर भारत से नया साल मनाने के लिए मनाली या शिमला गए थे, वे वहीं अटक गए हैं। उनकी गाड़ियों में ईंधन नहीं बचा और सप्लाई पहुंचाने वाले वाहन पेट्रोल पंपों तक पहुंच ही नहीं सके हैं। डर है कि आने वाले कुछ घंटों में कई जगहों पर खाने-पीने के सामान की किल्लत हो सकती है। सवाल है, आखिर वाहन चालक इतने नाराज क्यों हैं? वाहन चालकों का जो तर्क है, उसे पूरी तरह खारिज भी नहीं किया जा सकता। उनका कहना है कि दुर्घटना के बाद अगर वे घटनास्थल से न भागें, तो वे भीड़ हिंसा के शिकार हो सकते हैं। दुर्घटना के बाद भागना उनका आपराधिक कृत्य नहीं है, बल्कि आत्मरक्षा की कोशिश है। इसलिए इसे अपराध मानकर इसके लिए सजा और जुमार्ने का प्रावधान ठीक नहीं है। ऐसे बहुत सारे मामले हैं, जहां दुर्घटना के बाद भीड़ ने वाहन चालक को बुरी तरह पीटा। भीड़ जब इस तरह का बर्ताव करती है, तब वह नहीं देखती कि दुर्घटना में दरअसल गलती किसकी थी? सड़कों पर बेपरवाही से वालन चलाते अक्सर बहुत सारे चालक दिख जाते हैं, जिनकी वजह से दुर्घटनाएं होती हैं, मगर हर दुर्घटना में वाहन चालक को ही दोषी मान लेना ठीक नहीं कहा जा सकता। व्यावसायिक वाहनों के चालकों के अभी तक जो बयान आए हैं, उनके अनुसार, वे लंबी हड़ताल की तैयारी कर रहे हैं। सिर्फ डेढ़ दिन की ही हड़ताल से कैसी मुसीबतें पैदा हो आई हैं, इन्हें हमने मंगलवार को चंडीगढ़ और उसके आस-पास देख लिया है। कोशिश यह होनी चाहिए थी कि ऐसी नौबत ही न आती। मगर देश में दुर्भाग्य से एक धारणा यह बन गई है कि जब तक हड़ताल न हो और बाधा न पहुंचाई जाए, तब तक कोई सुनवाई ही नहीं होती। कुछ हद तक यह धारणा है, तो कुछ हद तक लोगों का कटु अनुभव भी। अनेक मामलों में यह देखा गया है कि जिम्मेदार अधिकारी हालात बिगड़ने का मानो इंतजार करते हैं।

भविष्य का संकेत

चंद्रयान-3 की सफलता के बाद के पांच महीनों के दौरान भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) द्वारा दो मिशनों का प्रक्षेपण किया गया है और ये दोनों ही मिशन वैज्ञानिक प्रकृति के हैंः सूर्य का अध्ययन करने के लिए आदित्य एल-1 अंतरिक्ष जांच और खगोलीय घटनाओं के क्रम में उत्सर्जित ध्रुवीकृत एक्स-रे का अध्ययन करने के लिए एक्स-रे पोलारिमीटर उपग्रह (एक्सपोसैट)। इसरो ने 1 जनवरी को अपनी सी58 उड़ान पर ध्रुवीय उपग्रह प्रक्षेपण यान (पीएसएलवी) पर दो-भाग वाले मिशन में एक्सपोसैट का प्रक्षेपण किया। इन प्रक्षेपणों का सापेक्ष समय एक संयोग हो सकता है, लेकिन यह खुशी की बात है क्योंकि इसरो द्वारा प्रक्षेपित किए गए वैज्ञानिक बनाम तकनीकी मिशनों का अनुपात, खोज के अर्थ में अनुसंधान की कीमत पर, तकनीकी मिशन के पक्ष में झुका हुआ है। वे सभी विज्ञान-उन्मुख मिशन अपने आप में असाधारण हैं। मिसाल के तौर पर, एक्सपोसैट एक्स-रे ध्रुवीकरण का अध्ययन करने वाला मात्र दूसरा अंतरिक्ष-आधारित प्रयोग है और अन्य, नासा के इमेजिंग एक्स-रे पोलारिमेट्री एक्सप्लोरर, की तुलना में उच्च एक्स-रे ऊर्जा पर है। रमन रिसर्च इंस्टीट्यूट द्वारा निर्मित इसका पोलिक्स पेलोड 8-30 किलो-इलेक्ट्रॉन-वोल्ट (केवी) ऊर्जा रेंज में एक्स-रे की निगरानी करेगा और पांच वर्षों में लगभग 50 स्रोतों से उत्सर्जन का निरीक्षण करेगा। इसरो के यू.आर. राव सैटेलाइट सेंटर द्वारा निर्मित एक्स्सपेक्ट पेलोड 0.8-15 किलो इलेक्ट्रान वोल्ट (केइवी) ऊर्जा के एक्स-रे और निरंतर एक्स-रे के उत्सर्जन में होने वाले परिवर्तनों का अध्ययन करेगा। साथ में, इन दोनों पेलोड से पल्सर और ब्लैक होल जैसे तीव्र एक्स-रे स्रोतों पर प्रकाश डालने की उम्मीद है। विज्ञान-प्रौद्योगिकी का झुकाव एक बार फिर से इस बात की याद दिलाता है कि दुनिया के अंतरिक्ष से जुड़े तमाम संगठनों के बीच इसरो की जरूरतें और प्राथमिकताएं अनूठी हैं। यह सी58 मिशन के दूसरे भाग से परिलक्षित होता है। पृथ्वी के चारों ओर 650 किलोमीटर की गोलाकार कक्षा में एक्सपोसैट को प्रक्षेपित करने के बाद, इस रॉकेट का चौथा चरण 350 किलोमीटर ऊंची कक्षा में चला गया और सौर पैनलों को खोलकर एक प्राथमिक उपग्रह बन गया तथा साथ ले जाए गए 10 पेलोडों के लिए कक्षीय परीक्षण स्थल बन गया।

कभी तो तोल-मोल के बोल लिया करो फारूक अब्दुल्ला जी

ANALYSIS

आर.के. सिन्हा

गाजा में इजराइल और हमास के बीच चल रहे युद्ध का जिक्र करते हुए उन्होंने यहां तक कह दिया कि हमारा भी गाजा और फिलिस्तीन जैसा हाल हो सकता है। अब फारूक साहब से कोई पूछे कि क्या आपने कभी पाकिस्तान से पूछा कि उसने मुंबई में हमला क्यों करवाया था या फिर उसने करगिल में घुसपैठ किसलिए की थी? वे तो हर स्थिति में भारत की नुक्ताचीनी करने में ही लगे रहते हैं। उन्हें कौन बताए कि विदेश नीति सारे देश की होती है न कि किसी प्रदेश या पार्टी की। भारत अगर पाकिस्तान से कहता है कि आतंकवादियों को खाद-पानी देना बंद करे तो इसमें क्या गलत कहता है। उन्होंने एक बार दावा किया था कि चीन की मदद से जम्मू-कश्मीर में फिर आर्टिकल 370 लागू कराया जाएगा। यह जानते हुए भी चीन भारत का जानी दुश्मन है, फिर भी वे चीन के पक्ष में बात करते हैं। क्या फारूक अब्दुल्ला को पता नहीं है कि चीन ने हमारे अक्सईचिन पर अपना कब्जा जमाया हुआ है? क्या उन्हें पता नहीं है कि चीन की तरफ से कब्जाये इलाके का क्षेत्रफल कितना है?

डॉ. फारूक अब्दुल्ला को आग में घी डालने में बहुत मजा आता है। वे भड़काऊ बयान देकर खबरों में बने रहना चाहते हैं। हालांकि जम्मू- कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री और नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता से देश उम्मीद करता है कि वे तोल-मोल के बयानबाजी करें। पर वे मानने के लिए तैयार नहीं हैं। उनके हालिया बयान सुन लें। फारुख अब्दुल्ला ने कहा कि भारत को पाकिस्तान से बात करनी चाहिए। गाजा में इजराइल और हमास के बीच चल रहे युद्ध का जिक्र करते हुए उन्होंने यहां तक कह दिया कि हमारा भी गाजा और फिलिस्तीन जैसा हाल हो सकता है। अब फारूक साहब से कोई पूछे कि क्या आपने कभी पाकिस्तान से पूछा कि उसने मुंबई में हमला क्यों करवाया था या फिर उसने करगिल में घुसपैठ किसलिए की थी? वे तो हर स्थिति में भारत की नुक्ताचीनी करने में ही लगे रहते हैं। उन्हें कौन बताए कि विदेश नीति सारे देश की होती है न कि किसी प्रदेश या पार्टी की। भारत अगर पाकिस्तान से कहता है कि आतंकवादियों को खाद-पानी देना बंद करे तो इसमें क्या गलत कहता है। उन्होंने एक बार दावा किया था कि चीन की मदद से जम्मू-कश्मीर में फिर आर्टिकल 370 लागू कराया जाएगा। यह जानते हुए भी चीन भारत का जानी दुश्मन है, फिर भी वे चीन के पक्ष में बात करते हैं। क्या फारूक अब्दुल्ला को पता नहीं है कि चीन ने हमारे अक्सईचिन पर अपना कब्जा जमाया हुआ है? क्या उन्हें पता नहीं है कि चीन की तरफ से कब्जाये इलाके का क्षेत्रफल कितना है ? ये 37,244 वर्ग किलोमीटर है। जितना क्षेत्रफल कश्मीर घाटी का है, उतना ही बड़ा है अक्सईचिन।

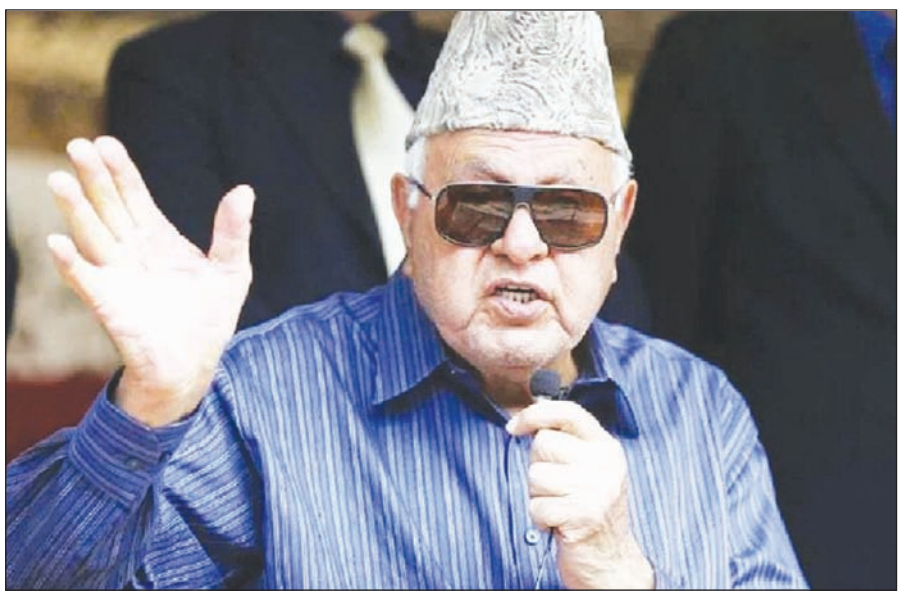

सवाल उठता है कि क्या फारूक अब्दुल्ला ने कभी चीन की इस बात के लिए निंदा की कि उसने भारत के इतने बड़े क्षेत्र पर कब्जा जमाया हुआ है? क्या उन्हें संसद में ध्वनिमत से पारित उस प्रस्ताव के बारे जानकारी नहीं है, जिसमें देश का संकल्प है कि चीन द्वारा हड़पी भारत की भूमि को वापस लिया जाएगा? इस सबके बावजूद वे चीन की मदद से जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 की पुनर्बहाली का ख्वाब देख रहे हैं। फारूक अब्दुल्ला जिस चीन से तमाम उम्मीदें पाले बैठे हैं, उसी चीन ने अपने देश में हजारों मस्जिदों को खुलेआम तोड़ा। वह अपने देश के मुसलमानों पर जो जुल्म कर रहा है, उसके बारे में किसी को बताने की जरूरत नहीं। फारूक अब्दुल्ला या तो कुछ जानना नहीं चाहते या जानकर भी चुप हैं। फारूक अब्दुल्ला फिलहाल श्रीनगर लोकसभा सीट से सांसद हैं। वह केंद्र सरकार में मंत्री भी रहे हैं। आपको याद होगा कि उन्होंने चेनाब घाटी में एक कार्यक्रम के दौरान पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) पर भारत के दावे को लेकर कहा था कि क्या यह तुम्हारे बाप का है? पीओके भारत की बपौती नहीं है जिसे वह हासिल कर ले। फारूक अब्दुल्ला ने पाकिस्तान के साथ सुर में सुर मिलाते हुए कहा था नरेंद्र मोदी सरकार पाकिस्तान के कब्जे से पीओके को लेकर तो दिखाए। मतलब यह कि फारूक अब्दुल्ला के मुताबिक पीओके हासिल करना भारत के लिए नामुमकिन है। यह तो भारत में रहकर भारत को सीधे धमकी देना नहीं तो क्या है ? फारूक अब्दुल्ला को कभी संसद लाइब्रेरी में जाकर भारतीय संसद के 22 फरवरी, 1994 को पारित प्रस्ताव को पढ़ लेना चाहिए। उस प्रस्ताव में भारत ने पीओके पर फैसला लिया था। उस दिन संसद ने ध्वनिमत से प्रस्ताव पारित कर पीओके पर अपना पूरा हक जताते हुए कहा था कि पीओके सहित सम्पूर्ण जम्मू-कश्मीर भारत का अटूट अंग है। पाकिस्तान को उस भाग को छोड़ना ही होगा जिस पर उसने कब्जा जमाया हुआ है। फारूक अब्दुल्ला के विवादास्पद बयानों की सूची बहुत लंबी है। वे कश्मीर में भारतीय सैनिकों पर पत्थर फेंकने वालों का भी समर्थन कर चुके हैं। अब जरा सोच लें कि वे कितने गैर-जिम्मेदार हैं? फारूक अब्दुल्ला ने कहा था अगर कुछ नौजवान सीआरपीएफ के जवानों पर पत्थर मार रहे हैं, तो कुछ सरकार द्वारा प्रायोजित भी हैं। फारूक अब्दुल्ला के विवादास्पद बयानों की सूची सच में बहुत ही लंबी है। वे तो सुकमा के नक्सली हमले की तुलना कुपवाड़ा के आतंकी हमले तक से कर चुके हैं। उन्होंने कहा था कि कुपवाड़ा के शहीदों की शहादत को काफी बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया गया था जबकि सुकमा के शहीदों की अनदेखी हुई। जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा के पंजगाम सेक्टर में आर्मी कैंप में आतंकी हमला हुआ था। चाहे सुकमा हो या कुपवाड़ा या फिर कोई अन्य जगह, सारा देश शहीदों का कृतज्ञ भाव से स्मरण करता है। देश के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वालों का कोई अनादर नहीं कर सकता। याद नहीं आता कि विवादित बयानबाजी करने का कोई भी मौका नहीं छोड़ने वाले फारूक अब्दुल्ला कभी अपने राज्य में आतंकियों के हाथों मारे जाने वाले लोगों के लिए भी आंसू बहाते हों। दि कश्मीर फाइल्स फिल्म की सारे देश में चर्चा हुई थी। उसमें कश्मीर घाटी में कश्मीरी पंडितों के ऊपर हुए जुल्मों सितम को दिखाया गया था। यह जरूरी भी था। पर कोई यह नहीं बताता कि कश्मीर घाटी में आतंकवाद के बढ़ने के बाद से न जाने कितने प्रवासी बिहारी मजदूर भी मारे जा चुके हैं। वहां कुछ महीने पहले बिहार के भागलपुर से काम की खोज में आए गरीब वीरेन्द्र पासवान को गोलियों से मार डाला गया था। पासवान की मौत पर उसके घरवालों या कुछ अपनों के अलावा रोने वाला कोई नहीं था। पासवान का अंतिम संस्कार झेलम किनारे दूधगंगा श्मशान घाट पर कर दिया गया था। वीरेंद्र पासवान गर्मियों के दौरान कश्मीर में रोजी-रोटी कमाने आता था। वह श्रीनगर में ठेले पर गोलगप्पे बनाकर बेचता था। उसके मारे जाने पर फारूक अब्दुल्ला या उनकी पार्टी के किसी नेता ने पासवान के परिवार की मदद की घोषणा नहीं की। बात यह है कि फारूक अब्दुल्ला सिर्फ हवा-हवाई बातें करते हैं। अपने राज्य के आम इंसान से उनका कोई सरोकार नहीं रहा है। वे अनाप-शनाप बोलकर खबरों में बने रहने की कोशिश करते हैं। ऐसे हवा-हवाई नेताओं से कश्मीरी जनता जितनी जल्द छुटकारा पा ले, जनता के कल्याण और कश्मीर के विकास के लिये उतना ही अच्छा होगा।

लेखक वरिष्ठ संपादक, स्तंभकार और पूर्व सांसद हैं।

रानी दुर्गावती का समर्पण और गोंडवाना साम्राज्य का गौरवशाली इतिहास

मध्यप्रदेश की संस्कारधानी जबलपुर का इतिहास में गौरवशाली स्थान है। जबलपुर का उल्लेख हर युग में मिलता है। यह वैदिक काल में जाबालि ऋषि की तपोस्थली रही है। हम मध्यकाल में देखें तो जबलपुर का संघर्ष अद्वितीय रहा है। प्रत्येक हमलावर का उत्तर इस क्षेत्र के निवासियों ने वीरतापूर्वक दिया है और यही वीरता वीरांगना रानी दुर्गावती के संघर्ष और बलिदान की गाथा में है। जबलपुर उनके बलिदान की पवित्र भूमि है। अकबर की विशाल सेना से रानी दुर्गावती ने इसी क्षेत्र में मोर्चा लिया था। वीरांगना दुर्गावती का युद्ध कौशल, शौर्य और पराक्रम इससे पूर्व कालिंजर में भी देखने को मिलता है। रानी दुर्गावती के 500वें जन्मशताब्दी अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जनजातीय समाज के कल्याण और समृद्धि के लिए जो संकल्प लिया है उसे पूर्ण करने के लिये मध्यप्रदेश सरकार पूरी प्रतिबद्धता के साथ आगे बढ़ रही है। रानी दुर्गावती, सुशासन व्यवस्था और स्वर्णिम प्रशासन के लिए प्रसिद्ध थीं, जो इतिहास का प्रेरक अध्याय है। यह हमारे लिए प्रसन्नता की बात है कि जबलपुर में नवगठित मंत्रिमंडल की प्रथम कैबिनेट बैठक रानी दुर्गावती की सुशासन नगरी में रखी गई है। कालिंजर के चंदेल राजा कीरत सिंह शालिवाहन के यहां 05 अक्टूबर सन 1524 को जन्मीं रानी दुर्गावती शस्त्र और शास्त्र विद्या में बचपन में ही दक्ष हो गयी थीं। युद्ध और पराक्रम के वीरोचित किस्से, कार्य-व्यवहार को देखते हुए वे बड़ी हुईं। महोबा की चंदेल राजकुमारी सन 1542 में गोंडवाना के राजा दलपत शाह से विवाह के उपरांत जबलपुर आ गयीं। तत्समय गोंडवाना साम्राज्य में जबलपुर, सिवनी, छिंदवाड़ा, भोपाल, होशंगाबाद (अब नर्मदापुरम), बिलासपुर, डिंडौरी, मंडला, नरसिंहपुरतथा नागपुर शामिल थे। जब इस विशाल राज्य के राजा दलपतशाह की असमय मृत्यु हो गयी तो प्रजावत्सल रानी ने विचलित हुए बिना अपने बालक वीर नारायण को गद्दी पर बैठाकर राजकाज संभाला। लगभग 16 वर्षों के शासन प्रबंध में रानी ने अनेक निर्माण कार्य करवाए। रानी की दूरदर्शिता और प्रजा के कल्याण के प्रति संकल्पित होने का प्रमाण है कि उन्होंने अपने निर्माण कार्यों में जलाशयों, पुलों और मार्गोंको प्राथमिकता दी, जिससे नर्मदा किनारे के सुदूर वनों की उपज का व्यापार हो सके और जलाशयों से किसान सिंचाई के लिए पानी प्राप्त कर सके। जबलपुर में रानीताल, चेरीताल, आधारताल जैसे अद्भुत निर्माण रानी की दूरदर्शिता और वैज्ञानिक दृष्टिकोण का परिणाम है। रानी दुर्गावती के शासन में नारी की सुरक्षा और सम्मान उत्कर्ष पर था। राज्य की सुरक्षा के लिए रानी ने कई किलों का निर्माण करवाया और जीर्णोद्धार भी किया। कृषि तथा व्यवसाय के लिए उनके संरक्षण का ही परिणाम था कि गोंडवाना समृद्ध राज्य बना, लोग लगान स्वर्ण मुद्राओं में चुकाते थे। न्याय और समाज व्यवस्था के लिए हजारों गांवों में रानी के प्रतिनिधि रहते थे। प्रजा की बात रानी स्वयं सुनती थीं। प्रगतिशील, न्यायप्रिय रानी ने राज्य विस्तार के लिए कभी आक्रमण नहीं किये, लेकिन मालवा के बाज बहादुर द्वारा किये गये हमलों में उसे पराजित किया। गोंडवाना राज्य की संपन्नता, रानी की शासन व्यवस्था, रणकौशल और शौर्य की साख ने अकबर को विचलित कर दिया। अकबर ने आसफ खां के नेतृत्व में तोप, गोलों औरबारूद से समृद्ध विशाल सेना का दल भेजा और गोंडवाना राज्य पर हमला कर दिया। रानी दुर्गावती के सामने दो ही विकल्प थे। एक सम्पूर्ण समर्पण और दूसरा सम्पूर्ण विनाश। स्वाभिमानी रानी ने स्वतंत्रता की रक्षा के लिए शस्त्र उठा लिए। वे कहा करती थीं- ह्यजीवन का अंतिम सत्य मृत्यु है, जिसे कल स्वीकार करना हो वह आज ही सही।ह्ण इसी उद्घोष के साथ उन्होंने हाथ में तलवार लेकर विंध्य की पहाड़ियों पर मोर्चा लिया। आसफ खां का यह दूसरा आक्रमण था। पूर्व में वह पराजित हुआ था। इस भीषण संग्राम में जबलपुर के बारहा ग्राम के पास नर्रई नाला के निकट तोपों की मार से जब गोंडवाना की सेना पीछे हटने लगी तो नाले की बाढ़ ने रास्ता रोक दिया। रानी वस्तुस्थिति को समझ गयीं, उन्होंने स्वत्व और स्वाभिमान के लिए स्वयं को कटार घोंपकर आत्मबलिदान दिया। रानी दुर्गावती स्वाभिमान और स्वतंत्रता का प्रतीक हैं। वीरांगना दुर्गावती ने बलिदान की जिस परंपरा की शुरूआत की, उस पथ का कई वीरांगनाओं ने अनुसरण किया। रानी दुर्गावती के वंशज राजा शंकरशाह और उनके पुत्र रघुनाथशाह को 1857 के महासंग्राम में शामिल होने और कविता लिखने पर अंग्रेजों ने तोप से उड़ा दिया था। राजा शंकरशाह की पत्नी गोंड रानी फूलकुंवर ने पति व पुत्र के अवशेषों को एकत्र कर दाह संस्कार किया और 52वीं इंफेंट्री के क्रांतिकारी सिपाहियों को लेकर अपने क्षेत्र से सन 1857 के युद्ध का नेतृत्व किया। अंत में रणभूमि में शत्रु से घिर जाने पर रानी फूलकुंवर ने स्वयं को कटार घोंप ली। गोंडवाना राज्य की पीढ़ियों ने भारत माता की स्वतंत्रता और स्वाभिमान के लिए रानी दुर्गावती की बलिदानी परंपरा को आगे बढ़ाया। राष्ट्र रक्षा, स्वाभिमान और स्वतंत्रता के लिए वीरांगना रानी दुर्गावती और उनके वंशजों के बलिदान पर आने वाली पीढ़ियां सदैव गर्व करेंगी।

जारी रहेगा शेयर बाजार में उछाल

बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसइ) का सूचकांक 28 दिसंबर को अब तक के शीर्ष 72,484 पर पहुंच गया, जबकि नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसइ) या निफ्टी भी उसी दिन अब तक के शीर्ष 21,801 पर चला गया। बीएसइ के 30 में से 22 कंपनियों के शेयरों में तेजी रही, जिनमें सबसे अधिक तेजी बैंकिंग और ऊर्जा क्षेत्र के शेयरों में देखी गयी। मौजूदा समय में अमेरिका सहित लगभग तमाम विकसित देशों के शेयर बाजार में बिकवाली का दौर है। महामारी, भू-राजनीतिक संकट, रूस-यूक्रेन युद्ध आदि की वजह से विकसित देशों में शेयर बाजार की हालत खस्ता है। वैश्विक अर्थव्यवस्था में भी नरमी बनी हुई है और कुछ देशों में मंदी के आसार बने हुए हैं, लेकिन इसके विपरीत भारतीय शेयर बाजार लगातार चमकीला होता जा रहा है। शेयर बाजार में उछाल का एक कारण विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफपीआइ) द्वारा भारतीय बाजार में ज्यादा निवेश करना है। राजनीतिक स्थिरता, मजबूत होती अर्थव्यवस्था और अमेरिकी बॉन्ड प्रतिफल में लगातार गिरावट को देखते हुए भारतीय शेयर बाजार में सिर्फ दिसंबर में 57 हजार करोड़ रुपये से अधिक का निवेश एफपीआइ द्वारा किया गया है। पूरे साल यह निवेश 1.62 लाख करोड़ रुपये से अधिक रहा। विदेशी निवेशकों का कुल निवेश लगभग दो लाख करोड़ रुपये हो चुका है। एफपीआइ इक्विटी के अलावा डेट फंड में 60 हजार रुपये का निवेश कर चुके हैं। साल 2024 में भी राजनीतिक स्थिरता और अर्थव्यवस्था के गुलाबी बने रहने के आसार हैं, इसलिए माना जा रहा है कि एफपीआई का निवेश बरकरार रहेगा। भारतीय रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार, आठ दिसंबर तक विदेशी मुद्रा भंडार बढ़ कर 606.85 बिलियन डॉलर के स्तर पर पहुंच गया। साथ ही, विदेशी करेंसी एसेट में भी बढ़ोतरी हुई है। सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के अनुसार, उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति खाद्य पदार्थों की कीमत में हुई इजाफे की वजह से बढ़ कर 5.55 प्रतिशत हो गयी, जो अक्तूबर में 4.87 प्रतिशत रही थी। फिर भी अभी खुदरा महंगाई रिजर्व बैंक द्वारा महंगाई के लिए तय अधिकतम सहनशीलता सीमा छह प्रतिशत से कम है। भारतीय अर्थव्यवस्था में तेज रिकवरी जारी रहने के कारण सकल घरेलू उत्पादन (जीडीपी) में लगातार सुधार आ रहा है। वित्त वर्ष 2023-24 की दूसरी तिमाही में जीडीपी में 7.6 प्रतिशत की दर से वृद्धि हुई, जबकि पहली तिमाही में यह 7.8 प्रतिशत रही थी, जो पिछली चार तिमाहियों में सबसे अधिक थी। उल्लेखनीय है कि दूसरी तिमाही में जीडीपी में सिर्फ 6.5 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान था। भारत की जीडीपी दर रूस, अमेरिका, चीन और ब्रिटेन से बहुत बेहतर है। वित्त वर्ष 2022-23 की चौथी तिमाही में वृद्धि दर में बेहतरी आने से पूरे वित्त वर्ष की वृद्धि दर में भी सुधार दर्ज किया गया था। वित्त वर्ष 2022-23 में जीडीपी के 6.8 प्रतिशत रहने का अनुमान था, जो वास्तव में 7.2 प्रतिशत रही थी। वित्त मंत्रालय के अनुसार, जीडीपी में निजी खपत की हिस्सेदारी 2023-24 की दूसरी तिमाही में 61 प्रतिशत रही, जो पहली तिमाही में 59.7 प्रतिशत रही थी। जीडीपी वृद्धि दर में विनिर्माण और निर्माण क्षेत्र का विशेष योगदान रहा है। धीमी वैश्विक वृद्धि के बावजूद दूसरी तिमाही में विनिर्माण क्षेत्र में 13.9 प्रतिशत की दर से वृद्धि हुई, जबकि निर्माण क्षेत्र में 13.3 प्रतिशत की दर से। इसके अलावा, खनन क्षेत्र में भी उच्च दर से वृद्धि हुई है। निर्यात में भी अब पहले से तेजी देखी जा रही है और इसी वजह से विदेशी मुद्रा भंडार में भी वृद्धि हो रही है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय द्वारा जारी औद्योगिक उत्पादन सूचकांक के आंकड़े रेखांकित करते हैं कि अक्तूबर महीने में भारत का औद्योगिकी उत्पादन 11.7 प्रतिशत रहा, जो विगत 16 महीनों में सबसे अधिक है।

जंग का बढ़ता दायरा

लाल सागर में एक कंटेनर जहाज पर हमला कर रहे यमन के ईरान-समर्थित हूती लड़ाकों पर अमेरिकी हमले इस बात की ताजा निशानी है कि गाजा के युद्ध का दायरा इजराइल-फिलिस्तीन से परे जा रहा है। यमन के अधिकतर हिस्से पर काबिज विद्रोहियों के साथ इस विरल करीबी लड़ाई में तीन हूती नौकाएं डूब गयीं और 10 लड़ाके मारे गये। हूतियों का कहना है कि फिलिस्तीनियों के साथ अपनी एकजुटता दिखाने के लिए, वे बाब अल-मंदेब जलसंधि (लाल सागर इसी के जरिये अदन की खाड़ी में खुलता है) से गुजरने वाले वाणिज्यिक जहाजों पर हमला जारी रखेंगे। बीते नवंबर महीने से, हूती विद्रोही कम-से-कम 20 वाणिज्यिक टैंकरों पर हमला कर चुके हैं, जिनमें भारतीय तट के पास एक रासायनिक टैंकर भी शामिल है। इसने मेर्स्क, हैपाग-लॉयड और एमएससी जैसी दुनिया की कुछ सबसे बड़ी जहाजरानी कंपनियों को लाल सागर के रास्ते व्यापार रोकने पर मजबूर किया है। उन्हें अफ्रीका का चक्कर काटने वाला घुमावदार रास्ता इस्तेमाल करना पड़ रहा है। लाल सागर स्वेज नहर के जरिये भूमध्य सागर और अरब सागर को जोड़ता है। हाल के सप्ताहों में लाल सागर से होकर यातायात में लगभग 35 फीसदी की गिरावट आयी है। इससे जहाजरानी और बीमा का खर्च बढ़ा है। इस संकट ने दुनिया के व्यस्ततम जहाजरानी गलियारों में से एक में सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अमेरिका को नये नौसैनिक कार्य बल का एलान करने पर मजबूर किया है। लेकिन हूती खतरे से एक अलग सुरक्षा संकट के रूप में निपटने की अमेरिकी कोशिश को अपनी सीमाओं का सामना करना पड़ सकता है। लाल सागर बेसिन का कोई देश अमेरिकी अगुवाई वाले कार्य बल में शामिल नहीं हुआ है। इनमें मिस्र भी शामिल है, जिसकी अर्थव्यवस्था स्वेज नहर के जरिये यातायात में गिरावट से प्रभावित हुई है।

Social Media Corner

सच के हक में...

असम के गोलाघाट में हुई सड़क दुर्घटना में अनेक लोगों की आकस्मिक मृत्यु का समाचार अत्यंत दुखद है। मैं शोक-संतप्त परिवारों के प्रति गहन संवेदना व्यक्त करती हूं और घायल हुए लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करती हूं।

(राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का 'एक्स' पर पोस्ट)

सरकार बनी तो एक साल में 5 लाख नौकरी,नहीं तो राजनीति से सन्यासः झूठे वादों और इरादों से सरकार बनाने में हेमंत जी एक बार सफल तो हो गए पर ये आखिरी बार था । प्रदेश की जनता ने खुद पर हुए अत्याचार और नौकरी के नाम पर सिर्फ हेकड़ी हांकने वाली हेमंत सरकार की हकीकत को जान लिया है। 1 साल में 5 लाख नौकरी के नाम पर युवाओं को पिछले 4 साल में सिर्फ लाठियां दी गई, पढ़ने के बजाय उनको सड़कों पर अपने हकों के लिए उतारा गया। युवाओं के साथ अन्याय और अत्याचार करने वाली हेमंत सरकार इस्तीफा दो।

(पूर्व सीएम बाबूलाल मरांडी का 'एक्स' पर पोस्ट)

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899 Editor- Fahim Akhtar. E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

पब्लिक ट्रांसपोर्ट में बदलाव, बसों की बिक्री पिछले साल के मुकाबले 64 फीसदी बढ़ी

नई दिल्ली ।

पब्लिक ट्रांसपोर्ट बदलाव का दौर देखा जा रहा है। यही वजह है कि साल 2023 में बसों की मांग में मजबूत वृद्धि देखी गई है। अशोक लीलैंड की इस वित्त वर्ष में अप्रैल से दिसंबर के दौरान मध्यम और भारी वाणिज्यिक वाहन (एमएचसीवी) बसों की बिक्री पिछले साल की समान अवधि के मुकाबले 64 फीसदी बढ़ी।

इस दौरान कंपनी ने 11,216 बसों की बिक्री की। जबकि, वॉल्वो आयशर वाणिज्यिक वाहन (वीईसीवी) के अप्रैल-दिसंबर के दौरान हल्के और मध्यम बसों की बिक्री 24।7 फीसदी और भारी बसों की बिक्री 36।9 फीसदी बढ़ी है। वीईसीवी ने इस दौरान 9,945 हल्के और मध्यम बसों की बिक्री की और 1,369 भारी बसों की बिक्री की। सिर्फ बसों की बिक्री की जानकारी नहीं देने वाली टाटा मोटर्स की यात्री वाहन खंड में कैलेंडर वर्ष 2023 की सभी चार तिमाहियों में वृद्धि देखी गई है।

उदाहरण के लिए, अक्टूबर से दिसंबर की अवधि में टाटा मोटर्स ने यात्री वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री में 19 फीसदी की वृद्धि दर्ज की, जो 7704 इकाइयों तक पहुंच गई। जबकि जुलाई-सितंबर के बीच इसमें 32 फीसदी की वृद्धि हुई, अप्रैल-जून की अवधि में 11 फीसदी की वृद्धि और 2023 में जनवरी-मार्च अवधि में 70 फीसदी की वृद्धि हुई थी।

कुल मिलाकर टाटा मोटर्स के वाणिज्यिक वाहनों ने कैलेंडर वर्ष 2023 के दौरान 33 फीसदी की वृद्धि दर्ज की है। कंपनी ने मंगलवार को कहा कि उसने असम राज्य परिवहन निगम (एएसटीसी) को 100 इलेक्ट्रिक बसों की आपूर्ति की है। टाटा मोटर्स ने देश भर के विभिन्न शहरों में 1,500 से अधिक इलेक्ट्रिक बसों की आपूर्ति की है। इसने 95 फीसदी से अधिक के अपटाइम के साथ कुल मिलाकर 10 करोड़ किलोमीटर से अधिक की दूरी तय की है।

दिसंबर में टाटा मोटर्स लिमिटेड को उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम से टाटा एलपीओ 1618 डीजल बस की 1,350 बसें की आपूर्ति करने का ठेका मिला था।

ये बसें अंतरराज्यीय और लंबी दूरी तय करने के लिए तैयार की गई हैं।

उपभोक्ताओं ने डीजल वाहनों से बनाई दूरी, 2023 में ईवी, हाइब्रिड की बढ़ी मांग

नई दिल्ली।

साल 2023 के दौरान ईवी,हाइ ब्रिड वाहनों की मांग बढ़ गई है, वहीं उपभोक्ताओं ने डीजल वाहनों से दूरी बनाकर हाइब्रिड कारों और इलेक्ट्रिक वाहनों की ओर रुख किया है। आने वाले वर्षों के दौरान यात्री वाहन उद्योग में विभिन्न तरह के इंजनों का मिश्रण दिखने की संभावना है, हालांकि स्पोर्ट्स यूटिलिटी वाहन (एसयूवी) की बिक्री ने जोर पकड़ा हुआ है। मारुति सुजूकी इंडिया के वरिष्ठ कार्यअधिकारी (विपणन और बिक्री) शशांक श्रीवास्तव के अनुसार संपूर्ण पीवी श्रेणी में डीजल वाहनों की हिस्सेदारी साल 2022 की 19.2 प्रतिशत से घटकर साल 2023 में 17.6 प्रतिशत रह गई। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि इसी अवधि के दौरान हाइब्रिड वाहनों की हिस्सेदारी 0।5 प्रतिशत से बढ़कर दो प्रतिशत हो गई। इलेक्ट्रिक वाहनों की हिस्सेदारी में भी भारी इजाफा नजर आया और यह 1.3 प्रतिशत से बढ़कर 2.2 प्रतिशत हो गई। इसमें सीएनजी वाहनों की हिस्सेदारी भी बढ़ी है। वाहन क्षेत्र के मूल उपकरण निर्माताओं (ओईएम) का मानना है कि यह ईंधन का अच्छा विकल्प है, खास तौर पर शुरुआती स्तर वाली कारों के लिए यह बेहतर है।

ह्युंडै मोटर इंडिया (एचएमआईएल) के मुख्य परिचालन अधिकारी तरुण गर्ग ने कहा कि कंपनी प्रति माह लगभग 6,000 सीएनजी वाहन बना रही है। ऑरा और एक्सटर जैसे मॉडलों में इस ईंधन विकल्प की हिस्सेदारी पहले से ही ज्यादा है। गर्ग को लगता है कि डीजल वाहनों के भविष्य के बारे में पूर्वानुमान लगाना मुश्किल है। हालांकि कंपनी को लगता है कि साल 2030 तक कुल यात्री वाहनों की बिक्री में ईवी की हिस्सेदारी 20 से 22 प्रतिशत होगी। ह्युंडै ने साल 2023 के दौरान अपनी 1,100 इओनिक ईवी बेचीं, जबकि उसका आंतरिक लक्ष्य 500 गाड़ियां बेचने का था। टाटा मोटर्स के प्रबंध निदेशक शैलेश चंद्रा ने कहा कि ईवी श्रेणी और नए अनूठे ट्विन-सिलेंडर सीएनजी श्रेणी की हमारी उत्सर्जन-अनुकूल गाड़ियों की बिक्री में भी वित्त वर्ष 24 की तीसरी तिमाही के दौरान तीव्र वृद्धि दर्ज की गई। नई नेक्सॉन ईवी की शुरुआत और टियागो ईवी की लोकप्रियता कायम रहने की वजह से ईवी की बिक्री में वित्त वर्ष 2023 की तीसरी तिमाही की तुलना में 21 प्रतिशत की अच्छी वृद्धि दर्ज की गई।

देश में कुछ जगहों पर तेल की कीमतें बढ़ी, कुछ जगहों पर घटीं

नई दिल्ली ।

घरेलू बाजार में पैट्रोल और डीजल की कीमतों में बदलाव आया है। गुजरात और पंजाब में इसकी कीमतें बढ़ी हैं। वहीं महाराष्ट्र, जम्मू कश्मीर और हिमाचल प्रदेश में कीमतें घटी हैं। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में मिलाजुला रुख दर्ज किया गया। सुबह डब्ल्यूटी आई क्रूड हल्की बढ़त के साथ 70.50 डॉलर प्रति बैरल पर बना हुआ था। वहीं, ब्रेंट क्रूड गिरावट के साथ 75.89 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। गुजरात में पेट्रोल की कीमतों में 84 पैसे की बढ़त हुई है।

वहीं डीजल की कीमतें पहले की ही तरह हैं। वहीं पंजाब में पेट्रोल की कीमतें 51 पैसे और डीजल की 48 पैसे बढ़ी हैं। वहीं मध्य प्रदेश, झारखण्ड और गोवा में भी पेट्रोल-डीजल की कीमत में हल्की बढ़त आई है। महाराष्ट्र में पेट्रोल 11 पैसे और डीजल 12 पैसे कम हुआ है। वहीं जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश में भी पेट्रोल-डीजल की कीमत में कमी आई है। नोएडा में पेट्रोल 96.65 रुपये और डीजल 89.82 रुपये प्रति लीटर हो गया है. वहीं गाजियाबाद में 96.58 रुपये और डीजल 89.75 रुपये प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 96.47 रुपये और डीजल 89.66 रुपये प्रति लीटर हो गया है। चारों महानगरों की बात करें तो दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये और डीजल 90.08 रुपये प्रति लीटर वहीं मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये और डीजल 94.27 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपये और डीजल 92.76 रुपये प्रति लीटर जबकि चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपये और डीजल 94.24 रुपये प्रति लीटर पर है।

नए साल में 21 महीने के टॉप पर पहुंची बिटकॉइन, निवेशक हुए खुश

नई दिल्ली ।

दुनिया की सबसे पुरानी, सबसे बड़ी और सबसे लोकप्रिय क्रिप्टोकरेंसी बिटकॉइन के निवेशकों के लिए नया साल खुशखबरी लेकर आया है। मंगलवार को इसकी कीमत 45,000 डॉलर के पार पहुंच गई। अप्रैल 2022 के बाद पहली बार बिटकॉइन की कीमत इस स्तर पर पहुंची है। एक्सचेंज ट्रेडेड स्पॉट बिटकॉइन फंड्स को मंजूरी मिलने की उम्मीद में बिटकॉइन की कीमत में तेजी आई है। बिटकॉइन की कीमत में पिछले साल यानी 2023 में 156 फीसदी तेजी आई जो 2020 के बाद इसका सबसे बेहतर प्रदर्शन है। मंगलवार को ट्रेडिंग के दौरान बिटकॉइन की कीमत 45,532 डॉलर पर पहुंच गई जो इसका 21 महीने का उच्चतम स्तर है। हालांकि यह अब भी अपने उच्चतम स्तर से काफी दूर है।

नवंबर 2021 में बिटकॉइन की कीमत 69,000 डॉलर के रेकॉर्ड हाई पर पहुंची थी। निवेशकों को उम्मीद है कि अमेरिका का सिक्योरिटीज रेगुलेटर स्पॉट बिटकॉइन ईटीएफ को मंजूरी दे सकता है। इससे लाखों निवेशकों के लिए बिटकॉइन मार्केट का रास्ता खुल सकता है और अरबों डॉलर का निवेश आ सकता है। हालांकि इस बीच इथेरियम ब्लॉकचेन नेटवर्क से जुड़ी कॉइन इथर में भी मंगलवार को 1.45 फीसदी तेजी आई और यह 2,386 डॉलर पर पहुंच गई।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले से पहले 12 प्रतिशत तक चढ़े अडानी के शेयर

नई दिल्ली ।

हिंडनबर्ग रिसर्च की रिपोर्ट में मामले में सुप्रीम कोर्ट के फैसले से पहले बुधवार को अदाणी ग्रुप की कंपनियों के शेयरों में 12 प्रतिशत तक बढ़ोतरी हुई है। बीएसई पर शुरुआती कारोबार में अदाणी ग्रुप की प्रमुख कंपनी अदानी एंटरप्राइजेज के शेयर लगभग 6 प्रतिशत उछल गए, जबकि अदानी पोर्ट्स के शेयर लगभग 4 प्रतिशत बढ़कर अपने 52-सप्ताह के हाई लेवल 1,117.10 रुपये पर पहुंच गए। अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस के शेयरों में 12 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई, जबकि अदानी पावर के शेयरों में 5 प्रतिशत का ऊपरी सर्किट लग गया और कंपनी का शेयर 544.65 रुपये पर पहुंच गया।

इधर अंबुजा सीमेंट्स के शेयर लगभग 2 प्रतिशत बढ़कर 52-सप्ताह के हाई लेवल 541.45 रुपये पर पहुंच गए, जबकि एसीसी के शेयर भी लगभग 2 प्रतिशत चढ़ गए। मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ चार याचिकाओं पर सुबह 10:30 बजे फैसला सुनाएगी। हालों कि जनहित याचिकाओं पर फैसला 24 नवंबर, 2023 को सुरक्षित रखा गया था। कोर्ट में दी गई दलीलों में दावा किया गया था कि मोदी सरकार के करीबी माने जाने वाले अदाणी समूह ने अपने शेयरों की कीमतें बढ़ा दीं थी। जो हिर है कि शॉर्ट सेलर हिंडनबर्ग रिसर्च की रिपोर्ट आने के बाद से ही ग्रुप की कंपनियों में बड़ी गिरावट देखी गई थी।

सिएट को 19 करोड़ रुपए की जीएसटी मांग को लेकर नोटिस

नई दिल्ली: टायर बनाने वाली सिएट लि. को महाराष्ट्र और गुजरात के वडोदरा में कर अधिकारियों से जीएसटी और जुर्माने की मांग को लेकर 19 करोड़ रुपए का नोटिस मिला है। सिएट लि. ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि वडोदरा के अतिरिक्त आयुक्त (केंद्रीय जीएसटी और केंद्रीय उत्पाद शुल्क) ने 3.27 करोड़ रुपये के ब्याज और 13.68 करोड़ रुपए के जुर्माने के साथ आदेश जारी किया है। इससे पहले, कंपनी को कारण बताओ नोटिस दिया गया था। इसका कारण इनपुट टैक्स क्रेडिट को 'क्रेडिट लेजर' दिखाने में देरी थी। एक अन्य मामले में, महाराष्ट्र के कर उपायुक्त ने एक आदेश जारी कर 22 लाख रुपए और ब्याज के रूप में 26 लाख रुपए की मांग की है। साथ ही दो लाख रुपये जुर्माने की मांग की है। यह मामला आपूर्तिकर्ता के कर भुगतान नहीं करने से इनपुट टैक्स क्रेडिट की स्थिति में बदलाव से संबंधित है। इसको लेकर कारण कारण बताओ नोटिस भी दिया गया था। कंपनी के अनुसार, ''क्रेडिट लेजर में इनपुट टैक्स क्रेडिट दिखाने में देरी के लिए 1.59 करोड़ रुपए का ब्याज भी लगाया गया है।''

ईवी पर आयात शुल्क घटाने की तैयारी, देसी उद्योग ने किया विरोध

नई दिल्ली । सरकार ने एक ओर जहां ईवी पर आयात शुल्क घटाने की तैयारी कर ली है, वहीं देसी उद्योग ने इसका विरोध शुरु कर दिया है। हालों कि सरकार ने देसी वाहन कंपनियों को दो टूक बता दिया है कि भारत और ब्रिटेन के बीच प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के तहत इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) पर शुल्क में रियायत देनी ही होगी। मगर उद्योग को राहत देने के लिए वह सुनिश्चित करेगी कि ब्रिटिश ईवी कंपनियों को रियायत किस्तों में दी जाएगी, जिससे भारतीय बाजार में उनकी पैठ भी धीरे-धीरे बढ़े। बता दें कि भारत में इलेक्ट्रिक वाहन तेजी से उभरता हुआ बाजार है। इसे देखते हुए घरेलू वाहन निर्माताओं ने दोनों देशों के बीच मुक्त व्यापार समझौते के तहत इलेक्ट्रिक वाहनों पर आयात शुल्क में कटौती का जमकर विरोध किया है। इसीलिए सरकार इस समझौते के तहत चरणबद्ध तरीके से शुल्क घटाने की बात कह रही है। इस मामले में जानकारों का कहना है कि हम मानते हैं कि भारत में ईवी उद्योग की अभी शुरुआत ही हुई है। इसलिए हम इस बाजार को विदेशी कंपनियों के लिए खोलने का उचित और सुरक्षित तरीका तलाश रहे हैं। ऐसा करते समय हम उद्योग की चिंताओं को जरूर ध्यान में रखेंगे।' उन्होंने कहा कि उद्योग को सुरक्षित रखने और फलने-फूलने का मौका देने के लिए 5, 10 या 15 साल की जरूरत हो सकती है। इतना वक्त काफी होगा। जानकारों का कहना है कि अगर सरकार सीमित संख्या में वाहनों को कम शुल्क पर आयात करने की इजाजत देती है तो उन्हें किसी तरह का खतरा महसूस नहीं होना चाहिए। उद्योग को यह बात समझनी होगी। भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों के आयात पर फिलहाल भारी शुल्क लगता है। देश में 40,000 डॉलर यानी करीब 34 लाख रुपये से अधिक कीमत वाली पूरी तरह असेंबल की गई इलेक्ट्रिक कार के आयात पर 100 फीसदी शुल्क वसूला जाता है। 40,000 डॉलर से कम कीमत वाली इलेक्ट्रिक कारों के आयात पर 70 फीसदी शुल्क लगाया गया है।

गीतिका मेहता को निविया इंडिया ने नियुक्त किया नया प्रबंध निदेशक

नई दिल्ली । गीतिका मेहता को त्वचा देखभाल के उत्पाद बनाने वाले ब्रांड निविया इंडिया ने अपना नया प्रबंध निदेशक नियुक्त किया है। निविया इंडिया ने जारी बयान में कहा कि एफएमसीजी क्षेत्र में दो दशक से अधिक का अनुभव रखने वाली मेहता देश में ब्रांड का नेतृत्व करेंगी। अपनी नई भूमिका पर टिप्पणी करते हुए मेहता ने कहा कि जैसा कि हम लगातार विकसित हो रहे त्वचा देखभाल परिदृश्य को देखा करते हैं, मेरा ध्यान नवाचार को आगे बढ़ाने, ग्राहक अनुभव को बढ़ाने और लाखों भारतीयों की पसंद के त्वचा देखभाल ब्रांड के रूप में निविया की स्थिति को और मजबूत करने पर होगा।' बता दें कि निविया का स्वामित्व जर्मनी की बहुराष्ट्रीय कंपनी बीयर्सडोर्फ एजी के पास है, जो त्वचा देखभाल उत्पादों की अग्रणी कंपनी है। इसी तरह किया इंडिया ने ऐलान किया कि वह तत्काल प्रभाव से ग्वांगगु ली को प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्याधिकारी नियुक्त कर रही है। वह ताए जिन पार्क की जगह लेंगे, जो पिछले चार साल से दक्षिण कोरिया की कार निर्माता के भारतीय परिचालन के प्रमुख रहे हैं। कंपनी ने अपने बयान में कहा कि पार्क किया के साथ 36 साल के लंबे सफर के बाद सेवानिवृत्त हो रहे हैं। इधर एयरटेल अफ्रीका ने मुख्य कार्याधिकारी ओलुसेगुन 'सेगुन' ओगुनसान्या के 1 जुलाई से सेवानिवृत्त होने और उनकी जगह सुनील तलदार को देने की घोषणा की। तलदार अक्टूबर, 2023 में निदेशक (बदलाव) के रूप में एयरटेल अफ्रीका का हिस्सा बने थे। वह ओगुनसान्या के साथ मिलकर काम करते हुए सीईओ की भूमिका के लिए खुद को तैयार करेंगे।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 535, निफ्टी 148 अंक नीचे आया

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार बुधवार को भी गिरावट पर बंद हुआ। गत दिवस भी बाजार में गिरावट रही थी। तीसरे कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के बीच ही आईटी और वित्तीय शेयरों में बिकवाली हावी रहने से आई है। इसके अलावा रिलायंस इंडस्ट्रीज और एचडीएफसी बैंक के शेयरों में गिरावट से भी बाजार पर दबाव आया। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 535.88 अंक करीब 75 नीचे आकर 71,356.60 पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार पचास शेयरों वाला एनएसई निफ्टी भी 148.45 अंक तकरीबन 0.69 फीसदी नीचे आकर 21,517.35 पर बंद हुआ।

आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स की कंपनियों में इंडसइंड बैंक के शेयर में सबसे ज्यादा 1.63 फीसदी की गिरावट रही। वहीं आईटीसी, भारती एयरटेल, स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया, एक्सिस बैंक, आईसीआईसीआई बैंक सहित 10 कंपनियों के शेयर ऊपर आये। इसके अलावा जेएसडब्लयू स्टील के शेयर सबसे ज्यादा 3.76 फीसदी टूटे। वहीं टाटा स्टील, इन्फोसिस, विप्रो, टेक महिंद्रा, टीसीएस, नेस्ले इंडिया, एचसीएल टेक और रिलायंस इंडस्ट्रीज व एचडीएफसी बैंक सहित 20 कंपनियों के शेयरों में गिरावट दर्ज की गयी।

इससे पहले आज सुबह बाजार की बुधवार को भी कमजोर शुरुआत हुई। बीएसई सेंसेक्स 210 अंक गिरकर 71,680 पर खुला और एनएसई निफ्टी-50 भी 48 अंक की गिरावट के साथ 21,618 पर आ गया। आज सुबह इंफोसिस, विप्रो, एचसीएल टेक, टाटा स्टील, टेक एम, जेएसडब्ल्यू स्टील और एक्सिस बैंक और हिंडाल्को के शेयरों में गिरावट रही। वहीं दूसरी ओर आईटीसी, बजाज फिनसर्व, डॉ. रेड्डीज, ओएनजीसी, नेस्ले और एमएंडएम के शेयरों को लाभ हुआ। वहीं अदाणी ग्रुप की कंपनियों अदाणी पोर्ट्स, अदाणी एनर्जी, अदाणी विल्मर और अदाणी टोटल गैस के शेयर भी 12 फीसदी ऊपर आये हैं। आज सुबह व्यापक बाज़ारों में मिला-जुला कारोबार हुआ। बीएसई मिडकैप इंडेक्स 0.3 फीसदी गिरा जबकि स्मॉलकैप सपाट रहा।

वोडाफोन-आइडिया ने स्टारलिंक के साथ साझेदारी से किया इनकार

नई दिल्ली । प्राइवेट क्षेत्र की दूरसंचार कंपनी वोडाफोन-आइडिया (वी) ने स्टारलिंक से साझेदारी पर इनकार कर दिया है। कंपनी ने बयान जारी कर कहा कि अरबपति कारोबारी एलन मस्क की सैटेलाइट इंटरनेट कंपनी स्टारलिंक के साथ साझेदारी के लिए किसी तरह की बातचीत नहीं हो रही है। इस बयान के बाद कर्ज में डूबी कंपनी के पुनर्रुद्धार की उम्मीदों पर भी पानी फिर गया, जिस कारण पहले उसके शेयरों में तेजी आई थी। कंपनी का यह बयान ऐसे समय आया है जब मी डिया में खबर प्रकाशित की गई थी कि मस्क की स्टारलिंक भारतीय दूरसंचार क्षेत्र में कदम रखने के लिए वोडाफोन आइडिया के साथ गठजोड़ कर सकती है। वोडाफोन आइडिया ने बंबई स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) को दी सूचना में जोर देकर कहा है कि वह बाजार सूचीबद्धता संबंधी सेबी प्रावधानों का पालन करेगी और स्टॉक एक्सचेंजों को मूल्य संबंधी सभी संवेदनशील जानकारियों से अवगत कराती रहेगी। इसी वजह से कंपनी ने बयान जारी कर रहा है, 'इस मामले में हमारा कहना है कि संबंधित पक्ष के साथ हमारी ऐसी कोई चर्चा नहीं चल रही है। हमें नहीं पता कि इस तरह की खबरें कहां से आ रही हैं।' वोडाफोन-आइडिया के शेयर में 21 फीसदी की उछाल आने के बाद शुक्रवार को यह खबर प्रकाशित हुई थी। सोमवार को फिर से कंपनी के शेयर 6 फीसदी चढ़ गए, जो पिछले करीब दो साल में कंपनी के लिए सबसे बढ़िया कारोबारी सत्र रहा। ले किन कंपनी की ओर से स्पष्टीकरण जारी किए जाने के बाद वोडा-आइडिया का शेयर 5 फीसदी से अधिक लुढ़क गया है।

बजाज फाइनेंस लिमिटेड ने 8.85 प्रतिशत तक के डिजिटल फिक्स्ड डिपॉजिट अनुभव के साथ नए साल का उत्साह बढ़ाया

बजाज फिनसर्व की ऐप और वेबसाइट के माध्यम से बुक की गई डिपॉजिट पर तुलनात्मक रूप से 8.85 प्रतिशत की उच्च दर की पेशकश

पुणे ।

देश के सबसे बड़े वित्तीय सेवा समूहों में से एक, बजाज फिनसर्व का हिस्सा, बजाज फाइनेंस लिमिटेड ने आज डिजिटल फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) लॉन्च करने की घोषणा की, जो इसके ऐप और वेबसाइट के माध्यम से बुक की गई डिपॉजिट पर 8.85% तक की विशेष दरें उपलब्ध कराता है।

साल के अंत के साथ, डिजिटल एफडी ग्राहकों को डिपॉजिट बुक करने के लिए डिजिटल एवं असिस्टेड डिजिटल मोड का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित करके बचत के अनुभव को रूपांतरित करता है। बजाज फिनसर्व ऐप और वेबसाइट का सफ़र सरल, सुरक्षित और निर्बाध है जिसमें लगभग तुरंत एफडी बुकिंग की जा सकती है। 2 जनवरी, 2024 से प्रभावी, बजाज फाइनेंस वरिष्ठ नागरिकों को बजाज फिनसर्व ऐप और वेब पर बुक की गई एफडी में 42 महीने की अवधि के लिए 8.85 प्रतिशत प्रति वर्ष तक की ब्याज दर प्रदान कर रहा है।

60 वर्ष से कम उम्र के जमाकर्ता प्रति वर्ष 8.60 प्रतिशत तक कमा सकते हैं। संशोधित दरें 42 महीने की अवधि के लिए 5 करोड़ रुपये तक की नई जमा और परिपक्व होने वाली जमाराशियों के नवीनीकरण पर लागू होंगी।

बजाज फाइनेंस के फिक्स्ड डिपॉजिट और निवेश प्रमुख सचिन सिक्का ने कहा, हमारी बाधारहित प्रक्रियाएं, आकर्षक ब्याज दरें और ग्राहक अनुकूल नीतियां बजाज फाइनेंस एफडी के साथ उपभोक्ता के अनुभवों को और बेहतर बनाती हैं।

2 वर्षों में हमारी डिपॉजिट बुकिंग में 2 गुना वृद्धि भी बजाज ब्रांड पर ग्राहकों के भरोसे का प्रमाण है। हमारे एफडी अब जमाकर्ताओं को डिजिटल-फर्स्ट सोचने में सक्षम बनाते हैं। इसे एक सरल एंड-टू-एंड डिजिटल सफ़र के रूप में बनाया गया है, जिसमें विशेष रूप से बजाज फिनसर्व ऐप और वेब पर उच्च ब्याज दरें उपलब्ध हैं।

यह एफडी खोलने के अनुभव को डिजिटल युग में लाता है। 30 सितंबर, 2023 तक बजाज फाइनेंस के ऐप प्लेटफॉर्म पर 44.68 मिलियन नेट उपयोगकर्ताओं के साथ 76.56 मिलियन ग्राहक जुड़े हैं। data.io की रिपोर्ट के अनुसार बजाज फिनसर्व ऐप भारत में प्लेस्टोर पर वित्तीय क्षेत्र में 4था सबसे अधिक डाउनलोड किया जाने वाला ऐप है।

सोने, चांदी की कीमतें घटीं

नई दिल्ली । घरेलू बाजार में बुधवार को सोने-चांदी की कीमतों में गिरावट आई है। सोने के वायदा भाव की आज मिश्रित शुरुआत हुई। सोने के वायदा भाव में जहां बढ़त रही, वहीं चांदी के वायदा भाव में कमजोरी रही। आज सुबह चांदी के वायदा भाव 74 रुपये से नीचे खुलने के बाद 74 हजार रुपये से ऊपर कारोबार कर रहे हैं। वहीं सोने के वायदा भाव 63,300 रुपये के करीब कारोबार कर रहे हैं। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव में भी कमी आई। इसके अलावा मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क फरवरी अनुबंध आज एक रुपये की बढ़त के साथ 63,258 रुपये के भाव पर खुला। यह 63,331 रुपये के भाव पर दिन के उच्च स्तर और 63,257 रुपये के भाव पर दिन के निचले स्तर पर आया। वहीं पिछले साल दिसंबर महीने में ही सोने के वायदा भाव 64,063 रुपये के शीर्ष स्तर पर पहुंचे थे। चांदी के वायदा भाव की शुरूआत आज कमजोर रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मार्च अनुबंध 124 रुपये की गिरावट के साथ 73,971 रुपये के भाव पर खुला। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। कोमेक्स पर सोना 2,067.89 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। वहीं कोमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 23.88 डॉलर के भाव पर खुले।

पर्यटन का खास मुकाम डल झील

डल झील श्रीनगर, कश्मीर में तो प्रसिद्ध है ही लेकिन दुनिया भर के सैलानियों के लिए भी यह पर्यटन का एक खास मुकाम है। कहा जाता है कि इसमें स्त्रोतों से जल आता है एवं यह झाल खुद ही कश्मीर घाटी में काफी झीलों से जुड़ी हुई है।

यह दुनिया भर में शिकारों या हाऊस बोट के लिए जानी जाती है और सैलानी खासतौर पर इनका आनंद लेने के लिए यहां आते हैं। यह 18 किलोमीटर क्षेत्र में फैली हुई है। तीन दिशाओं से पहाड़ियों से घिरी डल झील जम्मू कश्मीर की दूसरी सबसे बड़ी झील मानी जाती है और भारत की सबसे सुंदर झीलों में इसे शामिल किया जाता है। पर्यटक जम्मू-कश्मीर आएं और डल झील देखने न जाएं ऐसा हो ही नहीं सकता।

डल झील के पास ही मुगलों के सुंदर एवं प्रसिद्ध पुष्प वाटिका से झील की आकृति और उभरकर सामने आती है। मुख्य रूप से इस झील में मछली का काम होता है। डल झील के मुख्य आकर्षण का केंद्र हैं यहां के हाउसबोट। सैलानी इन हाउसबोटों में रहकर इस खूबसूरत झील का आनंद उठा सकते हैं।

झील, कश्मीर की घाटियों की अन्य धाराओं के साथ मिल जाती है। झील के चार जलाशय हैं गगरीबल, लोकुट डल, बोड डल तथा नागिन। लोकट डल के मध्य में रूप लंक द्वीप स्थित है, तथा बोड डल जलधारा के मध्य में सोना लंक स्थित है। वनस्पति डल झील की खूबसूरती को और निखार देती है। कमल के फूल, पानी में बहती कुमुदनी, झील की सुंदरता को दुगुना कर देती है।

सैलानियों के लिए झील के सौंदर्य के अलावा भी विभिन्न प्रकार के मनोरंजन के साधन यहां पर उपलब्ध हैं। जैसे कि कायाकिंग, केनोइंग डोंगी पानी पर सर्फिंग करना व ऐंगलिंग मछली पकड़ना आदि से सफर और ज्यादा रोमांचक हो जाता है। कश्मीर के प्रसिद्ध विश्वविद्यालय झील के तट पर स्थित है। हाउसबोट में रहकर सैलानी इस झील के खूबसूरत वातावरण से भावविभोर हो जाते हैं।

शिकारे के माध्यम से सैलानी नेहरूपार्क, कानुटूर खाना, चारचिनारी, कुछ द्वीप जो यहां पर स्थित हैं, उन्हें देख सकते हैं। श्रद्धालुओं के लिए हजरतबल तीर्थस्थल के दर्शन करे बिना उनकी यात्रा अधूरी रह जाती है। शिकारे के माध्यम से श्रद्धालु इस तीर्थस्थल के दर्शन कर सकते हैं। एक शिकारे पर सवार होकर विभिन्न प्रकार की कश्मीरी चीजें भी खरीद सकते हैं और दुकानें भी शिकारे पर ही लगी होती हैं। यह मात्र खरीददार तक ही सीमित नहीं है, परन्तु एक रोमांचित कर देने वाला खेल भी होगा।

कैसे जाएं: यदि पर्यटक डल झील पहुंचना चाहते हैं, तो श्रीनगर जिले से 25 किलोमीटर की दूरी पर बडगाम जिले में स्थित एयरपोर्ट पर पहुंच सकते हैं। नजदीक रेल सेवा जम्मू में स्थित है, तथा वहां का नेशनल हाईवे एनएचए कश्मीर घाटी को देश के अन्य भागों से जाड़ता है। इन पहाड़ी इलाकों पर यात्रा करने के लिए दस से बारह घंटे लगते हैं। इस सफर के दौरान पर्यटक यहां के प्रसिद्ध जवाहर टनल को निहार सकते हैं।

धर्मशाला में उठायें बर्फली पहाड़ियों का रोमांच

पहाड़ियों में चीड़ व देवधर के घने जंगलों और बर्फ को करीब से देखने का अनुभव धर्मशाला में मिलता है। यहां सीधे-सादे और बौध धर्म के बिरले चिन्ह भी यहां आसानी से देखने को मिलते हैं। धर्मशाला में झरने व सुहाने नजारे इस जगह को सभी की पसंद बनाते हैं। हालांकि अब यहां तिब्बत के लोग ज्यादा रहते हैं, लेकिन ब्रिटिश काल का प्रभाव इस छोटे शहर पर आज भी महसूस किया जा रहा है।

खूबसूरत पहाड़ी शहर धर्मशाला को यूं तो अंग्रेजों ने बसाया था, लेकिन अब तिब्बतियों की संख्या ज्यादा होने से इस पर वहां के कल्चर का इतना प्रभाव पड़ा है कि इसे लिटल ल्हासा के नाम से जाना जाता है। हिमाचल प्रदेश में धौलाधर की पहाड़ियों में बसा धर्मशाला देश-विदेश के सैलानियों का पसंदीदा हिल स्टेशन है। इसे साल 1855 में अंग्रेज ने इसे बसाया था। दरअसल, यह उन 80 रिजॉर्ट्स में से था, जिन्हें अंग्रेजों ने गर्मी से बचने के लिए तैयार करवाया था।

गद्दी, तिब्बती, टेकर्स, टूरिस्ट और लोकल वेंडर्स, सब मिलकर निचले धर्मशाला यानी कोतवाली बाजार में एक अलग ही माहौल बनाते हैं। यह जगह समुद्र तल से 1250 मीटर की ऊंचाई पर है। लोगों का खूब आना-जाना होने की वजह से यहां खासी हलचल रहती है। समुद्र तल से 1768 मीटर की ऊंचाई पर बसे ऊपरी धर्मशाला यानी मैकलॉडगंज में दलाई लामा का निवास है। दोनों जगह की दूरी 10 किलोमीटर है। जहां तक घूमने की बात है, तो धर्मशाला में आपको अडवेंचरस व स्प्रिचुअल माहौल मिलेगा। ठंडी पहाड़ी हवाओं में गूंजती प्रार्थनाओं की आवाजें मन को एक ठहराव देती हैं। ऐसे में बेशक धर्मशाला जाना दलाई लामा से मुलाकात के बिना अधूरा है और यकीन मानिए इस माहौल में उनका साथ किसी भी इंसान को कुछ देर के लिए एक अलग ही दुनिया में ले जाता है। वैसे,धर्मशाला की तमाम मोनेस्ट्रीज एक बार देखने लायक जरूर है और अलग-अलग समाधियों में भगवान बुद्ध की तांबे की प्रतिमाएं भी दर्शनीय हैं। अब जब इतना कुछ एक ही जगह पर मौजूद है तो देश-विदेश के पर्यटकों का सहज ही धर्मशाला की ओर खिंचे आना हैरानी की बात नहीं है। अगर आप मेडिटेशन करते हैं तो यहां के तुशिता मेडिटेशन सेंटर में मोंक्स द्वारा दी जाने वाली क्लासेज जॉइन

धौलधार की पहाड़ियों में ट्रैकिंग व रॉक क्लाइबिंग जाने के लिए धर्मशाला शुरूआती पॉइंट है। यहां कई नदियों व झरनों में एंगलिंग व फिशिंग का मजा लिया जा सकता है। यहां का नजदीकी एयरपोर्ट गगला है, जिसकी यहां से दूरी 13 किलोमीटर है।

की जा सकती है। यहां आपको साफ-सुथरे आवास की सुविधा भी मिलेगी। मेडिटेशन सीखने के बाद नेचुंग मोनेस्ट्री में 3किलोमीटर बना म्यूजियम देख सकते हैं। नोबरलिंगा इंस्टीट्यूट में आप नए आर्टिस्ट्स को थंगका पेंटिंग्स सीखते देख सकते हैं। अगर आप दाल, चावल, रोटी और सैंडविच खाकर बोर हो गए हैं तो यहां आप बेहतरीन तिब्बती खाने का मजा ले सकते हैं।

यहां के कई रेस्तरांओं में आपको लजीज मोमोज व थुक्पा खाने को मिलेंगे। खाने का लुत्फ लेने के बाद आप लंबी वॉक, ट्रेकिंग और खूबसूरत नजारों में पिकनिक का मजा ले सकते हैं। यहां से 8 किलोमीटर आगे आपको ब्रिटिश राज का मेमोरियल चर्च ऑफ सेंट जॉन-इन-द विल्डरनेस देख सकते हैं। इसे ब्रिटिश वायसरॉय लॉर्ड एलगिन के नाम पर बनाया गया है। निचले धर्मशाला में बना कांगड़ा आर्ट म्यूजियम कांगड़ा के सालों पुराने इतिहास को दिखाता है।

म्यूजियम की एक गैलरी में आपको कांगड़ा की मशहूर पेंटिंग्स, स्कल्पचर्स, मिट्टी के बर्तन और एंथ्रोपॉलजी से जुड़ी तमाम चीजें देखने को मिलेंगी। धर्मशाला के एंट्री पॉइंट पर आपको एक वॉर मेमोरियल देखने को मिलेगा, जिसे स्वतंत्रता की लड़ाई में शहीद होने वाले जवानों की याद में बनवाया गया है। धर्मशाला में धर्मकोट व डल लेक जैसे पिकनिक स्पॉट्स भी हैं और यहां सितंबर के महीने में हर साल एक बड़ा मेला भी लगता है।

इसी के पास भगसुनाथ की श्राइन भी है। इस पुराने मंदिर के पास से बहते ताजे पानी से झरने इस जगह को एक अलौकिक नजारा बना देते हैं। देवी कुणान पथरी को समर्पित मंदिर, ततवानी के गर्म पानी के झरने और मछरैल के बड़े वॉटरफॉल भी देखने लायक जगहें हैं। अगर वुड वर्क में दिलचस्पी रखते हैं तो नॉरबुलिंका इंस्टीट्यूट जरूर जाएं। यहां हो रहे काम की आर्ट को देखकर निश्चित तौर पर आप हैरान रह जाएंगे। स्वामी चिन्मानंद द्वारा बनाया गया चिन्मय तपोवन भी एक दर्शनीय जगह है। बिंदु सारस के किनारे बसे इस आश्रम में आपको नौ मीटर ऊंची हनुमान जी की मूर्ति, राम मंदिर, मेडिटेशन हॉल वगैरह दिखेंगे।

धौलधार की पहाड़ियों में ट्रैकिंग व रॉक क्लाइबिंग जाने के लिए धर्मशाला शुरूआती पॉइंट है। यहां कई नदियों व झरनों में एंगलिंग व फिशिंग का मजा लिया जा सकता है। यहां का नजदीकी एयरपोर्ट गगला है, जिसकी यहां से दूरी 13 किलोमीटर है। यहां से नजदीकी रेलवे स्टेशन पठानकोट है, जहां से धर्मशाला 85 किलोमीटर की दूरी पर है। सड़क मार्ग से यहां चंडीगढ़, कीरतपुर और बिलासपुर होते हुए पहुंचा जा सकता है। तिब्बती नए साल यानी मार्च के आस-पास यहां बहुत टूरिस्ट आते हैं। वैसे, मई से अक्टूबर के बीच ट्रैकिंग सीजन रहता है। धर्मशाला में हैंडीक्राफ्ट मसलन तिब्बती कार्पेट, टेक्स्टाइल, ट्रडिशनल, हैट्स, बैग्स, ट्राउजर्स, मेटलवर्क, जूलरी, जैकेट व हाथ से बने कार्डिगन आदि के शौकीनों के लिए ढेर सारी जगहें हैं।

महुआ मोइत्रा पर पूर्व प्रेमी ने लगाया जासूसी करवाने का आरोप

-मुश्किल में मोइत्रा की और बढ़ेंगी मुश्किलें?

नई दिल्ली ।पश्चिम बंगाल से तृणमूल कांग्रेस की पूर्व सांसद महुआ मोइत्रा पर उनके पूर्व प्रेमी ने जासूसी करवाने का आरोप लगाया है। उन्होंने इसके लिए सीबीआई जांच की मांग की है। इस तरह से महुआ अब एक नए विवाद में घिरती नजर आ रही हैं। संसद में सवाल पूछने के बदले पैसे लेने के मामले में लोकसभा सदस्यता गंवा चुकीं मोइत्रा पर वरिष्ठ अधिवक्ता जय अनंत देहाद्राई ने बंगाल पुलिस की मदद से अवैध निगरानी करवाने का आरोप लगाया है। दरअसल देहाद्राई ने ही मोइत्रा पर सवाल के बदले पैसे लेने के आरोप लगाए थे, जिसके चलते उन्हें लोकसभा की सदस्यता से हाथ धोना पड़ा था। सीबीआई और गृह मंत्रालय को दिए एक शिकायत में सुप्रीम कोर्ट के वकील ने आरोप लगाया कि मोइत्रा ने अवैध रूप से अपने पूर्व प्रेमी के कॉल डिटेल रिकॉर्ड (सीडीआर) प्राप्त किए थे, क्योंकि उन्हें शक था कि उसका एक जर्मन महिला से अफेयर चल रहा था। यह महिला एक बड़ी सोशल मीडिया कंपनी की वरिष्ठ अधिकारी बताई जा रही है। अधिवक्ता देहाद्राई ने अपनी शिकायत में कुछ चैट के स्क्रीनशॉट और एक कथित सीडीआर सूची संलग्न करते हुए कहा कि मुझे यह जानकर हैरानी हुई कि मोइत्रा के पास बंगाल के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों की मदद से उसके पूर्व प्रेमी का पूरी सीडीआर हिस्ट्री थी, जिसमें उसे उन लोगों के बारे में सटीक जानकारी थी जो उसके पूर्व प्रेमी के संपर्क में थे। देहाद्राई ने अपनी जान को खतरा जताते हुए कहा कि इसमें दिन के चौबीसों घंटे उनके फोन के सटीक लोकेशन की भी जानकारी थी। उनके पास यह मानने के बड़े मजबूत कारण हैं कि मोइत्रा उन पर अवैध निगरानी रखने के लिए बंगाल पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ अपने संपर्कों का इस्तेमाल कर रही थीं। इधर ताजा आरोपों और सीबीआई जांच की मांग का जवाब देते हुए महुआ मोइत्रा ने सोशल मीडिया साइट एक्स पर लिखा कि मैं गृह मंत्रालय से आग्रह करती हूं कि भारत के सभी एक्स बॉयफ्रेंड्स की शिकायतों की जांच के लिए विशेष सीबीआई निदेशक नियुक्त किया जाए। इस शिकायत पर सभी पीपिंग टॉम्स सीसीडी के शहंशाह को देखकर खुशी हुई। उन्होंने गुजरात में अपने साहब की सुरक्षा के लिए अपने निगरानी कौशल को निखारा। इसकी तह तक भी जा सकते हैं।

बाबरी मस्जिद मामले में गिरफ्तारी को लेकर बीजेपी का प्रदर्शन, हिंदुओं के खिलाफ साजिश करार दिया

बेंगलुरु। कर्नाटक में भाजपा कार्यकर्ताओं ने बुधवार को 1992 में बाबरी मस्जिद विध्वंस के बाद हुए दंगों में शामिल एक व्यक्ति की गिरफ्तारी के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। यह विरोध हुबली में आयोजित किया गया था, जहां 50 वर्षीय आरोपी पुजारी को सोमवार को गिरफ्तार किया गया था। विरोध के मद्देनजर पुलिस ने कहा कि उन्होंने हुबली और राज्य के अन्य हिस्सों में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी है। पार्टी द्वारा बुलाए गए विरोध प्रदर्शन को देखते हुए हमने विरोध स्थल और उसके आसपास व्यापक इंतजाम किए हैं। अवैध शराब, दंगे और अन्य मामलों से संबंधित लगभग 13 मामले उठाए गए हैं। पुजारी को उत्तर प्रदेश में बाबरी मस्जिद के विध्वंस के 31 साल बाद सोमवार को गिरफ्तार किया गया था, जिसके परिणामस्वरूप देशव्यापी दंगे हुए थे। कर्नाटक पुलिस ने दावा किया कि गिरफ्तारी एक नियमित अभियान था और उसे अब तक गिरफ्तार नहीं किया गया था क्योंकि उसके मामले को लंबे समय से लंबित बताया गया था। भाजपा ने कांग्रेस के नेतृत्व वाली कर्नाटक सरकार पर हिंदू कार्यकर्ताओं को निशाना बनाने का आरोप लगाया और गिरफ्तारी को हिंदुओं के खिलाफ साजिश करार दिया।

नए साल में मिली खुशखबरी, कूनो नेशनल पार्क में गूंजी चीता शावकों की किलकारी

नई दिल्ली। स्थानांतरित नामीबियाई चीतों में से एक 'आशा' ने मध्य प्रदेश के कुनो राष्ट्रीय उद्यान में तीन शावकों को जन्म दिया। इस घटनाक्रम को केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेन्द्र यादव ने साझा किया, जिन्होंने एक्स पर नवजात शावकों का एक दिल छू लेने वाला वीडियो पोस्ट किया। उन्होंने एक्स पोस्ट में लिखा कि यह बताते हुए खुशी हो रही है कि कूनो नेशनल पार्क ने तीन नए सदस्यों का स्वागत किया है। शावकों का जन्म नामीबियाई चीता आशा से हुआ है। यह परियोजना चीता के लिए एक बड़ी सफलता है, जिसकी परिकल्पना पीएम नरेंद्र मोदी जी ने पारिस्थितिक संतुलन को बहाल करने के लिए की थी। केंद्रीय मंत्री ने आगे लिखा कि परियोजना में शामिल सभी विशेषज्ञों, कुनो वन्यजीव अधिकारियों और भारत भर के वन्यजीव उत्साही लोगों को मेरी ओर से बहुत-बहुत बधाई। मार्च 2023 में, एक और चीता, सियाया, जिसे बाद में ज्वाला नाम दिया गया, ने चार शावकों को जन्म दिया था। हालाँकि, उनमें से केवल एक ही जीवित बचा। ज्वाला को भी नामीबिया से केएनपी में स्थानांतरित किया गया था। 21 दिसंबर को, वन अधिकारियों ने मध्य प्रदेश के कुनो-पालपुर राष्ट्रीय उद्यान में एक और स्थानांतरित अफ्रीकी चीता को जंगल में फिर से पेश किया। यह बाड़ों से बाहर निकलने वाली चौथी बड़ी बिल्ली थी, जहां जानवरों को जुलाई-अगस्त में ही सीमित कर दिया गया था क्योंकि मौतों की एक श्रृंखला ने मोदी सरकार की महत्वाकांक्षी परियोजना चीता पर संदेह पैदा कर दिया था।

कैदियों को जाति के आधार पर दिया जाता है काम, सुप्रीम कोर्ट में याचिका के बाद महाराष्ट्र समेत 11 राज्यों को नोटिस

मुंबई। देश की कई जेलों में कैदियों को उनकी जाति के आधार पर नौकरी दी जाती है, इसको लेकर सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की गई थी. इसके आधार पर कोर्ट ने केंद्र सरकार और महाराष्ट्र समेत 11 राज्यों को नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण देने का आदेश दिया है. महाराष्ट्र के साथ-साथ उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, मध्य प्रदेश, हरियाणा, तेलंगाना, पंजाब, केरल राज्य सरकारों को नोटिस जारी किया गया है। कोर्ट ने कहा कि नोटिस तामील कराते वक्त कैदी के साथ भेदभाव नहीं किया जा सकता. सूत्रों ने बताया कि न्यायमूर्ति डी.वाई चंद्रचूड़, जे. बी.पारदीवाला और मनोज मिश्रा की पीठ ने वरिष्ठ वकील एस. मुरलीधर के बयान पर संज्ञान लिया. मुरलीधर ने कोर्ट में याचिका पर बहस करते हुए कहा कि 11 राज्यों की कई जेलों में काम के बंटवारे और जाति के आधार पर भेदभाव होता है. कैदियों का स्थान जाति के आधार पर तय किया जाता है। कोर्ट के समक्ष जानकारी पेश की गई कि उनके साथ इसी तरह का व्यवहार किया जा रहा है. कोर्ट ने इस संबंध में सारी जानकारी जुटाने का निर्देश दिया है और इस पर 4 हफ्ते बाद सुनवाई होगी. सॉलिसिटर जनरल ने कहा कि जाति के आधार पर भेदभाव की बात सुनने में नहीं आई है. केवल विचाराधीन कैदियों और दोषियों को बाहर रखा गया है। इसमें उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, मध्य प्रदेश, झारखंड, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, पंजाब, ओडिशा, केरल और तमिलनाडु शामिल हैं।

5 करोड़ खपाने के बाद, 50 लाख के नकली नोट के साथ 3 लोग गिरफ्तार

बदायूं । देशभर में बड़ी तादाद में नकली नोट मिलने का सिलसिला जारी है। यूपी के बदायूं से 50 लाख के नकली नोट के साथ दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। बताया जा रहा है कि उन्होंने बीते पांच साल में पांच करोड़ के नकली नोट बाजार में खपा दिए हैं। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार तीनों आरोपी बदायूं के ही रहने वाले हैं। इनके पास से तकरीबन 50 लाख रुपए के नकली नोट बरामद किए हैं। तीनों आरोपी 500-500 के नकली नोट बाजार में खपाने जा रहे थे। इतना ही नहीं बल्कि ये बीते पांच सालों में पांच करोड़ के नकली नोट बाजार में चला चुके हैं। आरोपियों में से एक अंडर-ट्रेनिंग बीयूएमएस डॉक्टर और एक सीएससी सेंटर का मालिक बताया जा रहा है। खु?फिया जानकारी के मुताबिक दिल्ली पुलिस को कुछ दिनों पहले सूचना मिली थी कि एक आसिफ नाम का युवक बाजार में नकली नोट का कारोबार चला रहा है। इसके बाद पुलिस ने उसकी तलाश तेज कर दी थी। इस बीच पुलिस को जानकारी मिली कि आसिफ बड़ी मात्रा में नकली नोट लेकर दिल्ली के अक्षरधाम मेट्रो स्टेशन के पास पहुंच रहा है। इसके बाद पुलिस ने आरोपी को पकड़ने के लिए ट्रैप लगाया। आरोपियों को रविवार रात करीब 10 बजे गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने आसिफ की गाड़ी टीयूवी की जांच की, तो उसमें 500-500 के लगभग 50 लाख के नकली नोट मिले।

नीतीश कुमार बन सकते हैं इंडिया गठबंधन के संयोजक, तेजस्वी को होगा सियासी फायदा

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार इन दिनों काफी चर्चा में है। माना जा रहा है कि उन्हे इंडिया गठबंधन का संयोजक बनाया जा सकता है। इसका एलान आज बुधवार को हो रही इंडिया गठबंधन की बैठक में इसका एलान हो सकता है। इससे माना जा रहा है कि नीतीश के संयोजक बनने से जहां गठबंधन को फायदा होगा वहीं,लालू के लाल तेजस्वी यादव का सीएम बनने का रास्ता साफ हो जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी के विजयी रथ को रोकने के लिए तैयार विपक्षी दलों के इंडिया गठबंधन के घटक दलों के बीच लोकसभा चुनावों के लिए सीट बंटवारे पर बातचीत चल रही है। बुधवार को एक वर्चुअल बैठक होने की उम्मीद है, जिसमें बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को गठबंधन का राष्ट्रीय संयोजक नियुक्त किया सकता है। वहीं, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को इंडिया गठबंधन का अध्यक्ष या चेयरपर्सन नियुक्त किए जाने की भी चर्चा है।

एक कांग्रेस नेता ने कहा, राहुल गांधी एक महत्वपूर्ण यात्रा पर निकल रहे हैं, हम यात्रा की गति को जारी रखना चाहते हैं। अगर नीतीश कुमार भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए में चले जाते हैं तो विपक्ष को एकजुट करने का प्रयास विफल हो जाएगा। इंडिया गठबंधन के अधिकांश सदस्य इस बात से चिंतित हैं। हालांकि उन्होंने कहा कि कांग्रेस राष्ट्रीय अध्यक्ष या चेयरपर्सन का पद खड़गे के पास रखकर गठबंधन में अग्रणी पार्टी के रूप में अपनी प्रधानता बनाए रखेगी। आरजेडी शुरू में नीतीश कुमार को इंडिया गठबंधन में संयोजक का पद पाने के लिए उत्सुक नहीं थी, लेकिन अब उसने भी इस पर विचार करना शुरू कर दिया है। आरजेडी को उम्मीद है कि बिहार के मुख्यमंत्री का राष्ट्रीय राजनीति पर अधिक ध्यान केंद्रित करने से बिहार की बागडोर तेजस्वी यादव के हाथों में आ सकती है। पार्टी के एक नेता ने कहा, राजद पर कुछ समय से जदयू खेमे की ओर से एक साथ चुनाव के लिए नीतीश कुमार के विचार पर सहमत होने के लिए दबाव है। नीतीश कुमार राजद को यह समझाने की कोशिश कर रहे हैं कि अगर विधानसभा चुनाव लोकसभा चुनाव के साथ हुए तो महागठबंधन न केवल लोकसभा चुनाव में शानदार जीत हासिल कर सकता है।

इंडिया गठबंधन के एक सूत्र ने कहा, लालू प्रसाद, कांग्रेस और वाम दलों के साथ नीतीश कुमार 25-30 सीटें जीतने की स्थिति में हैं। चूंकि नीतीश विपक्षी एकता के प्रमुख प्रेरक थे, इसलिए उन्हें उचित महत्व दिया जाना चाहिए। अगर उन्हें संयोजक बनाया भी गया तो इसका मतलब यह नहीं कि वह पीएम पद के उम्मीदवार हैं।हालांकि जेडीयू ने आधिकारिक तौर पर नीतीश कुमार को गठबंधन का संयोजक नियुक्त किए जाने की संभावना के बारे में चुप्पी साध रखी है। पार्टी के मुख्य राष्ट्रीय प्रवक्ता केसी त्यागी ने कहा, हमने कांग्रेस की तरफ से इस विषय पर कुछ नहीं सुना है। लेकिन हम ऐसे किसी भी कदम का स्वागत करेंगे। खड़गे को अगर अध्यक्ष बनाया जाता है तो यह एक अच्छा कार्ड साबित होगा क्योंकि वह दलित हैं।

सीएम केजरीवाल का आदेश...ईडी अपना समन वापस लो

-भाजपा का आरोप आजाद भारत में पहली बार हुआ ऐसा

नई दिल्ली। भाजपा राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने ईडी द्वारा भेज गए तीसरे नोटिस के बावजूद जांच एजेंसी के सामने पेश होने की बजाय ईडी को समन वापस लेने का पत्र लिखने के लिए सीएम अरविंद केजरीवाल की आलोचना कर कहा कि आजाद भारत के इतिहास में ऐसा कभी नहीं हुआ होगा कि किसी ने जांच एजेंसी को कहा हो कि मैं तुम्हें आदेश देता हूं कि अपना समन वापस लो। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता भाटिया ने कहा कि जो केजरीवाल यह कहते हुए राजनीति में आए थे कि अगर किसी पर आरोप लगे तब उस तुरंत इस्तीफा दे देना चाहिए, वहीं केजरीवाल आज ईडी को समन वापस लेने को कह रहे हैं। भाटिया ने कहा कि ईडी उन्हें नवंबर 2023 में जब पहला समन भेजती है, तब वे पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव का बहाना बना लेते हैं। जब दूसरा समन दिसंबर 2023 में भेजा गया तब उन्होंने विपश्यना योग का बहाना बना लिया। फिर उन्हें जब तीसरा समन भेजा गया और यह उम्मीद की जा रही थी कि अगर कानून के प्रति उनके मन में सम्मान जीवित हैं और उनमें थोड़ी भी मर्यादा बची है, तब वे ईडी के सामने जाकर, सारे सवालों के जवाब दें, क्योंकि अगर उन्होंने बेईमानी नहीं की है, तब फिर डरना कैसा? लेकिन ईडी के सामने पेश होने की बजाय वे पत्र लिखकर समन वापस लेने को कह रहे हैं।

फिलहाल लागू नहीं होगा हिट एंड रन कानून, गृह सचिव ने दिया आश्वासन

-सरकार और ट्रांसपोर्टरों के बीच हुई सुलह, ट्रक ड्राइवरों से हड़ताल वापस लेने की अपील

नई दिल्ली (एजेंसी)। हिट एंड रन कानून फिलहाल लागू नहीं होगा, इसे जब भी लागू करेंगे तो संगठन से चर्चा की जाएगी। इस तरह के आश्वासन के साथ केन्द्रीय गृह सचिव ने ऑल इंडिया मोटर ट्रांसपोर्ट कांग्रेस के प्रतिनिधियों से बातचीत की। इस तरह से हिट एंड रन केस के लिए नए कानून को लेकर सरकार और ट्रांसपोर्टरों में सुलह हो गई है। ऑल इंडिया मोटर ट्रांसपोर्ट कांग्रेस के प्रतिनिधियों और सरकार के बीच हुई बातचीत सफल बताई जा रही है। इधर ट्रांसपोर्ट कांग्रेस ने कहा है कि ट्रक ड्राइवर अपनी हड़ताल वापस लें और काम पर लौट आएं। ट्रांसपोर्ट संगठन ने देशभर के ड्राइवरों से हड़ताल वापस लेने को कहा है। सरकार की तरफ से संगठन को आश्वसान दिया गया है कि फिलहाल कानून को लागू नहीं किया जाएगा और जब भी इसे लागू किया जाएगा तो संगठन से चर्चा की जाएगी। इसके बाद ऑल इंडिया मोटर ट्रांसपोर्ट कांग्रेस ने ड्राइवरों से हड़ताल खत्म करने की अपील की है। देशभर में मोटर व्हीकल एक्ट के अंतर्गत हिट-एंड-रन केस के मामलों के लिए नए कानून का विरोध हो रहा है। देशभर में बड़े वाहनों के ड्राइवर हड़ताल पर हैं और नए कानून को लागू नहीं करने की मांग कर रहे हैं। इसको लेकर मंगलवार शाम को गृह मंत्रालय में केंद्रीय गृह सचिव अजय भल्ला के साथ ट्रांसपोर्ट संगठन की बैठक हुई।

बैठक में आश्वासन मिलने पर संगठन हड़ताल वापस लेने को सहमत हो गया है। ऑल इंडिया मोटर ट्रांसपोर्ट कांग्रेस के चेयरमैन मलकीत सिंह बल ने बताया कि 106 (2) जिसमें 10 साल की सजा है और जुर्माना है, वह कानून लागू नहीं होने देंगे। सभी संगठन की चिंता लेकर हम भारत सरकार के पास पहुंचे। नए कानून में जो 10 साल की सजा और जुर्माना, अभी लागू नहीं है। हम ड्राइवरों को आश्वासन दिलाते हैं कि यह कानून लागू नहीं होने देंगे। हमने अपील की है कि हड़ताल वापस हो। सभी ड्राइवर अपने वाहनों पर वापस लौटें। उन्होंने कहा कि भारतीय न्याय संहिता के मसले पर हमारी मुलाकात और बातचीत हुई, अब हमें कोई दिक्कत नहीं है। सारे मसलों का समाधान हो गया है। नए कानून लागू नहीं हुए हैं। कानून को लागू करने से पहले ऑल इंडिया ट्रांसपोर्ट कांग्रेस से सलाह मशवरा किया जाएगा।

उधर केंद्रीय गृह सचिव अजय भल्ला ने बताया कि ऑल इंडिया मोटर ट्रांसपोर्ट कांग्रेस से दस साल की सजा वाले कानून पर चर्चा हुई है। ये कानून अभी लागू नहीं हुआ है। इसे लागू करने से पहले एआईएमटीसी से चर्चा करेंगे और इसके बाद ये लागू किया जाएगा। ऑल इंडिया मोटर ट्रांसपोर्ट कांग्रेस के अध्यक्ष अमृत लाल मदान ने कहा कि आप सिर्फ ड्राइवर नहीं हैं, हमारे सैनिक हैं। हम नहीं चाहते कि आपको किसी असुविधा का सामना करना पड़े। वहीं केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने दस साल की सजा और जुर्माने कानून को फिलहाल रोक दिया है।

भारत-नेपाल 7वीं संयुक्त आयोग बैठक, काठमांडू पहुंचे विदेश मंत्री जयशंकर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर द्विपक्षीय संयुक्त आयोग की बैठक की सह-अध्यक्षता करने और कनेक्टिविटी और विकास सहित सहयोग के विभिन्न क्षेत्रों पर नेपाली नेतृत्व के साथ बातचीत करने के लिए 4-5 जनवरी को नेपाल का दौरा करेंगे। इस यात्रा का उद्देश्य भारत की पड़ोसी प्रथम नीति के तहत दोनों देशों के बीच घनिष्ठ और मैत्रीपूर्ण संबंधों को मजबूत करना है। यात्रा के दौरान बिजली खरीद, कनेक्टिविटी और व्यापार जैसे मुद्दों पर चर्चा होने की उम्मीद है। भारतीय सहायता से पूरी हुई कुछ विकास परियोजनाओं का भी उद्घाटन किया जा सकता है।

विदेश मंत्री एस जयशंकर द्विपक्षीय संयुक्त आयोग की बैठक की सह-अध्यक्षता करने और कनेक्टिविटी से लेकर क्षेत्रों में संबंधों को आगे बढ़ाने के लिए काठमांडू में नेतृत्व के साथ बातचीत करने के लिए 4-5 जनवरी के दौरान नेपाल की वर्ष की अपनी पहली विदेश यात्रा करेंगे। जयशंकर विदेश मंत्री एनपी सऊद के निमंत्रण पर नेपाल का दौरा कर रहे हैं, जो उनके साथ संयुक्त आयोग की सातवीं बैठक की सह-अध्यक्षता करेंगे, जिसे 1987 में स्थापित किया गया था और यह द्विपक्षीय के सभी पहलुओं की समीक्षा करने के लिए दोनों विदेश मंत्रियों के लिए एक मंच के रूप में कार्य करता है।

विदेश मंत्रालय ने बुधवार को यात्रा की घोषणा करते हुए एक बयान में कहा कि यात्रा के दौरान, जयशंकर नेपाल के नेतृत्व से मुलाकात करेंगे और प्रमुख राजनीतिक हस्तियों से मुलाकात करेंगे। नेबरहुड फर्स्ट नीति के तहत नेपाल भारत का प्राथमिकता वाला भागीदार है। बयान में कहा गया कि यह यात्रा दो करीबी और मैत्रीपूर्ण पड़ोसियों के बीच उच्च स्तरीय आदान-प्रदान की परंपरा को ध्यान में रखते हुए है।

स्वागत में पुष्पगुच्छ की जगह लाएं किताबें : रेणुका सिंह

-संसाधनों से वंचित विद्यार्थियों का शिक्षा स्तर बढ़ाने, विधायक ने दिया बल

मनेन्द्रगढ़। (एजेंसी)। भरतपुर सोनहत विधानसभा क्षेत्र की विधायक और पूर्व केंद्रीय राज्यमंत्री रेणुका ने कहा है कि उनके स्वागत में गुलदस्ते की बजाय ऐसी किताबें दी जायें, जिसे बच्चे पढ़ सकें। सोशल मीडिया पर विनम्र अपील लिखते हुए विधायक रेणुका सिंह ने यह गुलदस्ते कुछ देर बाद ही ये मुरझा जाते है। उसकी जगह विद्यार्थियों के लिए उपयोगी किताबें या स्टेशनरी (कॉपी-कलम आदि) दें तो ज्यादा अच्छा होगा। आइए, हम साथ मिलकर ज्ञान का प्रकाश फैलाएं। यह अपील इसलिए भी प्रासंगिक है, क्योंकि प्रदेश के मुखिया विष्णुदेव साय और अन्य मंत्रियों ने कई बार गुलदस्तों की जगह सिर्फ एक फूल देकर स्वागत करने की अपील की और इस अपील का असर धीरे-धीरे हो भी रहा है। स्वागत और मुलाकात में बुके देने की बजाय बुक देने की अपील का मकसद बताते हुए रेणुका सिंह ने बताया कि जब भी लोग मिलने के लिए आते है, तो साथ में फूलों का गुलदस्ता लेकर आते हैं। लेकिन, उनके जाने के कुछ देर बाद ही ये मुरझा जाते है। इसलिए मिलने के लिए आने वाले सभी लोगों से मेरा यह आग्रह है कि आप मुझसे अब जब भी मिलने आएं तो कृपया फूल या बुके लेकर न आएं। उसकी जगह विद्यार्थियों के लिए उपयोगी किताबें या स्टेशनरी लायें तो ज्यादा अच्छा होगा। विधायक रेणुका सिंह का कहना है कि मेरा विधानसभा क्षेत्र भरतपुर सोनहत क्षेत्रफल के लिहाज से प्रदेश का सबसे बड़ा विधानसभा क्षेत्र है। यहां शिक्षा का स्तर बढ़ाने की जरूरत है। जो बच्चे किताब कॉपी या संसाधनों की कमी की वजह से पढाई नहीं कर पाते हैं उनके लिए यह सहयोग है जो आपको हमको और हम सबको करना चाहिए।

विभिन्न मांगों को लेकर किसान मजदूर संगठन 13 फरवरी को करेंगे प्रदर्शन

-18 किसान मजदूर संगठनों और संयुक्त किसान मोर्चा ने किया दिल्ली में प्रदर्शन की घोषणा

नई दिल्ली (एजेंसी)। केन्द्र सरकार की कृषि नीति के खिलाफ उत्तर भारत के 18 किसान मजदूर संगठनों और संयुक्त किसान मोर्चा (गैर राजनीतिक) ने 13 फरवरी को दिल्ली कूच के लिए जंडियाला गुरु अनाज मंडी मे बिगुल बजाकर घोषणा की।

किसान नेताओं ने कहा कि केंद्र में जितनी भी सरकारें आई, उन्होंने देश के सभी प्रकार के संसाधनों को देशी-विदेशी कॉरपोरेट घरानों के हाथों बेचने की नीति के तहत काम किया है। पिछले 10 वर्षों तक भाजपा सरकार पिछली सरकारों से आगे बढ़कर देश की जमीन और कृषि क्षेत्र पर कब्जा करने की नीति के तहत काम कर रही है।बताया गया है कि केंद्र की मोदी सरकार के खिलाफ पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के किसान मजदूर आंदोलन की तैयारी कर रहे हैं।

किसान संगठन की मांग है कि सभी फसलों की खरीद पर एमएसपी गारंटी कानून बनाकर फसलों के दाम स्वामीनाथन आयोग की रिपोर्ट के अनुसार सी-2 + 50 प्रतिशत के फार्मूले के साथ दिया जाए, सरकार द्वारा फसल बीमा योजना लागू की जाए, किसानों और खेत मजदूरों को पूर्ण ऋण मुक्ति की जाए, भूमि अधिग्रहण में वर्ष 2015 के दौरान किए गए संशोधन को निरस्त कर 2013 के रूप में लागू किया जाए, भारत को विश्व व्यापार संगठन के साथ किए गए समझौतों से बाहर निकाला जाए तथा भारतीय किसानों की पूरी फसल प्राथमिकता के आधार पर खरीदी जाए, 58 वर्ष की आयु वाले किसानों और खेत मजदूरों के लिए 10 हजार रुपए प्रतिमाह पेंशन योजना बनाई जाए, बिजली बिल 2020 को पूरी तरह से खारिज किया जाए, लखीमपुर खीरी हत्याकांड के मामलें में पीड़ितों को न्याय दिया जाए, दिल्ली मोर्चे के दौरान दर्ज किए गए पुलिस मुकदमे रद्द किए जाएं, वादे के मुताबिक शहीद हुए किसानों के परिवारों को मुआवजा और नौकरी दी जाए।

रैली में प्रस्ताव पारित कर मांग की गई कि नशे पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया जाए और पीड़ित युवाओं का इलाज किया जाए। इन युवाओं का पुनर्वास किया जाए, आबादकार किसानों मजदूरों को जमीन के मालिकाना हक देने के लिए कानून बनाया जाए, अटारी बॉर्डर को कृषि उत्पादों और सभी प्रकार के व्यापार के लिए खोला जाए, जो इंडस्ट्री कृषि से जुड़ी हुई है उसे बंद करने की बजाय बढ़ाया जाए, धूरी मिल, सेरो गन्ना मिल और अन्य नरमे से जुड़े उद्योग कायम रहना चाहिए। रैली में बाबा गुरनाम सिंह द्वारा लखीमपुर हत्याकांड के आरोपी अजय मिश्रा को लखीमपुर के गुरुद्वारा साहिब से दिए गए सम्मान की निंदा की गई।

सीएए को लेकर फिर शुरू हुई राजनीति, येचुरी ने बताया बीजेपी का चुनावी दांव, ओवैसी बोले- यह संविधान विरोधी

नई दिल्ली (एजेंसी)। नागरिकता (संशोधन) अधिनियम के नियमों को 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले अधिसूचित किया जाएगा। यही कारण है कि अब सीएए को लेकर राजनीति शुरू हो गई है। एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने बुधवार को कहा कि यह हाशिए पर रहने वाले समुदायों, खासकर मुसलमानों के लिए गंभीर अन्याय होगा। उन्होंने यह भी कहा कि 2019 में पारित कानून ÷संविधान विरोधी÷ था क्योंकि यह धर्म के आधार पर बनाया गया था। उन्होंने कहा कि सीएए संविधान विरोधी है। सीएए को एनपीआर-एनआरसी के साथ पढ़ा और समझा जाना चाहिए जो इस देश में आपकी नागरिकता साबित करने के लिए शर्तें तय करेगा।

ओवैसी ने साफ तौर पर कहा कि यदि ऐसा हुआ तो यह घोर अन्याय होगा, खासकर मुसलमानों, दलितों और भारत के गरीबों के साथ, चाहे वे किसी भी जाति या धर्म के हों। सीपीआई(एम) के महासचिव सीताराम येचुरी ने दावा किया कि केंद्र लोकसभा चुनाव से पहले सांप्रदायिक ध्रुवीकरण को बढ़ावा देने का प्रयास कर रहा है। उन्होंने कहा कि अब यह स्पष्ट है। इतने वर्षों तक...इन नियमों (सीएए) को अधिसूचित नहीं किया गया...स्पष्ट रूप से, वे चुनावों से ठीक पहले इन नियमों को अधिसूचित करना चाहते हैं ताकि इसे सांप्रदायिक ध्रुवीकरण को तेज करके चुनावों में लाभ उठाने के लिए एक राजनीतिक हथियार के रूप में इस्तेमाल किया जा सके। उन्होंने कहा कि यह कुछ चुनावी लाभ के लिए नियमों और घोषणाओं को एक उपकरण के रूप में उपयोग कर रहा है। जानकारी के मुताबिक एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने कहा कि नागरिकता (संशोधन) अधिनियम 2019 के नियमों को लोकसभा चुनाव की घोषणा से ÷काफी पहले÷ अधिसूचित किया जाएगा। पदाधिकारी ने कहा, ÷हम जल्द ही सीएए के लिए नियम जारी करने जा रहे हैं। एक बार नियम जारी होने के बाद, कानून लागू किया जा सकता है और पात्र लोगों को भारतीय नागरिकता दी जा सकती है।÷ नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा पेश किए गए सीएए के नियमों का उद्देश्य बांग्लादेश, पाकिस्तान और अफगानिस्तान से 31 दिसंबर 2014 से पहले भारत आए प्रताड़ित गैर-मुस्लिम प्रवासियों - जिनमें हिंदू, सिख, जैन, बौद्ध, पारसी और ईसाई शामिल हैं - को भारतीय नागरिकता प्रदान करना है। पिछले महीने, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने दोहराया था कि सीएए के कार्यान्वयन को कोई नहीं रोक सकता क्योंकि यह देश का कानून है। कोलकाता में एक सभा को संबोधित करते हुए शाह ने इस बात पर जोर दिया कि भाजपा सीएए को लागू करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर इस मुद्दे पर लोगों को गुमराह करने का भी आरोप लगाया था। टीएमसी नेता इस कानून के आने के बाद से ही इसका विरोध कर रहे हैं। बहुप्रतीक्षित सीएए को लागू करने का आश्वासन पिछले लोकसभा चुनाव के दौरान भाजपा के लिए एक महत्वपूर्ण चुनावी एजेंडा था।

मेटावर्स की दुनिया में पहली बार हुआ नाबालिग से वर्चुअली सामूहिक दुष्कर्म

न्यूयॉर्क। मेटावर्स की दुनिया में कब क्या हो जाए कोई नहीं जानता। हर रोज होने वाले साइबर क्राइम इसका सटीक उदाहरण है। इस बार जो क्राइम सामने आया है उसने पूरी दुनिया को हिला दिया है।ऑनलाइन मेटावर्स में एक 16 वर्षीय लड़की पर यौन हमले की घटना चौंका रही है। जिसमें एक नाबालिग के साथ वर्चुअली सामूहिक दुष्कर्म हुआ है। घटना की ब्रिटेन पुलिस वर्चुअल रियलिटी गेम में कथित बलात्कार के पहले मामले की जांच कर रही है। .रिपोर्ट के अनुसार, ऐसा कहा जाता है कि लड़की के अवतार यानी उसके डिजिटल कैरेक्टर के साथ ऑनलाइन अजनबियों द्वारा गैंगरेप किया गया था। इस घटना से लड़की परेशान हो गई थी। वहीं दूसरी तरफफेसबुक की मूल कंपनी, मेटा द्वारा संचालित एक फ्री वीआर गेम - होराइजन वर्ल्ड्स में वर्चुअल यौन अपराधों की कई रिपोर्टें आई हैं। मेटा के एक प्रवक्ता ने कहा, जिस तरह के व्यवहार का वर्णन किया गया है उसका हमारे प्लेटफॉर्म पर कोई स्थान नहीं है, यही कारण है कि सभी यूजर्स के लिए हमारे पास पर्सनल बाउंड्री नामक एक ऑटोमैटिक प्रोटेक्शन है, जो उन लोगों को आपसे कुछ फीट की दूरी पर रखती है जिन्हें आप नहीं जानते हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि जब लड़की (यानी उसके डिजिटल अवतार) के साथ कथित तौर पर पुरुषों के एक समूह द्वारा बलात्कार किया गया तो उसने एक इमर्सिव गेम में वर्चुअल रियलिटी हेडसेट पहना हुआ था। हालांकि उसे कोई शारीरिक चोट नहीं आई, लेकिन जांच अधिकारियों ने कहा कि उसे भी उतना ही भावनात्मक और मनोवैज्ञानिक आघात झेलना पड़ा जितना वास्तविक दुनिया में बलात्कार का शिकार हुई किसी महिला को हुआ होता। ऐसा माना जाता है कि यह मामला पुलिस द्वारा जांच किया गया पहला वर्चुअल यौन अपराध है। मामले पर एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, इस बच्ची को शारीरिक रूप से बलात्कार किए गए किसी व्यक्ति के समान मनोवैज्ञानिक आघात का अनुभव हुआ। पीड़िता पर किसी भी शारीरिक चोट की तुलना में भावनात्मक और मनोवैज्ञानिक प्रभाव लंबे समय तक रहता है। अधिकारी ने कहा, इस तरह का मामला कानून प्रवर्तन एजेंसियों के लिए कई चुनौतियां खड़ी करता है क्योंकि मौजूदा कानून इसके लिए स्थापित नहीं हैं। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं है कि कथित अपराध के समय लड़की कौन सा गेम खेल रही थी। इस ऐतिहासिक मामले की जांच से अब यह सवाल उठने लगा है कि क्या पुलिस को वर्चुअल अपराधों पर कार्रवाई करनी चाहिए, क्योंकि पुलिस और अदालतें वर्तमान में वास्तविक बलात्कार के मामलों के भारी मामलों से जूझ रहे हैं। हालांकि, ब्रिटेन के गृह सचिव जेम्स क्लेवरली ने वर्चुअल रियालिटी रेप जांच का बचाव करते हुए कहा है कि बच्ची यौन आघात से गुजरी है। उन्होंने कहा, मुझे पता है कि इसे खारिज करना आसान है क्योंकि यह असली नहीं है, लेकिन इस वर्चुअल दुनिया का पूरा मुद्दा ही यही है कि वे असली जैसे लगते हैं।

जापान में भूकंप से करीब 62 लोगों की मौत

टोक्यो। पश्चिमी जापान में एक के बाद एक आए भूकंप के कई झटकों में बुधवार तक करीब 62 लोगों की मौत हुई हैं। बचावकर्मी क्षतिग्रस्त इमारतों के मलबे में फंसे लोगों को बचाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। इशिकावा प्रांत और आसपास के इलाकों में पानी, बिजली और फोन सेवाएं अब भी बंद हैं। लोग तबाह हुए घरों और अपने भविष्य को लेकर चिंतित हैं। अपने घर के आसपास से मलबा हटाने में लगी इशिकावा निवासी मिकी कोबायाशी ने कहा,'' दीवारें ढह गई हैं मुझे नहीं लगता कि घर अब रहने लायक है। उन्होंने कहा कि 2007 में भी भूकंप में उनका घर क्षतिग्रस्त हो गया था। इशिकावा के प्रांतीय अधिकारियों के अनुसार,वाजिमा शहर में 29 लोगों की मौत हुई है जबकि सुजु में 22 लोगों की जान चली गई। वहीं, आसपास के प्रांतों में दर्जनों लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। आपदाओं में विशेषज्ञता रखने वाले 'यूनिवर्सिटी ऑफ टोक्यो' के प्रोफेसर तोशिताका कटाडा ने कहा कि इस क्षेत्र में हाल के वर्षों में कई बार भूकंप आए हैं जिस कारण लोग इस आपदा के लिए तैयार थे।

अमेरिका में संघीय सरकार का कुल राष्ट्रीय कर्ज 34,000 अरब डॉलर के पार

वाशिंगटन । अमेरिका में संघीय सरकार का कुल राष्ट्रीय कर्ज 34,000 अरब डॉलर के रिकॉर्ड हाई पर पहुंच गया है। कर्ज के इस स्तर से पता चलता है कि आने वाले वर्षों में बाइडेन सरकार को देश के बही-खाते को सुधारने के लिए राजनीतिक और आर्थिक मोर्चे पर कई चुनौतियों से जूझना पड़ेगा। अमेरिकी वित्त विभाग ने वित्तीय स्थिति पर एक रिपोर्ट जारी की है। यह राजनीतिक रूप से बंटे देश के लिए तनाव पैदा करने वाली है। रिपोर्ट के अनुसार, बिना वार्षिक बजट के बाइडेन सरकार के कामकाज के कुछ हिस्सा ठप हो सकता है। रिपब्लिकन सांसदों और व्हाइट हाउस ने पिछले साल जून में देश की ऋण सीमा को अस्थायी रूप से हटाने पर सहमति व्यक्त की थी, जिससे ऐतिहासिक चूक या 'डिफॉल्ट' का जोखिम टल गया था। यह समझौता जनवरी, 2025 तक चलेगा। अमेरिका का राष्ट्रीय कर्ज कहीं अधिक तेजी से बढ़ा है। कांग्रेस के बजट कार्यालय ने जनवरी, 2020 में वित्त वर्ष 2028-29 में सकल संघीय ऋण 34,000 अरब डॉलर पर पहुंचने का अनुमान लगाया था। लेकिन 2020 में शुरू हुई कोविड महामारी की वजह से कर्ज इस स्तर पर अनुमान से कई साल पहले पहुंच गया है। राष्ट्रीय कर्ज का फिलहाल अमेरिकी अर्थव्यवस्था पर कोई बोझ नहीं दिख रहा है, क्योंकि निवेशक संघीय सरकार को कर्ज देने को तैयार हैं। यह कर्ज सरकार को कर बढ़ाए बिना कार्यक्रमों पर खर्च जारी रखने की अनुमति देता है। हालांकि, विश्लेषकों का कहना है कि आने वाले दशकों में कर्ज का यह रास्ता राष्ट्रीय सुरक्षा, सामाजिक सुरक्षा और स्वास्थ्य जैसे कई बड़े कार्यक्रमों को जोखिम में डाल सकता है।

जापान में सुनामी से दुनिया के सबसे बड़े परमाणु ऊर्जा संयंत्र को हुआ खतरा

टोक्यो ।जापान में भूकंप के तेज झटके के बाद आई सुनामी से खतरा बढ़ गया है। यहां पर सुनामी की लहरें अभी 0.4 मीटर (1.3 फीट) ऊंची हैं। हालांकि लहरों के और ज्यादा ऊंचे होने की आशंका है। टोक्यो इलेक्ट्रिक पावर कंपनी ने शुक्रवार को कहा कि जापान के निगाटा प्रान्त में दुनिया के सबसे बड़े परमाणु ऊर्जा संयंत्र काशीवाजाकी-कारीवा के पास 0.4 मीटर (1.3 फीट) ऊंची सुनामी दर्ज की गई। फुकुई प्रीफेक्चर सुरक्षा समिति ने कहा कि संयंत्र की परमाणु सुविधाओं में कोई आपातकालीन स्थिति दर्ज नहीं की गई है। एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, जापान के उत्तरी द्वीप होक्काइडो से लेकर दक्षिणी द्वीप क्यूशू तक के पूरे पश्चिमी तट पर सुनामी का खतरा जारी किया गया है, जबकि इशिकावा प्रान्त में कई भूकंपों के बाद बड़ी सुनामी का खतरा घोषित किया गया है। स्थानीय समयानुसार 16:06 (07:06 जीएमटी) से शुरू होकर, इशिकावा और निगाटा प्रान्त के क्षेत्र में 4.3 से 7.6 तीव्रता वाले नौ भूकंप आए। सुनामी को लेकर जापान के मी ?डिया ने चेताया कि समुद्र में लहरें पांच मीटर तक पहुंच सकती हैं। इसने लोगों से जल्द से जल्द ऊंचे स्थानों या पास की इमारत की ऊपरी मंजिलों पर चले जाने का आग्रह किया। हालांकि भूकंप के कारण क्षति की तत्काल कोई सूचना नहीं है। एनएचके के मुताबिक, जापान के पश्चिमी तट पर निगाटा और अन्य क्षेत्रों में लगभग तीन मीटर ऊंची सुनामी आने की आशंका जताई गई। इसके अनुसार, समुद्र तट पर कम ऊंचाई की सुनामी लहरें पहले ही दर्ज की गई हैं।

पाकिस्तान का डर, प्रदर्शन के बीच 44 सरकारी कर्मचारियों को हटाया

इस्लामाबाद। एक बार फिर पाकिस्तान डरा हुआ नजर आ रहा है। वजह ये है कि बलूचिस्तान में सरकार ने तुर्बत और कोहलू में बालाच बख्श की हत्या के खिलाफ विरोध प्रदर्शन में भाग लेने और उसे बढ़ावा देने के लिए 44 कर्मचारियों को निलंबित कर दिया है। निलंबित होने वाले अधिकारियों में तुर्बत के ग्रेड 1 से 15 तक के 30 कर्मचारियों को निलंबित किया गया है और ग्रेड 16 के कुछ अधिकारियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू की गई है। मकरान डिविजन के कमिश्नर ने आधिकारिक अधिसूचना जारी कर के इस बात की जानकारी दी की तुर्बत में विभिन्न विभागों के 30 से ज्यादा सरकारी कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। अधिकारियों के मुताबिक यह निर्णय हाल ही में जिला खुफिया विभाग की बैठक में लिया गया है। बैठक में यह माना गया कि इन अधिकारियों की संलिप्तता सरकार विरोधी धरने और रैली में थी। तुर्बत में प्रदर्शन तब शुरू हुआ जब आतंकवाद निरोधक विभाग यानी सीटीडी की न्यायिक हिरासत में फर्जी मुठभेड़ में बालाच बलूच और अन्य तीन की मौत हो गई। जब तीनों का शव परिवारों को सौंपा गया तो उन्होंने इसे हत्या करार दिया और शव को शहीद फिदा चौक पर रखकर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। बालाच के घरवालों का कहना था कि पुलिस उनकी नहीं सुन रही, ना ही उनकी एफआईआर लिख रही है। इसके बाद प्रदर्शन की आग पूरे जिले में फैल गई। धीरे-धीरे यह विरोध पाकिस्तानी सेना के बलूची लोगों पर किए गए अत्याचारों के खिलाफ एक मुहिम में बदल गया। इसके अलावा कोहलू में 14 सरकारी कर्मचारी धरने में भाग लेने और लंबे समय तक समर्थन करने की वजह से निलंबित कर दिया गया है।

उत्तर कोरिया में शीर्ष नेता किम जोंग उन कृषि उपकरणों की एक प्रदर्शनी को देखते हुए।

सवीरा का दावा-चुनाव जीती तो भारत पाकिस्तान की कड़वाहट को मिठास में करेंगे तब्दील

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में हो रहे आम चुनाव में उम्मीदवार अपनी जीत के लिए तरह तरह के दावे और वादे कर रहे हैं। इन्ही प्रत्याशियों में शुमार हैं पहली हिंदू महिला डॉ सवीरा प्रकाश। उन्होंने दावा करते हुए कहा है कि यदि हमारी जीत सुनिश्चित होती है तो भारत और पाकिस्तान के बीच घुली कड़वाहट को मिठास में तब्दील करने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। डॉ सवीरा अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के बुनेर निर्वाचन क्षेत्र से मैदान में उतरी हैं। उन्होंने कहा है कि अगर वह चुनी जाती हैं, तो वह पाकिस्तान और भारत के बीच राजनयिक सेतु बनाने में मदद करेंगी। पेशे से डॉक्टर 25 वर्षीय सवीरा ने पिछले हफ्ते बुनेर जिले में पीके-25 सामान्य सीट के लिए पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) से अपना नामांकन दाखिल किया था। खबर के अनुसार, सवीरा ने कहा कि उन्हें 'बुनेर की बेटी' की उपाधि मिली है, जबकि 'मुस्लिम भाइयों' ने उन्हें न केवल वोट देने का आश्वासन दिया है, बल्कि अपना पूरा समर्थन भी दिया है। डॉ. सवीरा ने कहा कि निर्वाचित होने पर वह पाकिस्तान में रहने वाले हिंदुओं की समस्याओं को हल करने में मदद करेंगी। उन्होंने कहा कि वह एक देशभक्त हिंदू हैं और 'बुनेर की बेटी' की उपाधि मिलने के बाद उनका मनोबल और बढ़ गया है। डॉ. सवीरा ने कहा कि यदि वह निर्वाचित होती हैं तो वह इस्लामाबाद और नई दिल्ली के बीच संबंधों के प्रति सकारात्मक भूमिका निभाएंगी। दोनों देशों के हिंदू बिना किसी हिचकिचाहट के उनसे संपर्क कर सकेंगे।

पाकिस्तान ने भारत की रॉ पर लगाया आतंकियों को फंडिंग का आरोप

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के केयरटेकर पीएम अनवारुल हक काकड़ ने भारत की खुफिया एजेंसी रॉ पर आतंकियों को फंडिंग करने का आरोप लगाया है। कार्यवाह पीएम अनवारुल हक काकड़ ने बलोचिस्तान की आजादी की मांग करने वालों को आतंकी बताते हुए कहा कि इन्हें रॉ फंड करता है। उन्होंने हिंदुओं को लेकर एक अजीबोगरीब बयान दिया है। इस्लामाबाद में बलूच विरोध प्रदर्शन को लेकर वह भड़क गए हैं। उन्होंने इस प्रदर्शन को लेकर जवाब दिया है। दरअसल इस्लामाबाद पहुंचे बलोचिस्तान के चार युवाओं को पुलिस ने एक फेक एनकाउंटर में मार दिया था। इसके लिए इस्लामाबाद तक लॉन्ग मार्च निकाला जा रहा था, जिस पर पुलिस ने कहर बरपाया। गौरतलब है कि इस्लामाबाद में एक सप्ताह से ज्यादा समय से प्रदर्शन जारी है। मारे गए लोगों के घर वाले उनके शवों की मांग कर रहे हैं। क्योंकि केयर टेकर पीएम का संबंध बलोचिस्तान से है, इसलिए उनकी सबसे ज्यादा आलोचना हो रही है।

प्रदर्शन कर रहे लोगों का कहना है कि बलूच होने के बाद भी वह उनका मुद्दा हल नहीं कर रहे। लोगों का कहना है कि बलूच उन्हें याद रखेगा।

इस्लामाबाद में होने वाले प्रदर्शन को लेकर काकड़ बौखला गए हैं। प्रेस कॉन्फ्रेंस में 15-20 मिनट तक वह बोलते रहे। इसमें कई बार वह नाराज भी दिखे। एक रिपोर्टर जब उनसे सवाल पूछने के लिए खड़ा हुआ तो काकड़ ने गुस्से में कहा, एक मिनट, बैठें, मुझे बोलने दें। उन्होंने कहा, हमारी लड़ाई बलोचिस्तान के सशस्त्र संगठनों के खिलाफ है। बलूचों के नहीं। जो लोग विरोध में बाहर से शामिल हुए हैं, उन्हें जवाब देना चाहिए कि डॉ. शफी मेंगल की हत्या किसने की? क्या वह बलूच नहीं था? क्या वह हिंदू था या हिंदुस्तान से आया था? मौला बक्स दश्ती कौन था? क्या वह हिंदू, अंग्रेज, ईसाई या यहूदी था? क्या वह बलूच नहीं था?

प्रदर्शन का समर्थन करने वालों को उन्होंने बीएलए जॉइन करने की नसीहत दी है। कार्यवाहक पीएम ने जोर देकर कहा प्रदर्शनकारियों को प्रदर्शन का अधिकार है, क्योंकि उनके परिवार के लोग मारे गए हैं। लेकिन उन्हें यह भी समझना चाहिए कि उनके परिवार के लोग देश के खिलाफ लड़ रहे थे। पाकिस्तानी पीएम ने कहा कि यह 1971 नहीं है और बलोचिस्तान बांग्लादेश नहीं है जो अलग हो जाएगा। इसके आगे उन्होंने कहा, ये आतंकी 90-90 कत्ल करते हैं। हिंदुस्तान से पैसा लेकर यह कत्ल करते हैं। खुलेआम कहता हूं। रॉ और भारत की फंडिंग के साथ करते हैं। बताएं कि क्या ये नहीं करते हैं।

शेख हसीना ने अमेरिका पर लगाया सत्ता से हटाने की साजिश का आरोप

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश की पीएम शेख हसीना ने अमेरिका पर सत्ता से हटाने की साजिश का आरोप लगाया है। लेकिन उन्होंने भरोसा जताया कि बांग्लादेश के लोग सात जनवरी के चुनाव में उन्हें सत्ता से हटाने के अंतरराष्ट्रीय षड्यंत्रकारियों के प्रयासों का करारा जवाब देंगे। सत्ताधारी अवामी लीग पार्टी की अध्यक्ष हसीना ने कहा कि वह चाहती हैं कि 12वां संसदीय चुनाव शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो। उन्होंने कहा कि हम अपनी पार्टी के चुनाव चिह्न नाव के साथ सात जनवरी के चुनाव में भाग लेंगे। वोट नाव के लिए डालने के लिए मतदान केंद्रों पर जल्दी जाएं और दुनिया को दिखाएं कि हम स्वतंत्र, निष्पक्ष और तटस्थ तरीके से चुनाव करा सकते हैं। हसीना ने ढाका से लगभग 170 किलोमीटर दक्षिण पश्चिम में तुंगीपाड़ा में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा कि चुनाव को विफल करने के लिए तरह-तरह की साजिशें रची जा रही हैं। कई लोग अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी शामिल हैं। वे बांग्लादेश में तीसरी पार्टी को सत्ता में लाने के लिए काम कर रहे हैं।

हसीना ने कहा कि तीसरी पार्टी क्या कर सकती है? वे देश में कोई विकास नहीं कर सकते। आपने देखा था कि उन्होंने 2007 में क्या किया था। इधर बढ़ती हिंसा के बीच पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के नेतृत्व वाली बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) ने कहा कि वह चुनाव का बहिष्कार करेगी। गौरतलब है कि बीएनपी ने 2014 के चुनाव का भी बहिष्कार किया था, लेकिन 2018 के चुनाव में हिस्सा लिया था। साल की शुरुआत में अमेरिका और अन्य प्रमुख पश्चिमी देशों ने समावेशी और विश्वसनीय चुनाव सुनिश्चित करने के लिए सत्तारूढ़ अवामी लीग और विपक्ष के बीच बातचीत का आह्वान किया था, हालांकि दोनों पक्षों की अनिच्छा के कारण कोई प्रगति नहीं हुई।

गौरतलब है कि शेख हसीना देश में प्रधानमंत्री पद पर सबसे अधिक समय से आसीन हैं। प्रधानमंत्री के रूप में उनका पहला कार्यकाल वर्ष 1996 से 2001 तक था, लेकिन इसके बाद वह लगातार तीन बार-2009 से 2014, 2014 से 2019 और 2019 से अब तक प्रधानमंत्री के पद पर आसीन हैं। विपक्षी दल बीएनपी को एक आतंकवादी पार्टी और जमात-ए-इस्लामी (जमात) को युद्ध अपराधियों का संगठन करार देते हुए प्रधानमंत्री हसीना ने कहा कि उनके पास देश को आगे ले जाने की कोई क्षमता नहीं है। हसीना ने बीएनपी-जमात के लोगों के कथित आपराधिक कृत्यों की कड़ी आलोचना की और इसकी तुलना गाजा के अस्पतालों में बच्चों और महिलाओं की हत्याओं से की।

इजरायल के पूर्व जनरल का दावा कहा- गाजा में नेतन्याहू की रणनीति असफल, हिजबुल्लाह से भी बढ़ा खतरा

तेलअवीव। इजरायल के पूर्व जनरल ने गाजा के युद्ध में पीएम बेंजामिन नेतन्याहू के फेल होने का दावा किया है। उन्होंने कहा कि आईडीएफ हमास का मुकाबला करने और सुरंगों पर नियंत्रण करने में नाकाम रही है। अब उस पर हमास ही नहीं हिजबुल्लाह के हमले का भी खतरा मंडरा रहा है। इजरायल के सेवानिवृत्त जनरल यित्ज़ाक बारिक ने दावा किया है कि इजराइल गाजा में हमास के खिलाफ युद्ध में अपने लक्ष्यों को पूरा करने में विफल रहा है और वह हमास को नष्ट करने जैसे काल्पनिक कार्यों का लक्ष्य बना रहा है। उन्होंने कहा कि इजरायल हमास का मुकाबला करने और सुरंगों पर नियंत्रण करने में नाकाम रहा। आईडीएफ के पूर्व दिग्गज बारिक ने चेतावनी दी है कि हमास के खिलाफ जंग में उलझे इजरायल पर अब लेबनान के आतंकी समूह हिजबुल्लाह के हमले का भी खतरा है। उन्होंने कहा कि हिजबुल्लाह के साथ भी इजरायल के युद्ध की संभावना है। हिजबुल्लाह गाजा में हमले के लिए इजरायल को दोषी ठहराता है। इस पर उसने 7 अक्टूबर के बाद से इजरायल की घेराबंदी भी की है। इजरायल भी हिजबुल्लाह के कई ठिकानों पर हमला करता रहा है। बात 2006 में इजरायल-लेबनान युद्ध की है। हिजबुल्लाह और इजरायल के बीच भयंकर युद्ध हुआ था। इजरायल ने इस युद्ध को खत्म करने के लिए एक या दो दिन का वक्त मांगा था। हालांकि 33 दिनों तक चले इस युद्ध में इजरायल को हार का सामना करना पड़ा था। इस युद्ध में इजरायल को 200 से 250 सैनिक, 20टैंक, 3 हैलीकॉप्टर, 1 पोत, लगभग 50 नागरिक खोने पड़े। जबकि दूसरी तरफ 150 से 200 हिजबुल्लाह लड़ाके, लगभग 800 - 900 लेबनानी नागरिक मारे गए थे।

रूस की अध्यक्षता में सऊदी-यूएई समेत 5 देश ब्रिक्स के सदस्य बने

मॉस्को (एजेंसी)। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की अध्यक्षता में अब ब्रिक्स में पांच नए सदस्य शामिल हो गए हैं। बता दें कि इस वक्त ब्रिक्स की कमान रूस के पास है। इन पांच नए सदस्यों में मिस्र, इथियोपिया, ईरान, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात हैं। अभी तक ब्रिक्स में सिर्फ भारत, रूस, चीन, दक्षिण अफ्रीका और ब्राजील ही शामिल थे। ब्रिक्स दुनिया के विकासशील देशों का एक समूह है। जिसमें शामिल होने के लिए भारत का पड़ोसी पाकिस्तान भी कोशिश कर रहा है, लेकिन उसे सदस्यता नहीं मिल सकी है। पाकिस्तान का आरोप है कि भारत उसे ब्रिक्स का सदस्य बनने नहीं दे रहा, जबकि चीन चाहता है कि उसे सदस्यता मिले। दरअसल इस साल ब्रिक्स की अध्यक्षता रूस के पास है। ब्रिक्स के अध्यक्ष रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने भी इसकी आधिकारिक रूप से पुष्टि की है। पिछले साल दक्षिण अफ्रीका में हुए शिखर सम्मेलन के दौरान इन पांचों देशों को ब्रिक्स में शामिल करने पर औपचारिक सहमति बन गई थी। उस वक्त अर्जेंटीना ने भी ब्रिक्स में शामिल होने में रूचि दिखाई थी, लेकिन देश में चुनाव बाद हुए सत्ता परिवर्तन के बाद उसने दूरी बना ली है।

उधर अर्जेंटीना के राष्ट्रपति जेवियर माइली ने ऐलान किया है कि उनका देश ब्रिक्स का सदस्य नहीं बनेगा, क्योंकि वह परंपरागत रूप से अमेरिका का करीबी है। पुतिन ने नए सदस्यों को शामिल किए जाने को अंतरराष्ट्रीय मामलों में ब्रिक्स के बढ़ते प्रभाव और भूमिका का संकेत माना है। उन्होंने कहा कि ब्रिक्स ब्लॉक के सिद्धांतों को साझा करने वाले समर्थकों और देशों की संख्या लगातार बढ़ रही है। पुतिन की मानें तो ब्रिक्स के सिद्धांतों में संप्रभु समानता, खुलापन, सर्वसम्मति और एक बहुध्रुवीय अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था और एक निष्पक्ष वैश्विक वित्तीय और व्यापार प्रणाली के निर्माण की आकांक्षा शामिल है। जानकार बताते हैं कि ब्रिक्स ब्लॉक वैश्विक अर्थव्यवस्था के एक चौथाई का प्रतिनिधित्व करता है। दरअसल ब्रिक्स को सितंबर 2006 में स्थापित किया गया था।

रूस और भारत मिलकर खरीदेंगे दुनिया का सबसे बेकार हवाई अड्डा

-यह हवाई अड्डा श्रीलंका में स्थित है, जिसे चीन के पैसों से बनाया गया

कोलंबो (एजेंसी)। भारत और रूस जल्द ही दुनिया के सबसे बेकार हवाई अड्डे को मिलकर खरीदने वाले हैं। यह हवाई अड्डा भारत के पड़ोसी देश श्रीलंका में स्थित है, जिसे चीन के पैसों से बनाया गया है। यह एयरपोर्ट श्रीलंका के मटाला शहर में स्थित है, जो हंबनटोटा बंदरगाह से लगभग 18 किलोमीटर दूर है। इसे मटाला राजपक्षे अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा या हंबनटोटा हवाई अड्डा के नाम से भी जानते हैं। मिली जानकारी के अनुसार श्रीलंका ने हंबनटोटा बंदरगाह को चीन को कर्ज के बदले 99 साल की लीज पर दिया है। रिपोर्ट के अनुसार, भारत और रूस हंबनटोटा एयरपोर्ट को खरीदने के लिए एक ज्वाइंट वेंचर बना सकते हैं। इसका एकमात्र कारण हिंद महासागर में चीन के बढ़ते प्रभाव को रोकना है। मीडिया में आई रिपोर्ट के अनुसार रूस ने श्रीलंका के मटाला राजपक्षे अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा को चलाने के लिए निजी कंपनियों को शामिल करते हुए भारत के साथ एक ज्वाइंट वेंचर में शामिल होने की इच्छा जताई है।

श्रीलंका में रूसी राजदूत लेवन एस दझागेरियन ने इस हवाई अड्डे को संचालित करने के लिए भारत के साथ एक ज्वाइंट वेंचर बनाने का संकेत दिया है। उन्होंने कहा कि अलग-अलग विचार थे, अगल-अलग प्रस्ताव थे, और सिर्फ हमारे विचारों को व्यक्त करने के लिए इस पर विचार किया जा सकता है। रूसी राजदूत ने श्रीलंका आने वाले रूसी पर्यटकों की बढ़ती संख्या का जिक्र करते हुए कहा कि मटाला हवाई अड्डे में उनकी रूचि का एक बड़ा कारण यह भी है। दक्षिण एशिया में सबसे ज्यादा रूसी पर्यटक भारत आते हैं और दूसरे पर श्रीलंका का स्थान है। उन्होंने कहा कि हमें उम्मीद है कि 2024 में करीब 12 लाख रूसी नागरिक टूरिस्ट वीजा पर श्रीलंका पहुंचेंगे।

गौरतलब है कि मटाला राजपक्षे अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा मटाला शहर में है, जो हंबनटोटा बंदरगाह के पास है। यह श्रीलंका का पहला ग्रीनफील्ड हवाई अड्डा है। एमआरआईए कोलंबो के रतमलाना अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे और भंडारनायके अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के बाद श्रीलंका का तीसरा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा है। जानकारी के अनुसार मटाला राजपक्षे अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा को 2013 में तत्कालीन राष्ट्रपति महिंदा राजपक्षे ने खोला था। शुरुआत में कई एयरलाइनों ने इस हवाई अड्डे में रूचि दिखाई और उड़ाने शुरू की, लेकिन कम कमाई के कारण धीरे-धीरे उनकी संख्या में कमी होने लगी। श्रीलंका ने इस एयरपोर्ट से कॉमर्शियल एक्टिविटी में रूचि रखने वाली कंपनियों से बोलियां आमंत्रित की, जिसका जवाब सिर्फ भारत ने दिया।

भारतीय सेना में 2020 के बाद से भर्ती नहीं हुए नेपाली गोरखा

काठमांडू (एजेंसी)। भारतीय सेना में नेपाली सैनिकों की भर्ती बंद है, अब यह इतिहास की बात हो सकती है। दरअसल 2020 से कोविड महामारी के कारण नेपाली गोरखाओं की भर्ती रुकी हुई है। जानकारी के अनुसार भारतीय सेना में नेपाली सैनिकों की भर्ती फिर से शुरू नहीं हुई है। इसके बजाय, पिछले साल अग्निपथ (भारतीय सेना की चार साल की भर्ती योजना) ने इसे अनिश्चित काल के लिए स्थगित कर दिया गया है जब तक कि नेपाल के राजनीतिक दल नई योजना पर आम सहमति नहीं बना लेते हैं, भर्ती शुरु नहीं होगी। इन ?दिनों 1971 के युद्ध के दौरान सेना प्रमुख रहे दिवंगत फील्ड मार्शल सैम मानेकशॉ की बायोपिक एक महीने से चल रही है। सैम बहादुर नाम की इस बायोपिक को लोगों ने खूब पसंद भी किया है। सैम मानेकशॉ भारतीय सेना के गोरखा रेजिमेंट से जुड़े हुए थे। यह वही रेजिमेंट है, जिसकी जड़ें नेपाल से भी जुड़ी हुई हैं। हालां?कि जानकार बताते हैं ?कि भारत में नेपाली गोरखाओं का इतिहास 100 साल से भी पुराना है। भारत की सात गोरखा राइफल्स रेजिमेंटों का इतिहास 19वीं शताब्दी की शुरुआत से है जब उन्होंने महाराजा रणजीत सिंह के अधीन सिख सेना में सेवा की थी।

नेपाल-सिख युद्ध में अपनी सेना के विरुद्ध गोरखाओं के प्रदर्शन से महाराजा इतने प्रभावित हुए कि उन्होंने गोरखाओं की हार के बाद उन्हें भर्ती कर लिया। आज तक, नेपाल के गोरखा जो विदेशों में सेवा करते हैं, उन्हें लाहोर्स कहा जाता है, जो सिख साम्राज्य की राजधानी लाहौर से लिया गया है। भारत की स्वतंत्रता के बाद, उस समय की 10 गोरखा रेजिमेंटों में से छह भारत आ गईं और बाकी ब्रिटिश सेना के पास रहीं। चार ब्रिटिश गोरखा रेजिमेंट के सैनिक जो स्वतंत्र भारत की सेवा करना चाहते थे, उन्हें 11वीं गोरखा राइफल्स (11जीआर) के नाम से एक अलग रेजिमेंट के रुप में स्थापित किया गया। यह भारत की सातवीं गोरखा रेजिमेंट बनी। इन सात भारतीय गोरखा रेजिमेंटों में कुल मिलाकर लगभग 850 गोरखाओं की 39 बटालियन हैं। बता दें ?कि गोरखा अन्य रेजिमेंटों में भी काम करते हैं।

नेपाली गोरखाओं को भारतीय गोरखा से नहीं बदला गया

भारत और यूनाइटेड किंगडम 1947 में नेपाल के साथ एक त्रिपक्षीय समझौते के आधार पर नेपाल से सैनिकों की भर्ती करते हैं। इसके

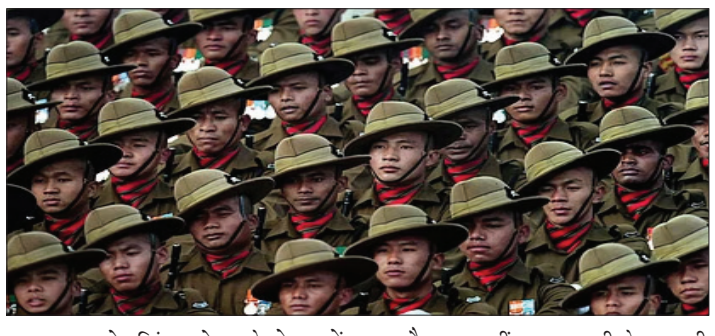

अलावा यूनाइटेड किंगडन नेपाल के गोरखाओं की भर्ती सिंगापुर की पुलिस और ब्रुनेई के सैनिकों के लिए भी करता है। भारतीय सेना ने अतीत में इन रेजिमेंटों को स्वदेशी बनाने के प्रस्तावों को इस कारण खारिज कर दिया था, क्योंकि तब तक भारत और नेपाल के बीच समझौता टूटा नहीं था। आजादी के बाद भी जलियांवाला बाग हत्याकांड में शामिल 9वीं गोरखा राइफल्स को भंग नहीं किया गया था। लेकिन, 2016 में पहली गोरखा राइफल्स की 6वीं बटालियन की स्थापना केवल भारतीय गोरखा सैनिकों के साथ की गई थी।

सिराज की घातक गेंदबाजी से दक्षिण अफ्रीकी टीम 55 रनों पर ही सिमटी

केपटाउन (एजेंसी)। मोहम्मद सिराज की घातक गेंदबाजी से भारतीय क्रिकेट टीम ने यहां दूसरे टेस्ट मैच के पहले ही दिन मेजबान दक्षिण अफ्रीका को पहली पारी में 55 रनों पर ही समेट दिया। इस मैच में दक्षिण अफ्रीका की कप्तानी कर रहे डीन एल्गर ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया जिससे भारतीय गेंदबाजों ने गलत साबित कर दिया। सिंराज ने 15 रन देकर 6 विकेट लिए और मेजबान टीम की बल्लेबाजी धवस्त कर दी। भारतीय गेंदबाजों ने मैच के पहले ही घंटे में 4 विकेट ले लिए। वहीं दूसरे घंटे में 2 विकेट और झटक लिए और दक्षिण अफ्रीका का स्कोर 6 विकेट पर 34 रन कर दिया। इसके कुछ देर बाद ही पूरी दक्षिण अफ्रीकी टीम 55 रन पर आउट हो गयी। सिराज के अलावा जसप्रीत बुमराह ने दो विकेट लिए जबकि शार्दुल ठाकुर की जगह शामिल किये गये मुकेश कुमार ने भी दो खिलाड़ियों को आउट किया। आज सुबह पारी की शुरुआत करते हुए दक्षिण अफ्रीका ने पहला विकेट 5 रनों पर ही खो दिया। सिराज ने शीर्ष के 7 में से 6 बल्लेबाजों को पेवेलियन भेजा ! इसके बाद शुरु हुआ ये सिलसिला पारी के अंत तक चला। अपने धरती पर खेलते हुए दक्षिण अफ्रीकी टीम का टेस्ट में ये सबसे कम स्कोर है। भारतीय टीम ने इस मैच में आर अश्विन की जगह रवींद्र जडेजा को शामिल किया गया है जबकि शार्दुल ठाकुर की जगह मुकेश कुमार को अवसर गया। वहीं दूसरी ओर मेजबान टीम दक्षिण अफ्रीका ने अपनी टीम में तीन बदलाव किए। तेंबु बावुमा के चोटिल होन के कारण इस मैच में डीन एल्गर ने कप्तानी की।

भारत-दक्षिण अफ्रीका दूसरे टेस्ट में बाधा बन सकती है बारिश

केपटाउन । भारत और मेजबान दक्षिण अफ्रीका के बीच आज यहां होने वाले दूसरे और अंतिम क्रिकेट टेस्ट मैच में बारिश से बाधा आ सकती है। भारतीय टीम पहले ही सीरीज में 1-0 से पीछे है, ऐसे में उसके लिए ये मैच बेहद अहम है। उसका लक्ष्य इस मैच को जीतकर सीरीज में बराबरी हासिल करने का प्रयास रहेगा। इस मैच में अगर बारिश आती है तो इससे भारतीय टीम को ही नुकसान होगा और उसके बराबरी के प्रयासों को झटका लगेगा। इस मैच में कप्तान रोहित शर्मा सहित अन्य भारतीय बल्लेबाजों को बेहतर प्रदर्शन करना होगा। ये टीम के लिए आसान नहीं रहेगा क्योंकि यशस्वी जयसवाल, रोहित शर्मा, शुभममन गिल और श्रेयस अय्यर जैसे भारतीय बल्लेबाजों को पहले टेस्ट में मेजबानों गेंदबाजों मार्को जानसन, कैगिसो रबाडा और नंद्रे बर्गर के खिलाफ बल्लेबाजी में मुश्किलें हुई थीं। कप्तान टेम्बा बावुमा की गैरमौजूदगी में भी दक्षिण अफ्रीका ने पहले मैच में जीत दर्ज की थी। दूसरे टेस्ट में पहले तीन दिनों में बारिश होने की संभावना नहीं है, जिससे खेल में बाधा नहीं रहेगी पर चौथे और पांचवें दिन बारिश हो सकती है, जिससे खेल का समय कम हो सकता है। सेंचुरियन पिच की तरह केपटाउन का विकेट भी तेज गेंदबाजों का सहायक रहेगा, ऐसे में मेजबान गेंदबाज हावी हो सकते हैं। न्यूलैंड्स क्रिकेट मैदान की पिच में घास होगी, जिससे तेज गेंदबाजों को स्विंग और उछाल मिलेगा पर मैच के अंतिम दो दिनों में स्पिनरों को भी सहायता मिल सकती है।

भारतीय कुश्ती में नया विवाद शुरू, बजरंग, साक्षी और विनेश के खिलाफ जूनियर पहलवानों का प्रदर्शन

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय कुश्ती में जारी संकट में बुधवार को नया मोड़ आया जब सैकड़ों जूनियर पहलवान अपने कैरियर में एक साल बर्बाद होने के खिलाफ जंतर मंतर पर जमा हुए और उन्होंने इसके लिये बजरंग पूनिया, साक्षी मलिक और विनेश फोगाट को दोषी ठहराया।

बता दें कि, बसों में भरकर जूनियर पहलवान उत्तर प्रदेश, हरियाणा और दिल्ली के विभिन्न हिस्सों से दिल्ली के जंतर-मंतर पर पहुंचे। इनमें से करीब 300 बागपत के छपरौली के आर्य समाज अखाड़े से थे जबकि कई नरेला की वीरेंद्र कुश्ती अकादमी से भी थे। अभी भी कई बसों में बैठे हैं और जंतर मंतर पर अपने साथी पहलवानों से जुड़ने की तैयारी में हैं। सुरक्षाकर्मियों को उन्हें काबू करने में काफी परेशानी हुई।

वहीं ये पहलवान बजरंग, साक्षी और विनेश के खिलाफ नारे लगा रहे थे। इन्होंने बैनर पकड़ रखे थे जिस पर लगा था, ''यूडब्ल्यूडब्ल्यू हमारी कुश्ती को इन तीन पहलवानों से बचाओ।''

गौरतलब है कि, करीब एक साल पहले जंतर मंतर पर ही ये तीनों शीर्ष पहलवान भारतीय कुश्ती महासंघ के पूर्व प्रमुख बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ यौन उत्पीड़न के आरोपों को लेकर धरने पर बैठे थे। उस समय किसान समूहों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, राजनेताओं, महिला संगठनों और पहलवानों ने इनका समर्थन किया था।

आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में विराट कोहली को हुआ बड़ा फायदा, रोहित शर्मा को झेलना पड़ा नुकसान

दुबई (एजेंसी)। भारतीय टीम इस समय साउथ अफ्रीका दौरे पर हैं। जहां दोनों टीमों के बीच आखिरी टेस्ट मैच खेला जा रहा है। वहीं इसी बीच आईसीसी ने अपनी टेस्ट रैंकिंग जारी की है। जिसमें विराट कोहली को बड़ा फायदा हुआ है जबकि रोहित शर्मा को बड़ा नुकसान झेलना पड़ा है।

केन विलियमसन टॉप पर काबिज

आईसीसी की ताजा टेस्ट रैंकिंग में न्यूजीलैंड के केन विलियमसन इस समय नंबर वन पर काबिज हैं। उनकी रेटिंग 864 की हो गई है। वहीं दूसरे नंबर पर इंग्लैंड के जो रूट हैं, उनकी रेटिंग 859 की है। स्टीव स्मिथ 820 की रेटिंग के साथ नंबर तीन पर जमे हुए हैं। यानी पहली तीन पोजीशन पर कोई खास बदलाव नहीं हुआ है।

वहीं इसके बाद न्यूजीलैंड के डेरिल मिचेल ने तीनों स्थानों की लंबी छलांग लगाई है। डेरिल मिचेल की रेटिंग अब 786 हो गई हैं और वे सीधे नंबर चार पर आ गए हैं। लेकिन ऑस्ट्रेलिया के उस्मान ख्वाजा 785 की रेटिंग एक स्थान नीचे यानी नंबर पांच पर आ गए हैं। वहीं पाकिस्तान के पूर्व कप्तान बाबर आजम को एक स्थान का नुकसान हुआ है।

विराट कोहली को फायदा तो रोहित शर्मा को नुकसान

टीम इंडिया के पूर्व कप्तान कोहली ने इस बीच चार स्थानों की लंबी छलांग लगाई है। वे 761 की रेटिंग के साथ सीधे नंबर 9 पर पहुंच गए हैं। विराट कोहली ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज के पहले मुकाबले की पहली पारी में 64 बॉल पर 38 रन और दूसरी पारी में 82 बॉल पर 76 रन की पारी खेली थी।

हालांकि, भारतीय कप्तान रोहित शर्मा को चार स्थानों का बड़ा नुकसान हुआ है। जहां वे पहले टॉप 10 में थे लेकिन अब वे सीधे 14वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

सूर्यकुमार फिर आईसीसी के वर्ष के सर्वश्रेष्ठ टी20 क्रिकेटर की दौड़ में, 2022 में जीत चुके हैं पुरस्कार

दुबई (एजेंसी)। भारत के स्टार बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव को बुधवार को आईसीसी के पुरुष 'टी20 क्रिकेटर ऑफ द ईयर' के लिए चार नामांकन में शामिल किया गया। भारत के इस 33 साल के खिलाड़ी ने 2022 में यह पुरस्कार जीता था। वर्ष 2023 में सूर्यकुमार ने दबदबा बनाते हुए 17 पारियों में 48.86 के औसत और 155.95 के स्ट्राइक रेट से 733 रन बनाए हैं।

सूर्यकुमार ने 2023 की शुरूआत श्रीलंका के खिलाफ महज सात रन से की लेकिन इसके बाद अगले दो मैच में 51 (36 गेंद) और नाबाद 112 (51 गेंद) रन की पारियां खेलीं। सूर्यकुमार की 51 गेंद में नाबाद 112 रन की पारी में नौ छक्के और सात चौके जड़े थे जिससे उन्होंने लगभग तीन गेंद में एक बार बाउंड्री लगाई। इससे वह भारत के लिए पुरुष टी20 मैचों में रोहित शर्मा के बाद दूसरे सबसे तेज शतक जड़ने वाले खिलाड़ी बन गए। रोहित ने इसी प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ 2017 में 35 गेंद में यह उपलब्धि हासिल की थी। फिर उनका 20 से 40 रन का स्कोर बनाना जारी रहा जिसके बाद प्रोविडेंस में वेस्टइंडीज के खिलाफ 44 गेंद में 83 रन की पारी ने उनकी 'क्लास' साबित की। उन्होंने फिर फ्लोरिडा में वेस्टइंडीज के खिलाफ 45 गेंद में 61 रन बनाकर श्रृंखला का समापन किया। कप्तानी के बोझ के बावजूद सूर्यकुमार के बल्ले से रन निकलने जारी रहे। उन्होंने साल के अंत में युवा भारतीय टीम की जिम्मेदारी संभाली थी। उन्होंने आस्ट्रेलिया के खिलाफ 42 गेंद में 80 रन, दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 36 गेंद में 56 रन और फिर जोहानिसबर्ग में साल के अंतिम टी20 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ महज 56 गेंद में 100 रन बनाए। इस पुरस्कार के नामांकन में तीन अन्य खिलाड़ी जिम्बाब्वे के सिकंदर रजा (11 पारियों में 515 रन, 17 विकेट), यूगांडा के अल्पेश रामजानी (55 विकेट) और न्यूजीलैंड के मार्क चैपमैन (17 पारियों में 556 रन) शामिल हैं।

साल 2025 तक अफगानिस्तान के कोच रहेंगे ट्रॉट

काबुल । अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (एसीबी) ने टीम के अच्छे प्रदर्शन को देखते हुए मुख्य कोच जोनाथन ट्रॉट का करार अब एक साल के लिए और बढ़ा दिया है। इंग्लैंड के पूर्व बल्लेबाज ट्रॉट जुलाई 2022 में कोच बने थे। वहीं दिसंबर 2023 के अंत में उनका 18 महीने का कार्यकाल समाप्त हो गया था। उनके कोच रहते हुए अफगान टीम ने अच्छा प्रदर्शन कर अपने से अधिक रैंकिंग वाली टीमों को हराया था। अफगान टीम ने पाकिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज जीतने के अलावा बांग्लादेश को पहली बार एकदिवसीय सीरीज में भी हराया था। इसके अलावा उसने एकदिवसीय विश्व कप में अपने से बेहतर टीमें पाकिस्तान, इंग्लैंड, श्रीलंका और नीदरलैंड को हराया था। अफगानिस्तान टीम अभी यूएई में तीन मैचों की टी20 सीरीज खेल रही है। इसके बाद उसे इसी माह 11 से 17 जनवरी के बीच भारतीय टीम से भी टी20 सीरीज खेलनी है। एसीबी को उम्मीद है कि ट्रॉट के लंबे अनुभव का लाभ उसे भारतीय टीम के खिलाफ सीरीज में भी मिलेगा।

शुबमन गिल ने अपने टेस्ट करियर में 1000 रन पूरे किए

केपटाउन । केपटाउन में भारत और साउथ अफ्रीका के बीच दूसरा और फाइनल टेस्ट मैच खेला जा रहा है। वहीं इस मैच में टीम इंडिया ने बेहतरीन कमबैक किया है। जहां टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी मेजबान टीम को 55 रन पर समेट दिया। वहीं भारतीय पारी के दौरान शुबमन गिल ने अपने टेस्ट करियर में 1 हजार रन पूरे कर लिए हैं। दरअसल, शुबमन गिल ने टेस्ट करियर में अपने 1 हजार रन पूरे करने के लिए 20 टेस्ट मैचों की 39 पारियों का सहारा लिया। इसके अलावा गिल के नाम टेस्ट में दो शतक और चार अर्धशतक भी दर्ज हैं। हालांकि, इससे पहले सेंचुरियन टेस्ट में वो 2 और 26 रन ही बना पाए थे। पहली पारी में उन्हें नांद्रे बर्गर ने आउट किया था। दूसरे में मार्को यानसेन ने 37 गेंदों में 26 रन बनाकर इस खिलाड़ी को अपना शिकार बनाया था। बता दें कि, मेलबर्न में 2020 बॉक्सिंग डे टेस्ट में गिल ने अपने टेस्ट करियर की शुरुआत की थी। उन्होंने उस मुकाबले में 45 और 35 नाबाद रन बनाए और भारत ने आठ विकेट से यादगार जीत दर्ज की। इस युवा खिलाड़ी ने गाबा, ब्रिस्बेन में शानदार 91 रन बनाए, जिससे भारत ने चार मैचों की सीरीज 2-1 से जीत ली थी।

अंतिम अंतरराष्ट्रीय टेस्ट जीतना मेरे लिए विश्वकप जीतने के समान होगा : एल्गर

केप टाउन । भारत के खिलाफ अंतिम टेस्ट में दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेट टीम की कप्तानी कर रहे डीन एल्गर ने कहा है कि अगर वह अपना अंतिम अंतरराष्ट्रीय टेस्ट मैच जीतते हैं तो ये उनके लिए विश्वकप जीतने के समाना होगा। एल्गर ने पहले ही घोषणा कर दी थी कि वह इस सीरीज के बाद खेल को अलविदा कह देंगे। एल्गर ने कहा कि वह आंकड़ों पर ध्यान नहीं देते और उनका लक्ष्य जीत दर्ज करना रहता है। एल्गर ने कहा कि मैं केवल जीतने के लिए खेलता हूं। मुझे आंकड़ों से फर्क नहीं पड़ता है। मुझे केवल सीरीज में जीत चाहिय। यह सबसे बड़ी यादें है जिसे आप अपनी टीम के साथ साझा कर सकते हैं, उन सभी के साथ जिनके साथ उन्होंने खेला था। एल्गर ने कहा कि टेस्ट सीरीज जीतना भारत जैसी शीर्ष टीम के खिलाफ आसान नहीं होता। उनके खिलाफ जीतना विश्व कप जीतने की तरह रहेगा। मुझे वह अवसर कभी नहीं मिला पर यह मेरा विश्व कप है। यह मेरा क्षेत्र है जहां मैं जीतना चाहता हूं। केपटाउन में खेले जाने वाले विदाइगी टेस्ट पर 36 वर्षीय एल्गर ने कहा कि मुझे नहीं लगता कि आपको कप्तानी के लिए कहे जाने से बड़ी प्रशंसा या बड़ा श्रेय मिलता है। चाहे मैं खेल रहा हूं या कप्तानी कर रहा हूं, मैं अपना 100 फीसदी योगदान देता हूं गौरतलब है कि कप्तान टेम्बा बावुमा के चोटिल होने के कारण इस मैच में कप्तानी की जिम्मेदारी एल्गर को मिली है।

टेस्ट क्रिकेट की घटती लोकप्रियता से निराश हैं कमिंस

सिडनी (एजेंसी)। पूर्व कप्तान स्टीव वॉ के बाद अब ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के कप्तान पैट कमिंस ने भी टेस्ट क्रिकेट की घटती लोकप्रियता पर चिन्ता जतायी है। कमिंस के अनुसार इससे टेस्ट क्रिकेट का भविष्य ही खतरे में पड़ गया है। कमिंस ने कहा कि आज जितने लोग टेस्ट क्रिकेट देखने आ रहे हैं। दो दशक पहले उनकी तादाद काफी अधिक थी।

उन्होंने कहा, 'मुझे उम्मीद है कि दस साल या 20 साल में यह अब से भी ज्यादा मजबूत होगा। साथ ही कहा, 'हमने पाकिस्तान के खिलाफ इससे पहले जो दो टेस्ट मैच खेले थे, उसमें अच्छी समर्थन वाली बड़ी भीड़ थी जिससे हमारा हौंसला बढ़ा है।

गौरतल है कि टेस्ट क्रिकेट की अनदेखी को लेकर तब सवाल उठे थे। जब दक्षिण अफ्रीका ने अगले माह न्यूजीलैंड में होने वाली अपनी दो टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए दूसरे दर्जे की टीम भेजने की घोषणा की थी। इसका कारण ये था

कि दक्षिण अफ्रीका के अधिकतर अनुभवी खिलाड़ी लीग क्रिकेट खेलने के कारण टेस्ट सीरीज से बाहर हो गये थे।

दक्षिण अफ्रीका की इस 14 सदस्यीय टीम में सात कैप्ड और सात अनकैप्ड खिलाड़ी हैं, इस टीम में 15 टेस्ट खेलने वाले डुआने ओलिवर सबसे अनुभवी हैं। कमिंस ने उम्मीद जताई कि न्यूजीलैंड में दूसरे दर्जे की टीम भेजने का दक्षिण अफ्रीका का फैसला केवल एक बार के लिए ही होगा। उन्होंने कहा, 'मैं टेस्ट क्रिकेट को बेहद पसंद करते हुए बड़ा हुआ हूं। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि यह कई चरणों से गुजरता है। मुझे पता है कि दक्षिण अफ्रीकी टीम अपना सबसे मजबूत पक्ष न्यूज़ीलैंड नहीं भेज रही है। मुझे उम्मीद है कि अगली बार ऐसा नहीं होगा।

उन्होंने कहा, 'एक टेस्ट क्रिकेट प्रेमी के रूप में, मैं चाहता हूं कि हर कोई टेस्ट क्रिकेट देख रहा हो, लेकिन मैंने आज तक क्रिकेट को इससे अधिक मजबूत कभी नहीं देखा है। कमिंस ने कहा, 'ऑस्ट्रेलिया में हर गर्मी पिछली गर्मियों से बड़ी लगती है, लेकिन जाहिर तौर पर विदेशों में जाकर ऐसा नहीं होता। वहीं इससे पहले वॉ ने भी कहा था कि आईसीसी और अन्य बोर्ड टेस्ट क्रिकेट पर ध्यान नहीं दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि इसी कारण कई क्रिकेट बोर्ड टेस्ट के लिए कमजोर टीम भेज रहे हैं। जिससे बेहतर खिलाड़ियों को लीग क्रिकेट के लिए भेजा जा सके।

किसान की बेटी ने रचा इतिहास, जर्मनी में अंतरराष्ट्रीय क्रॉस कंट्री स्कीइंग में जीता गोल्ड

स्पोर्ट्स डेस्क । हरियाणा के एक किसान की 31 वर्षीय बेटी विकास राणा ने जर्मनी में क्रॉस कंट्री स्कीइंग चैंपियनशिप में देश के लिए पहला स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया है। हरियाणा में जींद के उचाना क्षेत्र के सुखैन खुर्द गांव के रहने वाली राणा एशियाई खेलों में भी भारत का नेतृत्व कर चुकी हैं। उन्होंने सिर पर 'महाकाल' लिखा स्की बैंड पहनकर स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने कहा, 'मैंने 31 दिसंबर को जर्मनी में आयोजित पांच किलोमीटर क्रॉस कंट्री स्कीइंग में स्वर्ण पदक जीता। यह इस तरह के टूर्नामेंट में पहला पदक था। मैंने वास्तव में कड़ी मेहनत की और कश्मीर के गुलमर्ग में प्रशिक्षण लिया। तालियां देखकर मैं वास्तव में बहुत खुश हूं। मैं भगवान शिव में आस्था रखती हूं और मेरा मानना है कि उन्होंने टूर्नामेंट जीतने में मदद की। इसलिए मैंने महाकाल बैंड पहना।'

विकास राणा ने राष्ट्रीय खेलों में चार स्वर्ण, एक रजत और चार कांस्य पदक जीते। राणा के पिता ओमपाल एक किसान हैं और उनकी मां एक गृहिणी हैं। उन्होंने छोटी उम्र में ही स्कीइंग का अभ्यास शुरू कर दिया था और ज्यादातर समय गुलमर्ग में अभ्यास करती थीं। उन्होंने कहा, 'एक साधारण वित्तीय पृष्ठभूमि से होने के कारण समस्याएं आईं लेकिन अपने परिवार, दोस्तों, कोचों और खेल मंत्रालय द्वारा प्रदान की गई सुविधाओं के समर्थन से मैंने सभी समस्याओं पर काबू पा लिया। मैंने अपना सारा समय अभ्यास के लिए समर्पित कर दिया। एक पदक बहुत कुछ लेकर आता है, तैयारी और वर्षों की योजना का। मुझे खुद को साबित करने का मौका देने के लिए मैं वास्तव में अपने देश का आभारी हूं।'

न्यूजीलैंड ने पाकिस्तान के खिलाफ टी20आई सीरीज के लिए तेज गेंदबाज हेनरी को शामिल किया

क्राइस्टचर्च (एजेंसी)। न्यूजीलैंड ने पाकिस्तान के खिलाफ पांच टी20आई मैचों की सीरीज के लिए अपनी टीम घोषित कर दी है। न्यूजीलैंड बोर्ड ने इस मैच के लिए तेज गेंदबाज मैट हेनरी को अपनी टीम में शामिल किया है। हेनरी अब अपनी हैमस्ट्रिंग की चोट से उबर गये हैं। इस चोट के कारण वह आईसीसी एकदिवसीय विश्व कप से बाहर थे। न्यूजीलैंड और पाक के बीच ये सीरीज 12 जनवरी से शुरू होगी। वहीं कप्तान केन विलियमसन और सलामी बल्लेबाज डेवोन कॉनवे भी इस सीरीज के लिए तैयार हैं। विलियमसन हालांकि इस सीरीज के तीसरे टी20आई (डुनेडिन में) में नहीं खेल पाएंगे क्योंकि वह अपने घुटने की चोट से परेशान हैं। ऐसे में उनकी जगह पर अनकैप्ड जोश क्लार्कसन को मैच के कवर के तौर पर शामिल किया गया है। वहीं मिशेल सेंटनर टीम की कप्तानी करेंगे। मुख्य कोच गैरी स्टीड ने कहा कि पाकिस्तान के खिलाफ हुई सीरीज कई कारणों से अहम थी और उन्होंने टी20 विश्व कप नजदीक होने के कारण इस सीरीज पर जोर दिया है। उन्होंने कहा, मैट, डेवोन, लॉकी और विलियमसन की वापसी का हम स्वागत करते हैं। साथ ही कहा कि ये ऐस खिलाड़ी जिनका कौशल और अनुभव टीम को बेहतर बनाता है। उन्होंने कहा, टी20 विश्व कप से पहले केवल तीन टी20 सीरीज बची हैं, सभी मैच हमारी तैयारी के लिए बेहद अहम हैं। वहीं तेज गेंदबाज लॉकी फर्ग्यूसन भी चोट अपनी चोट से उबर गये हैं और वह भी इस सीरीज में खेलने के लिए तैयार हैं। फर्ग्यूसन इस सीरीज के कुछ मैचों से बाहर रह सकते हैं ऐसे में 25 वर्षीय तेज गेंदबाज बेन सियर्स को इस सीरीज के शुरुआती दो मैचों के लिए शामिल किया गया है। सियर्स ने हाल ही में बांग्लादेश के खिलाफ सीरीज में अच्छा प्रदर्शन किया था। वहीं काइल जैमीसन को टी20आई श्रृंखला के लिए नहीं चुना गया क्योंकि वह हैमस्ट्रिंग की चोट से उबर रहे हैं जबकि ट्रेंट बोल्ट (यूएई) और जिमी नीशम (दक्षिण अफ्रीका) विदेशी टी20 लीग प्रतिबद्धताओं के कारण टीम में शामिल नहीं हैं।

न्यूजीलैंड टी20 टीम इस प्रकार है-केन विलियमसन (कप्तान), फिन एलन, मार्क चैपमैन, जोश क्लार्कसन (केवल मैच 3), डेवोन कॉनवे (विकेटकीपर), लॉकी फर्ग्यूसन, मैट हेनरी, एडम मिल्ने, डेरिल मिशेल, ग्लेन फिलिप्स, मिशेल सैंटनर, बेन सियर्स, टिम सीफर्ट (विकेटकीपर), ईश सोढ़ी, टिम साउथी।

एशियन फुटबॉल कप के लिए भारतीय स्क्वॉड का ऐलान, सुनिल छेत्री को कप्तानी की जिम्मेदारी

नई दिल्ली । जनवरी में होने वाले एएफसी एशियन कप के लिए भारतीय फुटबॉल टीम ने 26 खिलाड़ियों का स्क्वॉड जारी कर दिया है। सुनिल छेत्री को टीम की कमान सौंपी गई है। वहीं स्टार गोलकीपर गुरप्रीत सिंह संधू और डिफेंडर संदेश झिंगन भी टीम का हिस्सा होंगे। सुनिल छेत्री और गुरप्रीत सिंह संधू 2011 एएफसी एशियन कप में भारतीय टीम का हिस्सा थे। छेत्री ने बहरीन और साउथ कोरिया के खिलाफ एक-एक गोल किया था। एशियन कप में भारत ग्रुप बी में है। भारत का पहला मैच 13 जनवरी को अल रेयान के अहमद बिन अली स्टेडियम में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होगा। टूर्नामेंट कतर में 12 जनवरी से 10 फरवरी तक खेला जाएगा। भारतीय फुटबॉल टीम पांचवीं बार एशियन कप में हिस्सा लेगी। इससे पहले टीम 1964,1984, 2011 और 2019 में टूर्नामेंट खेल चुकी है। 1964 में टीम ने बेस्ट प्रदर्शन किया था और फाइनल खेला था। वहीं, बाकि तीन एडिशन में भारत ग्रुप स्टेज से ही बाहर हो गया था। इस बार एशियन कप में भारत के ग्रुप में ऑस्ट्रेलिया, उज्बेक्तिान और सीरिया होगा। भारत का पहला मुकाबला ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 13 जनवरी, दूसरा मुकाबला उज्बेकिस्तान के खिलाफ 18 जनवरी और सीरिया के खिलाफ तीसरा मुकाबला 23 जनवरी को होगा।

संजय सिंह के बिना ब्ल्यूएफआई हमें स्वीकार्य : साक्षी मलिक

केपटाउन (एजेंसी)। नई दिल्ली = ओलंपिक कांस्य पदक विजेता पहलवान साक्षी मलिक ने बुधवार को कहा कि नए भारतीय कुश्ती महासंघ से उन्हें कोई ऐतराज नहीं है अगर बृजभूषण शरण सिंह के विश्वस्त संजय सिंह को इससे अलग रखा जाता है। साक्षी ने 21 दिसंबर को संजय सिंह के डब्ल्यूएफआई अध्यक्ष बनने के बाद खेल से संन्यास ले लिया था। रियो ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता ने दावा किया कि उनकी मां को डब्ल्यूएफआई के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण के समर्थक धमकीभरे फोन कर रहे हैं।

मलिक ने पत्रकारों से कहा, 'हमें नये महासंघ से कोई परेशानी नहीं है। सिर्फ एक व्यक्ति संजय सिंह के रहने से परेशानी है। संजय सिंह के बिना नए महासंघ से या तदर्थ समिति से भी हमें कोई मसला नहीं है।' उन्होंने कहा, 'सरकार हमारे लिए अभिभावक की तरह है और मैं उनसे अनुरोध करूंगी कि आने वाले पहलवानों के लिए कुश्ती को सुरक्षित बनाए। आपने देखा है कि संजय सिंह का बर्ताव कैसा है। मैं नहीं चाहती कि महासंघ में उसका दखल हो।'

उन्होंने कहा, 'मैं अनुरोध ही कर सकती हूं। अगर मंत्रालय कहता है कि वह वापस नहीं आयेगा तो अच्छा है। सभी ने देखा कि डब्ल्यूएफआई चुनाव के बाद बृजभूषण सिंह ने कैसे सत्ता का दुरूपयोग किया। बिना किसी से पूछे अपने शहर में जूनियर राष्ट्रीय चैम्पियनशिप कराने का ऐलान कर दिया।'

साक्षी ने तदर्थ समिति से तुरंत जूनियर वर्ग के टूर्नामेंट कराने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा, 'मैं नहीं चाहती कि हमारी वजह से जूनियर पहलवानों का नुकसान हो। तदर्थ समिति सीनियर राष्ट्रीय चैम्पियनशिप की घोषणा कर चुकी है और अब मैं अनुरोध करूंगी कि अंडर 15, अंडर 17 और अंडर 20 राष्ट्रीय चैम्पियनशिप का भी ऐलान किया जाए।'

इस बीच सैकड़ों जूनियर पहलवान अपने करियर में एक महत्वपूर्ण साल बर्बाद होने के खिलाफ बुधवार को जंतर मंतर पर जमा हुए हैं और उन्होंने इसके लिए बजरंग पूनिया, साक्षी मलिक और विनेश फोगाट को दोषी ठहराया। साक्षी ने कहा, 'पिछले दो तीन दिन से बृजभूषण के गुंडे सक्रिय हो गए हैं। मेरी मां को धमकीभरे फोन किए जा रहे हैं। लोग फोन करके कह रहे हैं कि मेरे घर में किसी के खिलाफ मुकदमा दर्ज होगा। सोशल मीडिया पर लोग हमें गालियां दे रहे हैं लेकिन उन्हें यह नहीं भूलना चाहिए कि उनके घर में भी बहन बेटियां हैं।'

यह पूछने पर कि क्या वह खेल प्रशासक बनना चाहती हैं, उन्होंने ना में जवाब दिया। उन्होंने कहा, 'मैं परेशान हूं। मैं बस इतना चाहती हूं कि जूनियर पहलवानों को नुकसान नहीं हो।

इसके अलावा अभी मेरे दिमाग में कुछ नहीं है। हमें जूनियर पहलवानों के नुकसान के लिए दोषी ठहराया जा रहा है जो गलत है। अगर महिलाएं खेल प्रशासन में होंगी तो अच्छा होगा।' जूनियर पहलवानों द्वारा उनके खिलाफ जंतर मंतर पर प्रदर्शन के बारे में बताने पर उन्होंने कहा, 'मैंने कुश्ती को 18-20 साल दिए हैं। मुझे ही पता है कि पिछले कुछ महीनों में मैंने क्या कुछ सहा है।'

सलमान खान के अपोजिट बॉलीवुड में वापसी करेंगी तृषा

तृषा दक्षिण सिनेमा की सबसे सफल अभिनेत्रियों में से एक हैं। लगातार दो दशक से वे अपनी फिल्मों से धमाल मचा रही हैं। इस दौरान उन्होंने दक्षिण भारत के लगभग हर सुपरस्टार के साथ काम किया। तृषा की लिस्ट में कई शानदार फिल्में दर्ज हैं, जिसके लिए उन्हें खूब सराहना मिली। अब 13 साल बाद तृषा हिंदी सिनेमा में वापसी करने जा रही हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, तृषा निर्देशक विष्णु वर्धन की अगली फिल्म में लीड रोल निभाने जा रही हैं। इस फिल्म में वे बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान के अपोजिट नजर आएंगी। जल्द ही इस फिल्म की आधिकारिक घोषणा होने की भी उम्मीद है। साउथ में एक अभिनेत्री के रूप तृषा का प्रदर्शन शानदार रहा है, उनकी हालिया रिलीज फिल्मों ने भी बॉक्स ऑफिस पर बंपर कलेक्शन किया है। तृषा ने 2010 में प्रियदर्शन की फिल्म खट्टा-मीठा से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। इस फिल्म उन्होंने अक्षय कुमार के साथ मुख्य भूमिका निभाई थी, लेकिन राजनीतिक व्यंग्य पर आधारित यह फिल्म दर्शकों को कुछ खास-पसंद नहीं आई और तृषा का हिंदी सिनेमा से मोहभंग हो गया। हालांकि, अब एक बार फिर तृषा बॉलीवुड में अपनी मजबूत पकड़ बनाने की उम्मीद से हिंदी सिनेमा में वापसी कर रही हैं। फिलहाल तृषा की कई साउथ फिल्में लाइन में हैं। वे तमिल में अपनी फिल्म विदामुयार्ची और मलयालम में आइडेंटिटी की शूटिंग कर रही हैं। वे एक साथ इन दोनों फिल्मों की शूटिंग में व्यस्त हैं। इसके बाद वे मणिरत्नम की फिल्म ठग लाइफ की शूटिंग शुरू करेंगी। इस फिल्म में वे दिग्गज अभिनेता कमल हासन के साथ मुख्य भूमिका में होंगी, जो 2024 में रिलीज होगी।

रोजाना एक घंटे क्लासिकल म्यूजिक का रियाज कर रहे आमिर, 'मोगुल' बायोपिक की तैयारियों के लगे कयास

फिल्मों में अपने किरदार की तैयारी के लिए जी-जान लगा देने वाले एक्टर्स में मिस्टर परफेक्शनिस्ट आमिर खान का नाम सबसे ऊपर आता है। अपनी पर्सनल लाइफ में भी आमिर, कई तरह की हॉबीज के जरिए अपनी स्किल बढ़ाते रहे हैं। अब सुनने में आया है कि आमिर ने क्लासिकल म्यूजिक सीखना शुरू किया है और वे रोजाना इसकी प्रैक्टिस भी कर रहे हैं।

एक रिपोर्ट की मानें तो आमिर हर दिन अपनी सिंगिंग को एक घंटा दे रहे हैं। वो क्लासिकल म्यूजिक टीचर से डेली एक घंटे की क्लास लेते हैं और क्लासिकल म्यूजिक का रियाज भी कर रहे हैं। हालांकि, अभी तक यह कन्फर्म नहीं है कि आमिर ऐसा सिर्फ हॉबी के तौर पर कर रहे हैं या इसका कनेक्शन उनकी अगली फिल्म की तैयारी से है। कुछ रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि वो गुलशन कुमार की बायोपिक 'मोगुल' की तैयारी कर रहे हैं। वर्कफ्रंट पर आमिर की अगली फिल्म 'लाहौर 1947' है जिसमें सनी देओल लीड एक्टर होंगे। वहीं फिल्म को आमिर खान प्रोड्यूस करेंगे और इसमें कैमियो रोल करते भी नजर आ सकते हैं। इस फिल्म को राजकुमार संतोषी डायरेक्ट करेंगे।

लाल सिंह चड्ढा थी आमिर की आखिरी फिल्म

आमिर बीते एक साल से ब्रेक पर है। उनकी आखिरी फिल्म लाल सिंह चड्ढा अगस्त 2022 में रिलीज हुई थी। जो बुरी तरह फ्लॉप हुई थी। बतौर एक्टर आमिर अलग-अलग मेकर्स के साथ 'सितारे जमीन पर' और 'मोगुल' जैसी फिल्मों को लेकर चर्चा कर रहे हैं।

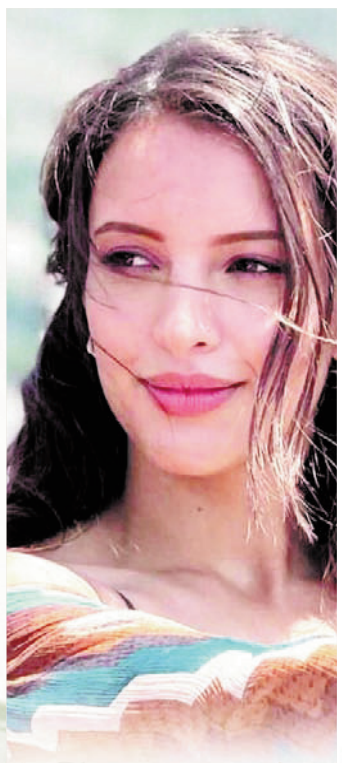

रणबीर के साथ इंटीमेट सीन पर बात की

रणबीर कपूर स्टारर एनिमल को रिलीज हुए एक महीना पूरा हो गया, लेकिन अभी भी फिल्म सुर्खियों में बनी हुई है। इस फिल्म ने ताबड़तोड़ कलेक्शन किया और कई रिकॉर्ड अपने नाम किये। एक इंटरव्यू के दौरान इस फिल्म में जोया का किरदार निभाने वाली तृप्ति ने इंटीमेट सीन के बारे में खुलकर बातचीत की। उन्होंने बताया कि ऐसे माहौल में काम करना बहुत जरूरी होता है जहां लोग आपकी रिस्पेक्ट करें।

तृप्ति डिमरी नेशनल क्रश बन गई हैं

एनिमल के बाद तृप्ति डिमरी नेशनल क्रश बन गई हैं। इस फिल्म ने तृप्ति को खूब पॉपुलैरिटी दी। यहां तक कि पैपराजी तृप्ति को भाभी 2 कहकर बुलाने लगे। इतना ही नहीं तृप्ति के सोशल मीडिया पर भी फॉलोअर्स की अच्छी खासी बढ़ोतरी नजर आई। फिल्म रिलीज से पहले उनके इंस्टाग्राम पर 711 हजार फॉलोअर्स थे। जबकि फिल्म रिलीज होने के सात दिन बाद उनके फॉलोअर्स 2.7 मिलियन हो गए। केवल सात दिनों में उनके फॉलोअर्स 1989,000 तक बढ़ गए थे।

रणबीर मेरे पसंदीदा एक्टर हैं

तृप्ति को रणबीर कपूर पहले से ही काफी पसंद थे। जब उनसे पूछा गया कि शूटिंग के दौरान क्या उन्होंने रणबीर को इस बारे में बताया था कि नहीं। इस पर तृप्ति ने कहा- मैं उनके आसपास बहुत घबराई हुई थी। मैंने उनसे सिर्फ इतना कहा कि वो मेरे पसंदीदा एक्टर हैं। तृप्ति ने हाल ही में रणबीर कपूर और डायरेक्टर संदीप रेड्डी वांगा के बारे में बात की। उन्होंने कहा-जब आपके साथ एक ऐसा को-एक्टर होता है जिस पर आप भरोसा कर सकते हैं, तो काफी मदद मिलती है। इंटीमेट सीन परफॉर्म करते समय कंफर्टेबल रहना बहुत जरूरी हो जाता है। फिल्म के डायरेक्टर संदीप रेड्डी वांगा, डीओपी और रणबीर कपूर ने मुझसे कहा था कि अगर सीन के दौरान आप कभी भी अनकंफर्टेबल महसूस करें, तो हमें तुरंत बताइएगा। हम उसी वक्त सुनिश्चित करेंगे कि आप कंफर्टेबल हो जाएं। रणबीर बार-बार मुझसे पूछते थे कि मैं ठीक हूं कि नहीं।

एक बार फिर दूल्हे के रोल में नजर आएंगे वरुण, दुल्हनियां 3 की कहानी फाइनल!

वरुण धवन एक बार फिर से दूल्हा बनने जा रहे हैं। रियल लाइफ में नहीं बल्कि रील लाइफ में। वरुण धवन अपनी सुपरहिट रोमांटिक कॉमेडी फिल्म हम्टी शर्मा की दुल्हनिया और बद्रीनाथ की दुल्हनिया फ्रेंचाइजी की अगली कड़ी में नजर आने वाले हैं। इस फिल्म को शशांक खेतान डायरेक्ट करेंगे, जिन्होंने दुल्हनियां फ्रेंचाइजी की दोनों फिल्मों को निर्देशित किया था। फिल्म के दोनों भाग में आलिया भट्ट और वरुण धवन लीड रोल में थे। इस जोड़ी को दर्शकों ने काफी पसंद किया था। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, निर्माता करण जौहर, डायरेक्टर शशांक खेतान और वरुण धवन ने दुल्हनिया 3 की कहानी के लिए कई आइडिया पर चर्चा की और अंत में एक को फाइनल किया। यह फिल्म अगले साल 2024 के अंत में फ्लोर पर जाएगी। इस फिल्म में भी वरुण धवन के साथ आलिया भट्ट ही मुख्य भूमिका में होंगी। वरुण और आलिया का हम्टी शर्मा की दुल्हनिया और बद्रीनाथ की दुल्हनिया से गहरा नाता रहा है। इन दोनों सितारों के करियर को आगे बढ़ाने में दुल्हनिया फ्रेंचाइजी की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। वहीं, करण जौहर भी आलिया और वरुण के साथ दुल्हनियां 3 को बनाने को लेकर काफी एक्साइटेड हैं। बता दें कि कुछ महीने पहले भी करण जौहर ने इस फिल्म की अगली कड़ी के संकेत दिए थें। हालांकि, तब फिल्म की कहानी फाइनल नहीं हुई थी। करण ने अपने इंस्टाग्राम लाइव सेशन में एक फैंस के सवाल का जवाब देते हुए कहा था, दुल्हनिया एक बेहतरीन फ्रेंचाइजी है। यह हमारी प्रीमियर फ्रेंचाइजी में से एक है, जो प्यार और भावनाओं से भरपूर है। दो प्यार करने वाले लोगों के साथ भावनाओं और कॉमेडी का मिश्रण दर्शकों का भरपूर मनोरंजन करेगा। हमें उम्मीद है कि हम दुल्हनिया फ्रेंचाइजी को एक दिलचस्प कहानी के साथ वापस लेकर आएंगे। मीडिया रिपोर्ट्स की माने तो फिलहाल वरुण पिता डेविड धवन के साथ अपनी अगली फिल्म पर काम कर रहे हैं। इसे रमेश तौरानी प्रोड्यूस कर रहे हैं। यह फिल्म डेविड धवन के कॉमेडी यूनिवर्स की तर्ज पर आधारित है, जिसमें दो फीमेल लीड होंगी। फिल्म की कहानी हीरो के लव लाइफ और फैमिली ड्रामा कॉमेडी होगी। एक बार फिर से अपने पिता के साथ काम करने को लेकर वरुण धवन काफी उत्साहित हैं।

आयुष्मान ने की फिल्म खो गए हम कहां की तारीफ

अनन्या पांडे, आदर्श गौरव और सिद्धांत चतुर्वेदी स्टारर रोमांटिक ड्रामा खो गए हम कहां इस साल की सबसे ज्यादा पसंद की जाने वाली बॉलीवुड फिल्मों में से एक बन गई है। अब तक कई सेलिब्रिटीज फिल्म की तारीफ कर चुके हैं। अब, अर्जुन कपूर और आयुष्मान खुराना भी इसमें शामिल हो गए हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर फिल्म की तारीफ की हैं। फिल्म का प्रीमियर 26 दिसंबर को नेटफ्लिक्स पर हुआ। आयुष्मान खुराना ने अपने इंस्टाग्राम पर फिल्म की तारीफ की है। उन्होंने फिल्म का पोस्टर शेयर करते हुए लिखा- लव इट (इस फिल्म से प्यार हो गया)। अर्जुन कपूर ने भी अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर फिल्म की तारीफ की। उन्होंने लिखा कि खो गए हम कहां फिल्म देखने का एक एक्सपीरियंस बहुत अलग था...फिल्म की स्टोरी,एक्टिंग और डायरेक्शन बहुत अच्छा था.. अभी हम जिस समय में रहते हैं और जिन मुद्दों से हम जूझते हैं, उन्हें बहुत खूबसूरती से दिखाया गया है। उन्होंने आगे अनन्या, आदर्श और सिद्धांत की तारीफ की और कहा- आपने जो ब्रदरहुड फिल्म में शेयर किया है वही फिल्म की जान है। वो दोस्ती जो आपको यह महसूस कराती है कि ये हम में से एक है। कटरीना कैफ ने हाल ही में अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर फिल्म का रिव्यू दिया। उन्होंने लिखा- मुझे ये फिल्म बहुत पसंद आई। ये फिल्म जरुर देखें। बता दें फिल्म में मलाइका अरोड़ा ने बहुत छोटा किरदार निभाया है। उन्होंने डायरेक्टर अर्जुन वरैन सिंह की तारीफ की और उन्हें कूल बताया। मलाइका ने आगे लिखा- मुझे फिल्म बहुत ज्यादा पसंद आई। फिल्म बहुत अच्छी तरह से लिखी गई है, उतनी ही खूबसूरती से दिखाया भी गया है। मुझे लगता है कि केवल एक अच्छा इंसान ही ऐसी फिल्म बना सकता है। इस फिल्म का छोटा हिस्सा बनकर भी मैं बेहद खुश हूं।

डंकी में विक्की को कास्ट नहीं करना चाहते थे राजकुमार

निर्देशक राजकुमार हिरानी अपनी हालिया रिलीज फिल्म डंकी की सफलता का आनंद ले रहे हैं। फिल्म में शाहरुख खान मुख्य भूमिका में हैं, जिन्होंने पहली बार राजकुमार हिरानी के साथ सहयोग किया। इस फिल्म में शाहरुख खान और विक्की कौशल के अभिनय की दर्शक सराहना कर रहे हैं। इस बीच, अब एक इंटरव्यू में राजकुमार हिरानी ने डंकी में विक्की कौशल को कास्ट करने को लेकर बड़ा खुलासा किया है। तो आइए जानते हैं निर्देशक ने ऐसा क्या कह दिया है।

विक्की को कास्ट नहीं करना चाहते थे राजकुमार

राजकुमार ने खुलासा किया कि उन्होंने विक्की कौशल को यह रोल ऑफर नहीं किया था। निर्देशक ने कहा, जब मैं और विक्की के पिता शाम डंकी की कास्टिंग के विषय पर बातें कर रहे थे, तो सुक्खी की भूमिका के लिए आदर्श लड़के के बारे में पूछा गया। इस किरदार के लिए मैंने विक्की कौशल का नाम लिया। हालांकि, मैंने साफ मना कर दिया कि मैं उन्हें ये भूमिका नहीं दूंगा, क्योंकि यह एक छोटा किरदार है। अब वे मुख्य भूमिकाएं कर रहे हैं, इसलिए मैं उन्हें इसकी पेशकश नहीं करूंगा।

विक्की ने फोन कर कही यह बात

उन्होंने आगे कहा, उसी रात विक्की का मुझे फोन आया और कहा कि आप पिताजी को कैसे बता सकते हैं कि मुझे डंकी में भूमिका नहीं दे सकते? इसके बाद वे अगले ही दिन मुझसे मिलने आए और कहा कि मेरे लिए ये भूमिका निभाना सौभाग्य होगा। उनकी बातों से यह पता चला कि वे कितने अच्छे अभिनेता हैं। इतने छोटे किरदार को निभाने के लिए भी वे आसानी से तैयार हो गए। उन्होंने अपने छोटे किरदार से फिल्म में सबसे बड़ा अंतर बनाया।

विक्की कौशल का वर्कफ्रंट

विक्की कौशल के वर्कफ्रंट की बात करें, तो अभिनेता अपनी आगामी फिल्म छावा में नजर आएंगे। फिल्म की कहानी मराठा राजा छत्रपति शिवाजी महाराज के पुत्र छत्रपति संभाजी महाराज के जीवन पर आधारित है। इसका निर्देशन लक्ष्मण उतेकर कर रहे हैं। बताया जा रहा है कि यह फिल्म साल 2024 में रिलीज होगी। इसके अलावा विक्की कौशल फिल्म मेरे मेहबूब मेरे सनम में दिखाई देंगे, जिसमें उनके साथ तृप्ति डिमरी, एमी विर्क और नेहा धूपिया मुख्य भूमिका में हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, यह फिल्म फरवरी 2024 में सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

दुल्हनिया 3 में वरुण के साथ नया चेहरा लॉन्च करेंगे करण जौहर

हंप्टी शर्मा की दुल्हनिया और बद्रीनाथ की दुल्हनिया के बाद अब करण जौहर ने फिर एक बार इस फ्रैंचाइजी की तीसरी फिल्म दुल्हनिया 3 के लिए वरुण धवन से हाथ मिला लिया है, हालांकि फिल्म में आलिया भट्ट के होने पर अब भी सवाल है। हाल ही में आई बॉलीवुड हंगामा की रिपोर्ट के अनुसार, करण जौहर के धर्मा प्रोडक्शन के बैनर तले दुल्हनिया 3 की तैयारी शुरू हो चुकी है। इस फ्रैंचाइजी की तीसरी फिल्म में वरुण धवन ही लीड रोल में नजर आएंगे, हालांकि फीमेल लीड में बदलाव किया जा रहा है। करण जौहर दुल्हनिया 3 से एक नए चेहरे को लॉन्च करेंगे। रिपोर्ट में सूत्र के हवाले से लिखा गया है कि फिल्म को पिछली 2 फिल्मों के डायरेक्टर शशांक खैतान ही डायरेक्ट करेंगे। वरुण धवन, करण जौहर और शशांक ने मिलकर कई आइडियाज पर विचार किया है, जिसके बाद अब स्क्रिप्ट फाइनल हो चुकी है। फिल्म की शूटिंग अगले साल यानी 2024 को शुरू होगी। मेकर्स ने फिल्म के लिए फ्रेश चेहरे की तलाश भी शुरू कर दी है, जो वरुण धवन के साथ नजर आएंगी। इस रिपोर्ट से साफ है कि नए चेहरे के आने से आलिया भट्ट का फिल्म में होना मुश्किल है। फिल्म को साल 2025 में रिलीज किया जा सकता है।